# मिरा भाईंदर महानगरपालिका

## मुख्य कार्यालय, तिसरा मजला, छत्रपती शिवाजी महाराज सभागृह

**मा. महासभा दि. २४/१२/२०२१ दि. ०१/१२/२०२१ची तहकुब सभा**

बुधवार दि. ०१/१२/२०२१ रोजी मिरा भाईंदर महानगरपालिकेची मा. महासभा सकाळी ११.०० वाजता आयोजित करण्यात आली होती. सदर सभा तहकुब केल्याने विषयपत्रिकेवरील प्रलंबित विषयांवर चर्चा करण्यासाठी ही सभा शुक्रवार, दि. २४/१२/२०२१ रोजी सकाळी ठिक ११.०० वाजता Video Conferencing द्वारे मा. महापौर यांच्या अध्यक्षतेखाली आयोजित केली असता खालीलप्रमाणे सदस्य हजर होते.

**उपस्थित सदस्य**

| | | |
|---|---|---|
| १) | हसनाळे ज्योत्सना जालींदर | महापौर |
| २) | गेहलोत हसमुख मोहनलाल | उपमहापौर |
| ३) | दळवी प्रशांत ज्ञानदेव | सभागृह नेता |
| ४) | जैन दिनेश तेजराज | सभापती, स्थायी समिती |
| ५) | पाटील प्रविण मोरेश्वर | विरोधी पक्षनेता |
| ६) | भोईर सुनिता शशिकांत | सदस्या |
| ७) | शाह रिटा सुभाष | सदस्या |
| ८) | तिवारी अशोक सूर्यदेव | सदस्य |
| ९) | पांडेय पंकज सूर्यमणि | सदस्य |
| १०) | गोहिल शानू जोरावर सिंह | सदस्या |
| ११) | सिंह मदन उदितनारायण | सदस्य |
| १२) | शेट्टी गणेश गोपाळ | सदस्य |
| १३) | ढवण निलम हरीश्चंद्र | सदस्या |
| १४) | कदम अर्चना अरुण | सदस्या |
| १५) | नलावडे दिनेश दगडु | सदस्य |
| १६) | भोईर गणेश गजानन | सदस्य |
| १७) | पाटील प्रभात प्रकाश | सदस्या |
| १८) | गुप्ता कुसुम संतोष | सदस्या |
| १९) | पाटील धनेश परशुराम | सदस्य |
| २०) | पाटील वंदना मंगेश | सदस्या |
| २१) | शाह राकेश रतिशचंद्र | सदस्य |
| २२) | सिंग श्रीप्रकाश जिलेदार | सदस्य |
| २३) | धृवकिशोर मन्साराम पाटील | सदस्य |
| २४) | जैन गीता भरत | सदस्या. |
| २५) | भूप्ताणी रक्षा सतीश (शाह) | सदस्या |
| २६) | मोकाशी दिपाली आनंदराव | सदस्या |
| २७) | व्यास रवि वासुदेव | सदस्य |
| २८) | रकवी वैशाली गजेंद्र | सदस्य |
| २९) | अग्रवाल सुशील गोपीकिशन | सदस्य |
| ३०) | खंडेलवाल सुरेश जगदीश | सदस्य |

| | | |
|---|---|---|
| ३१) | परदेशी गिता हरीश | सदस्या |
| ३२) | पाटील नरेश तुकाराम | सदस्य |
| ३३) | पाटील जयंतीलाल गुरूनाथ | सदस्य |
| ३४) | घरत तारा विनायक | सदस्या |
| ३५) | शिर्के अनंत गेणू | सदस्य |
| ३६) | पाटील वंदना विकास | सदस्या |
| ३७) | पाटील संध्या प्रफुल्ल | सदस्या |
| ३८) | डॉ. पाटील प्रिती जयप्रकाश | सदस्या |
| ३९) | डिम्पल विनोद मेहता | सदस्या |
| ४०) | शेट्टी अरविंद आनंद | सदस्य |
| ४१) | शिंदे रुपाली वसंत (मोदी) | सदस्या |
| ४२) | थेराडे संजय अनंत | सदस्य |
| ४३) | मुखर्जी अनिता बबलू | सदस्या |
| ४४) | चंद्रकांत सिताराम वैती | सदस्य |
| ४५) | पारधी सुजाता यशवंत | सदस्या |
| ४६) | म्हात्रे सचिन केसरीनाथ | सदस्य |
| ४७) | यादव मिरादेवी रामलाल | सदस्या |
| ४८) | म्हात्रे मोहन गोपाळ | सदस्य |
| ४९) | सोनार सुरेखा प्रकाश | सदस्या |
| ५०) | भोईर विणा सुर्यकांत | सदस्या |
| ५१) | भोईर कमलेश यशवंत | सदस्य |
| ५२) | पाटील अनिता जयवंत | सदस्या |
| ५३) | भोईर भावना राजू | सदस्या |
| ५४) | भोईर राजू यशवंत | सदस्य |
| ५५) | मांजरेकर आनंद दत्ताराम | सदस्य |
| ५६) | अरोरा दीपिका पंकज | सदस्या |
| ५७) | गजरे दौलत तुकाराम | सदस्य |
| ५८) | नाईक विविता विवेक | सदस्या |
| ५९) | सोंस नीला बर्नाड | सदस्या |
| ६०) | राय विजयकुमार सिस्थन नारायण | सदस्य |
| ६१) | शेख रुबीना फिरोझ | सदस्या |
| ६२) | डिसा मर्लिन मर्विन | सदस्या |
| ६३) | सावंत अनिल दिवाकर | सदस्य |
| ६४) | मेहरा राजीव ओमप्रकाश | सदस्य |
| ६५) | परमार हेतल रतिलाल | सदस्या |
| ६६) | भट दीप्ती शेखर | सदस्या |
| ६७) | कासोदारिया अश्विन शामजीभाई | सदस्य |
| ६८) | भावसार वंदना संजय | सदस्या |
| ६९) | शाह सीमाबेन कमलेश | सदस्या |
| ७०) | दुबे मनोज रामनारायण | सदस्य |
| ७१) | विराणी अनिल रावजीभाई | सदस्य |

| | | |
|---|---|---|
| ७२) | अहमद साराह अकरम | सदस्या |
| ७३) | इनामदार जुबेर अब्दुल्ला | सदस्य |
| ७४) | शेख अशरफ मोहम्मद इब्राहीम | सदस्य |
| ७५) | भोईर जयेश भानुदास | सदस्य |
| ७६) | म्हात्रे नयना गजानन | सदस्या |
| ७७) | भानुशाली वर्षा गिरधर | सदस्या |
| ७८) | म्हात्रे विनोद काशिनाथ | सदस्य |
| ७९) | बगाजी शर्मिला विन्सन्ट | सदस्या |
| ८०) | शर्मा भगवती शर्मा | नामनिर्देशित सदस्य |
| ८१) | ॲड शफीक अहमद सादत खान | नामनिर्देशित सदस्य |
| ८२) | भोसले अनिल बाबुराव | नामनिर्देशित सदस्य |
| ८३) | अजित भगवान पाटील | नामनिर्देशित सदस्य |
| ८४) | सिंह विक्रमप्रताप रमाप्रती | नामनिर्देशित सदस्य |

<u>गैरहजर सदस्य -</u>

| | | |
|---|---|---|
| १) | पाटील रोहिदास शंकर | सदस्य |
| २) | कांगणे मीना यशवंत | सदस्या |
| ३) | रावल मेघना दिपक | सदस्या |
| ४) | जैन सुनिता रमेश | सदस्या |
| ५) | जैन राजेंद्र भवरलाल | सदस्य |
| ६) | रॉड्रीकस मोरस जोसेफ | सदस्य |
| ७) | परेरा कॅटलीन एन्थोनी | सदस्या |
| ८) | सय्यद नुरजाहॉ नाझर हुसेन | सदस्या |
| ९) | शेख अमजद गफार | सदस्य |
| १०) | पांडे स्नेहा शैलेश | सदस्या |
| ११) | म्हात्रे परशुराम पदमाकर | सदस्य |
| १२) | बेलानी हेमा राजेश | सदस्या |
| १३) | गोविंद हेलन जॉर्जी | सदस्या |
| १४) | बांड्या एलायस दुमिंग | सदस्य |

रजेचा अर्ज - निरंक

नगर सचिव :-

मिरा भाईंदर महानगपालिकेची मा. महासभा बुधवार दि. ०१/१२/२०२१ रोजी सकाळी ११.०० वाजता मिरा भाईंदर महानगरपालिका, स्व. इंदिरा गांधी भवन, मुख्य कार्यालय, तिसरा मजला, छत्रपती शिवाजी महाराज सभागृहात महासभा सुचना क्र. ०६ मधील प्रकरणांवर विचार विनिमय करण्यासाठी आयोजित करण्यांत आली होती. सदर सभा तहकुब केल्याने ही सभा शुक्रवार दि. २४/१२/२०२१ रोजी आयोजित करण्यात आलेली आहे. सभा कामकाजाला आपण सुरुवात करत आहोत आधी प्रश्नोत्तराच्या तासाला आपण सुरुवात करत आहोत. पहिला प्रश्न आहे भगवती शर्मा यांनी दि. 07/09/2021 रोजी विचारलेला प्रश्न आहे.

भगवती शर्मा :-

महापौर मॅडम मेरा जो प्रश्न था उसका एकतो विषय पत्रिकामे वो विषय भी आ गया है, लेकीन मुझे जो जानकारी दि गई है उसमे दो जानकारीया कम दी गई है, इसके लिये आपकी आग्या होतो मे अभी पुछू और आप बोलेंगे तो जब वो विषय आयेगा तब मे बात करु । महापौर मॅडम मेरा प्रश्न यह था की मेने इनसे जानकारी पुछी थी की 2009 से लेकर के 2020 तक आपके पास के अंदर मे ऐसे कितने विकासक है जिन्होने यह वापीस सबकी अनामत रक्कम माँगी थी । इन्होने मुझे 2014 से 2021 तक दिया है लेकीन 2009 से लेकर के 2013-14 तक इनके पास के अंदर में कोईभी रिपोर्ट उपलब्ध नही है । तो 2009 से 2014 तक जिन विकासकोने रक्कम माँगी उसका रिपोर्ट क्यो नही है इनके पास मे?

मा. महापौर :-

शर्माजी आपकी आवाज इको हो रही है ठिक से सुनाई नही दे रहा है । आवाज एकत्र येतोय जरा स्पष्टपणे बोला.

भगवती शर्मा :-

मा. महापौर मॅडम मेरा प्रश्न किया गया है की मेने यह प्रश्न पुछा था की यह अनामत रक्कम जो विकासको द्वारा लिगई है उसके अंदर मे आज तक कितने लोगोने इसको रिफंड माँगी है 2009 से लेके 2020 तक? मेरे को जो जानकारी उपलब्ध कराई गई है 2014-15 से लेके 2020-21 तक इन्होने मेरे को बताया है की इन इन बिल्डरोने विकासकोने रक्कम वापीस माँगी है । लेकीन 2009-10 से लेके 2014-15 तक इनके पास मे कोई जानकारी उपलब्ध नही है ऐसा इन्होने मेरे को उत्तर लिखा है । मेरा प्रश्न यह है की इनके पास जानकारी क्यो नही है रिपोर्ट क्यो उपलबध नही है?

मा. महापौर :-

आपका इस प्रश्न के उत्तर से समाधान नही हूवा है ?

भगवती शर्मा :-

इनके पास मे वो रेकॉर्ड ही उपलब्ध नही है 2009-10 से लेके 2013-14 तक ।

मा. महापौर :-

संबंधित अधिकारी यांनी उत्तर द्या.

अजित कुलकर्णी :-

सन्मा. महापौर मॅडम, ॲक्चुअली 2014-15 पासुनचे आपण ज्यांनी परतावा घेतलेला आहे आता सन्मा. सरांनी सांगितल्या प्रमाणे आपण दिलेले आहे. 2009 पासुन 2013-14 पर्यंतची आपण जो अभिलेख आहे त्या अभिलेखातुन हे करण्याचे आपले काम सुरु आहे म्हणजे कोणी कोणी परतावा घेतला त्यांच्या फाईल्स वरुन ते कंफॉम करुन ती माहिती उपलब्ध करुन देणेचे तयार करण्याचे काम आपल्या अभिलेखावरुन सुरु आहे.

भगवती शर्मा :-

यह कबतक जानकारी मिल जायेगी ?

अजित कुलकर्णी :-

सर जेव्हा सगळी माहिती उपलब्ध होईल तेव्हा आपल्याला दिली जाईल.

भगवती शर्मा :-

ठिक है मेरा दुसरा प्रश्न यह है की महापौर मॅडम मेने इनसे प्रश्न पुछा था की आपके पास के अंदर मे यह जो अनामत रक्कम जमा की जाती है तो मेने यह पुछा था की महापालिका वार्षिक अंदाज पत्रकामध्ये कोणत्या लेखाशिर्षा खाली सदरची अनामत रक्कम दाखविण्यात येत आहे तो इन्होने उत्तर लिखा की सदर अनामत रक्कम ह्या संबंधिताने परत करावयाचे असतात त्यामुळे अद्याप पर्यंत सदर रक्कमांचे अंदाजपत्रक दर्शविलेला नाही. मतलब अंदाजपत्रक के अंदर मे कोन से

खाते मे लेखाशिर्षक के अंदर मे यह जमा किया हूवा है आज तक इन्होने यह दिखाया ही नही है तो यह अमाऊंट है कहा ? जो करीबन 100 करोड के आसपास के अंदर मे यह अमाऊंट होती है वह अमाऊंट किस खाते मे जमा की गई है ? किस लेखाशिर्षक के अंदर मे जमा की गई है ?

अजित कुलकर्णी :-

सर, ॲक्च्युअली आपल्याकडे आयुक्तांचे आदेश आहेत दिनांक 07/04/2011 चे आदेश आहेत. त्याच्यामध्ये त्यांनी असे स्पष्ट आदेशात असे म्हटलेले आहे की सदरची रक्कम ही लेखा विभागाने स्वतंत्रपणे खाते निर्माण करुन स्वतंत्र रक्कम जाम करुन घ्यावी. जमा रक्कमेचा तपशिल नगर रचना व लेखा विभागाने स्वतंत्र नोंदवही द्वारे वेळोवेळी अद्येयावत करुन ठेवण्यात यावा. अशा प्रकारचे त्यावेळेस तत्कालिन आयुक्तांनी आदेश दिलेले आहेत. आणि सदरची सुरक्षा रक्कम अंदाजपत्रकीय रक्कमेच्या पुर्वनियोजीत करताना इतर कोणत्याही कामासाठी खर्च करण्यात येवू नये. म्हणजे अंदाज पत्रकात जर आपण ती रक्कम जमा रक्कम म्हणून दाखवली असती तर आपल्याला त्या अंदाजपत्रकात त्याअनुषंगाने आपल्याला त्याचे बॅलेंसिंग करायला लागते. आपल्या कदाचित माहित आहे खर्च जमा आणि खर्चाचे तर त्यामुळे ती अंदाजपत्रकात आजपर्यंत दाखवली गेली नाही. पण तरी सुध्दा याच्यावर मा. आयुक्त साहेबांची यावर एकदा चर्चा झालेली आहे तर त्याच्यामध्ये आपण या अगामी अंदाजपत्रकात ती संकिर्ण म्हणून आपण ती दाखवता येवू शकेल पण ती जमा रक्कम म्हणून आपण त्याला धरता येणार नाही साहेब.

भगवती शर्मा :-

लेकीन वो जमा रक्कम है कीस लेखाशिर्षक के अंदर मे ? महानगरपालिका मे वो अमाऊंट जमा है क्या ?

अजित कुलकर्णी :-

आपल्या वार्षिक लेख्यामध्ये ती दाखवली जाते सर आपल्या दाईत्वमध्ये कारण ते आपले दाईत्व आहे. ह्या ज्या अनामत रक्कम आहेत त्या आपल्याला त्या विकासकाला परत करायच्या असतात ते आपले दाईत्व आहे साहेब.

भगवती शर्मा :-

उसका जवाब मुझे दिजीये ना की प्रत्येक वर्ष के अंदर मे यह अमाऊंट उसके अंदर मे हमने डाली है और कॅरीफॉरवर्ड कर के वह अमाऊंट इतना जा कर के आज यह करीबन वह 95 करोड के आस पास मे वह अमाऊंट थी ।

अजित कुलकर्णी :-

सर आपण हे सगळे डिटेल्समध्ये आपल्याला ईयरव्हाईज दिलेले आहे.

भगवती शर्मा :-

सर आपने मुझे दिया है लेकीन मेरे को कोनसे खाते मे जैसे आपने बोला संकिर्ण मै ।

अजित कुलकर्णी :-

एक स्वतंत्र लेखा खाते तयार केले आहेत.

अजित कुलकर्णी :-

तो उसकी जानकारी दिजीये ना ।

मा. आयुक्त :-

महापौर मॅडमच्या परवानगीने बोलतो, शर्मा साहेब जे जे आपल्याला शंका असेल म्हणजे संबंधित कॅफो आणि ए.डी.टी.पी. यांच्या सोबत ज्या ज्या ठिकाणी आपल्याला डाऊट क्लियर नसेल त्याठिकाणी समोरा समोर बसुन ते आपल्या शंकेचे निरसन करण्यात येईल.

भगवती शर्मा :-

सर लेखा विभागने जो 2017-18 से 2020-21 तक 18 करोड 87 लाख रुपये रिफंड किया हूवा है ऐसा बताया गया है और मेरे पास के अंदर मे नगर रचना विभाग द्वारा जो पत्र आया है उसके अंदर मे उन्होने 9 करोड रुपया बताया है की हमने रिफंड के लिये भेजा है । तो यह 9 करोड का डिफ्रंट्स क्यो आ रहा है ? ठिक है सर मे आपके पास मे मिलूंगा आप मेरी जोभी शंका है वो दुर करीयेगा क्योकी इनके दोन्हो लेटर मेरे पास मे अभी है । लेखा विभाग बोलता है 18 करोड 87 लाख 47 हजार 719 रिफंड किया गया है, जब की मेरे पास नगर रचना विभाग का है जिन्होने यह बताया है की 9 करोड 58 लाख 10 हजार 923 रुपया रिफंड किया है तो यह 9 करोड का डिफ्रंट कहा से आ रहा है ? तो यह सब शंकाये है सर मेने इनको पुछा थी उसके अंदर मे वह जवाब सहीने नही मिला मेरी आपसे आशा है इसका सही जवाब आप मुझको देंगे ।

हेमंत ठाकुर :-

मा. महापौर मॅडम, मा. उपमहापौर साहेब, मा. आयुक्त साहेब व सन्मा. सभागृह याअनुषंगाने मी सादर करु इच्छीतो की सन-2009 ते 2017 ह्या कालावधितील मालमत्ता अनामत रक्कमेची माहिती ही मनपाच्या लेखा विभागाकडे होती आणि सन-2017-18 पासुन सन-2020-21 पर्यंतची माहिती ही नगररचनाकार विभागात उपलबध असल्याने ती सन्मा. नगरसेवक यांना नगर रचना विभागाने दिनांक 29/11/2011 च्या पत्राने उपलबध करुन दिलेली आहे. त्या सदरच्या पत्रामध्ये सन्मा. नगरसेवकांना 2017-18 ते 2020-21 पर्यंत एकुण बांधकाम मालमत्ता कर अनामत रक्कम किती जमा झालेली आहे याबद्दलचा तपशिल आम्ही दिलेला आहे. ती रक्कम ईयरव्हाईज केली तर 2017-18 मध्ये 41 प्रकरणं 2018-19 मध्ये 140 प्रकरणं 2019-20 मध्ये 106 आणि 2020-21 मध्ये एकुण 42 प्रकरणं याद्वारे एकुण 18 कोटी 87 लाख 47 हजार 790 एवढी बांधकाम मालमत्ता कर अनामत रक्कम जमा केलेली आहे. आणि मालमत्ता कर अनामत परताव्या बाबत असे सांगु इच्छीतो की 2018-19 मध्ये एकुण 5 विकासकांना 8 प्रकरणा द्वारे 44 लाख 56 हजार 357 एवढी रक्कम 2019-20 मध्ये 8 विकासकांना 19 प्रकरणांद्वारे 2 कोटी 59 लाख 62 हजार 893 रुपये व 2020-21 मध्ये फक्त एकच विकासकाला एका प्रकरणामध्ये 1 कोटी 20 लाख 11 हजार 295 असे एकुण 4 कोटी 24 लाख 30 हजार 545 एवढी रक्कम आहे ती लेखा विभागाला परत करणेबाबत शिफारस केलेली आहे. आणि आमच्या शिफारशीच्या अनुषंगाने ती रक्कम परत करणेबाबतची जी कार्यवाही आहे ती लेखा विभागाकडून केली जाते त्यामुळे लेखा विभागाचे जे आकडे असतील याच्यामध्ये ते अंतीम धरण्यात यावेत.

भगवती शर्मा :-

ठिक है यह जो दोन्होका डिफ्रंट है सर मे आपके पास आता हूँ मुझे क्लियर करीयेगा क्योकी एक जग 18 करोड बताया जा रहा है और आप अभी 4 करोड बता रहे है आपहीका पत्र मेरे पास मे है 2014-15 के अंदर मे कितना गया, 2015-16 मे कितना है पुरा ईयरव्हाईज आपणे स्टेटमेंट दिया हूवा है उसके अंदर मे 9 करोड 58 लाख रुपये का अमाऊंट आता है । तो ठिक है इस चिजका मे आपके पास मे आता हूँ क्लियर करीये क्योकी अभी यह ऑनलाईन सभा होने के कारण से मनतो आपको कागज दिखा सकता हू ना कोई और बात क्योकी आपने अलग जवाब दिया नगर रचनाने अलग जवाब दिया तो मै इसका कैसे व्हेरीफाय कर के आपको बराबर बताऊंगा । यातो आप आमने सामने होयेंगे तो यह चिज क्लियर हो सकती है । तो यह जो डिफ्रंट है उसका मुझे क्लियर करीयेगा और जो लेखा शिर्षक है उसका मेरे को क्लियर करीयेगा द्यॉट सॉल।

मा. महापौर :-

ठिक आहे सन्मा. सदस्य शर्माजीने जो प्रश्न उत्तरामध्ये जो प्रश्न विचारलेला आहे त्याचे प्रशासनाने खुलासा दिलेला आहे परंतु त्यांना आणखीन काही माहिति हवी असेल तर कुलकर्णी साहेब व ठाकुर साहेबांनी त्यांना माहिती द्यावी. सचिव साहेब दुसरा प्रश्न घ्या.

नगर सचिव :-

प्रश्न क्र.33 श्री. भगवती शर्मा यांनी दिनांक 07/10/2021 रोजी विचारलेला प्रश्न आस्थापना विभागा संदर्भात आहे.

भगवती शर्मा :-

महापौर मॅडम मेरा विषय क्र.33 और 35 दोन्हो एकही विषय के उपरमे है तो इन दोन्हो को मिलाकर के मे एकही प्रश्न पुछता हूँ मेरे को जो जानकारी मिली है की महानगरपालिका का आस्थापना खर्च 33 टक्का तक होना चाहिये और आज वर्तमान मे उन्होने लिखा है 44 टक्के गया हूवा है । 35 टक्का के बदले 44 टक्का महानगरपालिकाने ॲक्सेप्ट किया है । जब की मेरे पास के अंदर मे ऐसे आकडे उपलबध है इसके पहले भी इसके पहिले के कमिश्नरने मुझे बताया था की 50 टक्का हमारा आस्थापना खर्च गया हूवा है । मेरा यह मानना है की 35 के बदले 44 टक्का गया हूवा है उसके बाद के अंदर मे हम आस्थापना पे खर्च पे खर्च किये जा रहे है प्रतिनियुक्तीपे हम स्टाफ लेते जा रहे है । असिस्टंट कमिश्नर हम बढाते जा रहे है ठिक है हमारे सेवा भरती नियम के अंदर मे हमारे जो जो पोस्ट है जो निर्माण किये है उनकी समय समय पे मतकाल एसे मंजुरी लेते है उनको भरने के लिये हम आगेका प्रोसेस करते है लेकीन कहीना कही हमको आर्थिक स्थितीभी देखनी पडेगीना । मिरा भाईंदर मे संगणक चालक है आज 15-20 साल से हमने हमेशा जब डिमांड की इनको परमनंट किया जाये तो हमको हमारे सामने एक हमेश आकडा दिया जाता था की आस्थापना खर्च 33 टक्का 35 टक्का हो रहा है इसके लिये इनको हम परमनंट नही करपा रहे है । लेकीन समस्या आजभी वही बनी हूई है हमारे जो यहाके जो स्थानिक यहाके भुमिपुत्र है जो संगणक चालक के अंदर मे इतने बरसो से अभी सेवा दे रहे है उनके लिये नियम अलग है और जब बाहर से भरती हो रही है प्रतिनियुक्ती हो रही है दुसरे स्टाफ लिये जा रहे है तो उसके अंदर मे नियम अलग है तो कहीना कही यह दोन्हो मे विरोधाभास है मेरा यह मानना है की यहाके लोग है जो उन्ही को पदोन्नती देकर के इस खर्चेको कम कर सकते है या इस्टील कर सकते है । जो 35 टक्का के बदले जो 44 टक्का है इसके उपर मुझे स्पष्टीकरण दिया जाये की यह 35 का 44 जा रहा है इसके उपर मे प्रशासन क्या स्टेप उठा रही है प्रशासन.

मा. महापौर :-

संबंधित विभागाचे अधिकारी उत्त्र द्या.

मारुती गायकवाड :-

सन्मा. अध्यक्ष महोदय आस्थापना खर्च ॲक्च्युअली 44 टक्के आहे ह्या अलीकडील दोन वर्षामध्ये तो जास्त खर्च वाढलेला आहे. कारण कोरोनामध्ये जे आपण काँट्रॅक्टबेसवर जे कर्मचारी घेतलेले आहेत तो जो खर्च आहे तो आपला आस्थापनेमधुन जात आहे. दुसरं सार्वजनिक आरोग्यामध्ये जे ठेका कर्मचारी आहेत साफसफाईसाठी वगैरे तो सुध्दा खर्च आस्थापना खर्च म्हणून दाखवला जात आहे. त्यामुळे आपला आस्थापना खर्च 44 टक्के झालेला आहे. मुद्दा क्र.2 जी भरती किंवा हे होते ते सर्व आर.आर. आणि शासनाचे जी.आर. महत्वाचे म्हणजे आर.आर. जे आपले आर.आर. मंजुर आहेत त्याअनुषंगानेच भरती होत असते. आपले आर.आर. 2019 साली मंजुर झालेले आहेत आणि त्याच्या नंतर लगेचच कोविड चालु झाला होता. कोविड चालु झाल्या नंतर शासनानेच भरती वरती बंदी घातलेली होती आणि आता चार दिवसा पुर्वी शासनाने जी भरती वरती बंदी घातलेली होती ती आता उठविलेली आहे. आणि आपले जे रिक्त पद आहेत ते रिक्त पद आपला जो आस्थापना खर्च आहे तो

आस्थापना खर्च 35 टक्के पर्यंत कमी करुन म्हणजे जो आता 44 टक्के आहे तो कुठे जास्त होत आहे कसा कमी करता येईल त्याचा विचार करुन तो खर्च आपण 35 टक्यापर्यंत आणुन भरती करण्याचा अनुषंगाने मा. आयुक्त महोदयांनी आम्हाला तशा सुचना दिलेल्या आहेत. आणि त्याअनुषंगाने प्रशासनाचे काम चालु आहे की 35 ते 44 हा जो 9 टक्के वाटीव खर्च आहे तो खर्च आपल्याला कसा कमी करता येईल आणि आपली जी रिक्त पद आहेत ती रिक्त पद कशी भरता येतील. दुसरा मुद्दा होता की प्रतिनियुक्ती वगैरे आपल्या आर.आर.मध्ये जी पदे मंजुर आहेत आणि ज्या पदावरती स्थानिक महानगरपालिकेचा कर्मचारी प्रमोशनसाठी पात्र नाही अशी पद शासनाने प्रतिनियुक्तीने भरलेली आहेत.

भगवती शर्मा :-

सर आप बोलते हो स्थानिक के अंदर मे हमारे पास के अंदर मे जो अधिकारी/कर्मचारी पात्र नही है, आपने एक कागज मे मुझे भेजा है जिसके अंदर मे कुछ कर्मचारीयो को आपने लिखा हूवा है की ओ इसके लिये पात्र नही है की उनको अँटीकरप्शन के उपर मे उनके उपर केस दाखील है इसके लिये उनको पात्रताके योग्य नही समजा जाता है । मेरा यह कहना है की अँटीकरप्शनके अंदर मेही एक अधिकारीको हम पदोन्नती दे सकते है मेरा उससे कोई विरोधाभास नही है पदोन्नती देना चाहिये यहाके लोग है उनको पदोन्नती देना चाहिये लेकीन एक को आप पदोन्नती देते है दुसरे को आप पदोन्नती देते है और तिसरेको आप शासनके नियमोका अहवाला देते है की अपात्र व्यक्तिको हम आगे पदोन्नती नही दे सकते है आज उसके अंदर मे स्वप्नील सावंत है आज उसके अंदर मे डॉक्टर जाधव है आज शहरकी कितनी बढी जिम्मेदारी उनको दी है ओभी भ्रष्ठाचार विरोधक कायदेके अंदतर्गत गुन्हा उनके उपर भी दर्ज है मेरा यह कहना नही है जो उपयुक्त है उसको दिजीये जो काम कर सकते है आयुक्त महोदय का अधिकार आहे अगर ओ उपयुक्त है तो उसको देना चाहिये । वैसेही मेरा यह कहना है की इनके बाद के अंदर मे बहुत से हमारे स्टाफ ऐसे हे जो सहाय्यक आयुक्त के उपर मे 5-5 वर्ष तक कामकाज कर चुके है वह फिजीबली योग्य माने जाते है तो उनको आगे के उनको नियुक्ती कही की जानी चाहिये ताकी यह स्थानिक लोगो कोभी वो इजिबिलीटी हमाराभी मानसन्मान कर हमारेकोभी शहर के अंदर मे न्याय मिला । कुछ अधिकारी ऐसे है जो एक देढ साल मे रिटायर्डमेंट होने वाले है । और आप उनका देखेंगे तो वेतन श्रेणी सेम मे आता है ओ वेतन श्रेणी भी अलग मे नही है । और इनको हम अगर पदोन्नती देते गये तो हमारे उपर आर्थिक बोजा भी नही है । तो मेरा महापौर मॅडम आपसे यह निवेदन है की इस विषय को गंभीरता से लेकर के यहाके लोगो को स्थानिक लोगो के साथमे भी न्याय किया जाये और यह जो खर्चा है इसको भी कम किया जाए ।

मा. महापौर :-

आपण यावरती नक्कीच आपण ज्या सुचना केलेल्या आहेत त्याप्रमाणे प्रशासनाला कार्यवाही करायला सांगु. पुढचा विषय घ्या.

नगर सचिव :-

प्रश्न क्र.34 भगवती शर्मा यांचाच आहे.

भगवती शर्मा :-

सर इसका जवाब मुझे मिल गया है ठिक है मेरा इसके उपर मे कुछ बोलना नही है ।

नगर सचिव :-

प्रश्न क्र.36 अजित पाटील यांनी विचारलेला प्रश्न आहे.

अजित पाटील :-

महापौर मॅडम मला बोलायला संधी दिल्या बद्दल धंन्यवाद आयुक्त साहेबांनी ज्या सेवा निवृत्त कर्मचाऱ्यांना त्याच दिवशी त्यांना देणेबाबत आदेश काढलेले आहेत त्याबदल आयुकत साहेब, उपायुक्त मुख्यालय यांना मी धंन्यवाद देतो. जो आदेश काढलेला आहे त्याची काटेकोटर पणे अंमलबजावणी

करावी अशी त्यांना विनंती आहे. तसेच आता रिटायर्ड होऊन 7 ते 8 लोक आहेत त्यांना अजुन पेन्शन मिळालेले नाही, रिटायर्डचा फायदा मिळालेला नाही तर त्यांचे जे पेडिंग आहे त्यांचे जे रिटायर्डमेंट लाभ आहेत ते लाभ किती दिवसात देण्यात येतील ह्या संदर्भामध्ये प्रशासनाने आम्हाला ह्या सभेमध्ये आश्वासन द्यावे ही विनंती आहे. 7-8 महिने झाले त्या लोकांना पेंशन मिळालेली नाही अशी 7-8 केसेस आहेत त्याबद्दल लवकरात लवकर निर्णय घ्या अशी विनंती आहे. प्रशासनाने ह्या संदर्भात लेखी आश्वासन द्यावे अशी आमची विनंती आहे.

मारुती गायकवाड :-

सन्मा. अध्यक्ष महोदय, सन्मा. सदस्यांनी जो प्रश्न विचारलेला आहे त्या प्रश्नाचे उत्तर लेखी स्वरुपात त्यांना दिलेले आहे. त्यांची जी मागणी होती की जो कर्मचारी सेवानिवृत्त होतो त्यादिवशीच त्याचे सेवानिवृत्तीचे लाभ देता येतील ते देण्यात यावेत त्याअनुषंगाने आयुक्त महोदयांनी तसे आदेश पारीत केलेले आहेत. आणि त्याअनुषंगाने कामकाज पण चालुच आहे. परंतु मॅडम त्यात थोडा असा प्रॉब्लेम होत आहे की काही सेवा पुस्तक आता बरेच आम्ही आता आयुक्त महोदयांच्या निर्देशा प्रमाणे अगदी 1990 ते 1992 पासुन सेवा पुस्तक आता आम्ही अपडेट करत आहोत. सेवानिवृत्तीचे लाभ देताना किंवा पेंशन वगैरे देताना सेवा पुस्तक अपडेट आहेत किंवा नाही, सेवा पुस्तकेच्या नोंदी अपडेट कराव्या लागतात सगळ्या गोष्टी कराव्या लागतात. आस्थापना विभागने ते कामकाज 4-5 महिन्या पासुन अजेंड्यावरती घेवून सेवा पुस्तक अपडेट करणे किंवा ह्या ज्या गोष्टी आस्थापनेच्या अनुषंगाने आहेत त्या परिपुर्ण करण्याचा प्रयत्न चालु आहे. आणि सन्मा. सदस्यांनी जो महत्वाचा मुद्दा उपस्थित केला आहे त्यात काही 4-5 कर्मचारी असे आहेत की त्या कर्मचाऱ्यांना सेवानिवृत्ती नंतरचे लाभ किंवा हे दिलेले नाही ते लवकरात लवकर म्हणजे 15 ते 20 दिवसामध्ये मॅक्झीमम महिन्या भराच्या आतमध्ये त्या लोकांना सेवानिवृत्तीचे लाभ प्रशासनाकडून 100 टक्के देण्यात येतील, हे प्रकरण संपवत आणलेले आहे.

अजित पाटील :-

धंन्यवाद साहेब हे आश्वासन दिल्या बदल. आता ह्यापुढे आदेशाची काटेकोर पणे अंमलबजावणी करण्यात यावी एवढीच अपेक्षा आहे.

मा. महापौर :-

पाटील साहेब आपल्या प्रश्नाचे समाधान झालेले आहे का ?

अजित पाटील :-

आदेशाची काटेकोर पणे अंमलबजावणी करावी दक्षता घ्यावी अशी आमची विनंती आहे.

मा. महापौर :-

नक्की.

नगरसचिव :-

पुढचा प्रश्न आहे अजित पाटील यांचा 26/102021 रोजी विचारलेला प्रश्न आहे.

अजित पाटील :-

महापौर मॅडम मला जे प्रश्नाला उत्त्र दिलेले आहे त्या उत्तरामध्ये थोडी विसंगती दिसत आहे, त्यात जे गार्डन डेव्हलपमेंटचे दिलेले आहे त्यासंदर्भामध्ये ही दरसुची आहे 2015-16 ची लागु केलेली आहे त्यामध्ये जे टेंडर आहे त्या इस्टीमेंटमध्ये लाल माती, शेन खत, अकुशल कामगार, कुशल कामगार मेलेल्या गवत, झाडे लावण्याचा समावेश आहे इस्टीमेटमध्ये झालेले काम त्याची नोंद एम.बी. मध्ये घेवून बिल करण्याची पध्दती आहेत आणि बिल जे सादर करतात त्यावेळेला त्याच्यामध्ये एम.बी. नोंदीच्या कॉपी सादर करणे आवश्यक असते. मला प्रशासनाला आणि संबंधित विभागाल एक प्रश्न विचारायचा आहे की सदर जे इस्टीमेट केलेले आहे त्याला 107 नुसार महासभेची मंजुरी आहे काय इस्टीमेट अमाऊंटला ? तसेच तांत्रिक मंजुरी 161 आहे का व 166 नुसार त्यांनी इस्टीमेट तयार

केलेले आहे का त्याबद्दलचा प्रशासनाने खुलासा करावा. जे आता उत्तरामध्ये त्यांनी म्हटलेले आहे की आम्ही मोजमाप एम.बी. मध्ये घेतो. एम.बी.मध्ये आपण माप घेतो याचा अर्थ एम.बी.मध्ये सर्व कामाची नोंद होत असते त्यामुळे त्यांनी त्या प्रशनाचे उत्तर त्यामध्ये त्यांनी असे म्हटलेले आहे मी जो प्रश्न विचारला होता त्यामध्ये वस्तुस्थिती बाबतची त्यानुसार मैदानाची राहिलेली काम अदा रक्कम महिना तपशिल याची माहिती देण्यात यावी त्यांनी निरंक म्हटलेले आहे. ज्याअर्थी एम.बी. लिहीलेले आहे त्याअर्थी सगळ्या कामाचा उल्लेख त्यामध्ये आलेला आहे मग हे निरंक का म्हटलेले आहे ? याचा खुलासा होणे आवश्यक आहे. तसेच प्रशासनाने उत्तर दिलेले आहे त्याठिकाणी 10 ते 12 कामगार मजुर काम करतात प्रत्यक्षामध्ये माझा माहिती प्रमाणे मी त्या मैदानामध्ये फिरत असतो त्या इस्टीमेटमधले जे 5 आयटम आहेत त्याच्या पैकी फक्त मजुरांचे काम तिथे झालेले आहे, लाल माती, शेणखत, आणि गवताचे थोडे फार काम त्याठिकाणी झाले बाकिची जी लाल माती शेणखत ह्या सप्टेंबर पर्यंत काही टाकलेले नाही तरी देखील तिथे लाल माती टाकले, शेणखत टाकले, असे गृहीत धरुन त्यांनी ते बिल दिलेले आहे. त्या सुभाषचंद्र बोस मैदानामध्ये 15-15 लाखाची बिल अदा केलेली आहेत आणि प्रशासन म्हणते 10 ते 12 कामगार तिथे काम करतात. माझा माहिती प्रमाणे 10 ते 12 कामगार फक्त तिथे काम करत आहेत कामाचा जो मजुरीचा दर असेल तो विचारात घेता तो 480 रुपयाचा दर आहे 480 दर असताना 15 लाखाचे जे बिल दिलेले आहे ते शेणखत माती याचे दिलेले बिल आहे मजुरांचा विचार केला डी.एस.आर. चे दर देत आहेत तिथे विचार केला तर 480 रुपये परडे आहे आणि त्याचा जर हिशेब केला तर 1 लाखाचा वर मजुरांचा खर्च होतो त्यांचा त्यांचा मजुरा प्रमाणे आणि आपण हप्त्यामध्ये केला तर ते 5 लाख हप्ता होऊ शकतो. ह्यांनी जे बिल दिलेले आहे ज्याच्यामध्ये माती टाकलेली नाही, शेणखत टाकलेले नाही तरीही बिल दिलेले आहे. 15 लाखाचे बिल कशाच्या आधारे दिले कर्मचाऱ्यांचे त्याबाबत खुलासा व्हावा. तसेच एम.बी. नोंदविण्या बद्दल जी माहिती दिलेली आहे एम.बी. त्यांनी नोंदविलेली आहे असे ते बोलतात परंतु त्या प्रश्नाचा उत्तरामध्ये आम्ही कामाची माहिती मागितली ते देत नाही एम.बी.मध्ये सगळ्या कामाचा उल्लेख असतो मग एम.बी. जर नोंदविलेली नसते जर ते म्हणतात मग ती माहिती द्यायला काय अडचण येते त्या आयटमवर किती खर्च झाला ती माहिती तरी द्यायला पाहिजे. तसेच जे बिल सादर केलेली आहेत गार्डन विभागाने त्याच्यामध्ये लेखाविभागाने मंजुरी द्यायचे छाणनी अहवालामध्ये एम.बी. नोंदीचा उल्लेख नाही आहे मी रेकॉर्ड तपासले आहे. तसेच माहितीच्या अधिकारामध्ये एम.बी.चे निरिक्षण केले असता एम.बी. निरिक्षणामध्ये उपलब्ध करुन दिलेली नाही तसेच एम.बी. देयका सोबत एम.बी. देण्याची प्रथा आहे ती जी बिल मंजुर केले आहेत त्याच्या देयका सोबत एम.बी. ची बिल दिलेली नाहीत. म्हणजे याचा अर्थ माझा माहिती प्रमाणे एम.बी. दिलेली नाही असे दिसते. वास्तविक जी एम.बी. लिहीलेली आहे जर एम.बी. लिहीलेली असेल तर त्या आयटमवर खर्च द्यायला अडचण काय आहे त्यासंदर्भात खुलासा करावा. आणि जे बिल दिलेले आहे 15 लाखाचे 20 मजुरांचे ते अवाजवी बिल आहे. माझे म्हणणे आहे फक्त तिथे मजुर होते काही ठिकाणी गवत लावलेले आहे मजुरांशिवाय लाल माती आणि गवत हे तिथे लाल माती आणि शेणखत तिथे कोणत्याही पध्दतीने तिथे टाकलेले नाही. असे असता लाल माती शेणखत टाकले हे गृहीत धरुन ते बिल दिलेले आहे ते पुर्ण चुकीचे आहे, एम.बी. च्या नोंदी मी मागितलेल्या एम.बी. च्या नोंदी पण देत नाहीत. त्याच्या नंतर प्रत्यक्ष मुल्यमापन केले आहेत ते काम आणखीन कमी होऊ शकेल. गवत, शेणखत, आणि लाल माती तिथे प्रत्यक्षात टाकलेली नाही. तिच परिस्थिती सचिन टेंडूलकर मैदानाची आहे. सचिन टेंडूलकर मैदानामध्ये माझे प्रशासनाला विचारणे आहे इस्टीमेट कोणी केले याची पण आम्हाला माहिती द्यावी. आणि त्यांनी म्हटलेले आहे आम्हाला निदर्शनास आले ते इस्टीमेट जास्त आहे मेझरमेंट म्हणजे जास्त मेजरमेंट असताना मग नंतर त्यांनी रेक्टीफाय केले मग कमी मेजरमेंट असताना जास्तीचे बिल दिले आणि त्यामुळे नगरपालिकेचे पैसे जास्त गेले आहेत. म्हणजे याचा अर्थ मेजरमेंट न घेता बिल दिलेली आहेत

एम.बी. खोटी लिहीलेली आहे असे सिध्द होते त्यांच्याच पत्रा प्रमाणे ज्या अर्थी बिल वसुल केले त्याअर्थी ती एम.बी. खोटी लिहीलेली आहे असा संशय येतो म्हणजे प्रत्यक्षामध्ये जागेवरती तेवढे क्षेत्रफळ नसताना जास्तीचे क्षेत्रफळ देणे म्हणजे एम.बी.मध्ये खोटी नोंद करणे असे सिध्द होत आहे म्हणजे जास्त पेमेंट दिलेले आहे त्यांनी गुन्हा केलेला आहे त्या संदर्भामध्ये त्या संबंधितावर काय कारवाई करणार आहोत याबाबतचा खुलासा करावा. एम.बी. खोटी लिहीलेली आहे असे माझे म्हणणे आहे म्हणजे याचा अर्थ प्रत्यक्ष मैदानामध्ये 11 हजार मीटर असताना 40 हजाराचे बिल दिलेले आहे म्हणजे एम.बी. खोटी लिहीलेली आहे हे सिध्द होते. एम.बी. ची नोंद नकरता बिल दिले जात आहे प्रत्यक्ष एम.बी. ची नोंद होत नाही असा माझा संशय आहे. जरी एम.बी. ची नोंद झाली असती तर त्यांनी माहिती आम्हाला द्यायला पाहिजे. आमची प्रशासनाला विनंती आहे की त्या एम.बी. च्या प्रती सभागृहात पण द्याव्यात मला सादर कराव्यात. आणि मी प्रश्न विचारलेला आहे 160 मध्ये परमिशन आहे का, 161 ची परमिशन आहे का आणि जे 166 नुसार देय आहेत ते दर बरोबर आहेत का आणि त्याला कोणी मंजुरी दिली याबाबतचा खुलासा करावा. ज्या इस्टीमेटला तांत्रिक मंजुरी नाही 144 प्रमाणे ते इस्टीमेट अवैध आहे.

मा. महापौर :-

पाटील साहेब आपला प्रश्न कळलेला आहे आपल्याला जे जे प्रश्न विचारायचे आहेत ते आपण नमुद केलेले आहेत. प्रशासनाने आपल्याला खुलासा दिलेला आहे. परंतु आपले अजुनही समाधान झालेले नसेल तर प्रशासनाला खुलासा देवू देत.

प्रशांत दळवी :-

महापौर मॅडम यात मला एक ॲड करायचे आहे की यामध्ये पाटील साहेब एकतर प्रश्नोत्तराच्या तासामध्ये बोलत आहेत त्यांचा स्पष्ट आवाज आम्हाला क्लियर येत नाही सभासदांना दुसरं अस महापौर मॅडम जर आपण इथे विषय पत्रिकेमध्ये जर तो विषय घेतलेला आहे तर मग इथे प्रश्नोत्तराचा तासामध्ये त्यांना बोलायचे आहे की मग विषय पत्रिकेवरती विषय घेतलेला आहे त्यावरती बोलायचे आहे ? दोन मध्ये एक क्लियर करायला सांगा महापौर मॅडम.

अजित पाटील :-

मी दोन्ही विषयावर बोलणार आहे.

मा. महापौर :-

प्रश्नोत्तराच्या तासामध्ये त्यांनी स्व:त तो व्यक्तिगत प्रश्न मांडलेला आहे आणि आपण सभागृहामध्ये तो विषय पटलावरती तो विषय घेतलेला आहे. म्हणून त्यांना आता त्यांच्या प्रश्नोत्तराच्या तासामध्ये जेवढे बोलायचे आहे त्यांना बोलू देत मग जेव्हा तो विषय पटलावरती येईल त्यावेळेला आपण त्यांना बोलू देणार नाही इतर सदस्य बोलतील.

प्रशांत दळवी :-

मुळात कसे आहे महापौर मॅडम की विषय हा त्यांचाच आहे म्हणजे त्यांनीच हा विषय घेतलेला आहे त्यांनी त्याची भुमिका अजुन स्पष्ट केलेली नाही तर त्यांनी त्यांची भुमिका स्पष्ट करावी की त्यांना नेमके हवे काय आहे यामध्ये कारण आम्हालाही त्यामध्ये जर प्रशासनाशी काही चर्चा करायची आहे तर आम्ही कुठल्या परीने चर्चा करणार कारण ते कंन्टीन्यु जर बोलत जाताहेत त्यांना एक एक करुन प्रशासन त्याचे उत्तर देईल. परंतु महापौर मॅडम माझे हेच म्हणणे आहे की आपण एकतर मुद्देसुद त्यांनी मांडाव की त्यांना नेमके हवे काय आहे. कारण ह्या विषयावरती महापौर मॅडम अगोदरही चर्चा घडून आणलेल्या आहेत अगोदरही त्यांना उत्तर दिलेली आहेत तर माझे सविस्तर म्हणणे ऐवढेच होते की तुमचे प्रश्नोत्तरे जे दोन तीन आहेत प्रामुख्याने ते त्यांनी सन्मा. सदस्यांनी मांडलेले आहेत. तर ह्या विषयावरती माझ त्याच्यात म्हणणे असेल की त्यांनी रितसर जो आपला विषय येणार आहे त्या विषयावर त्यांनी बोलून त्यांच मत मांडून घ्यावे.

अजित पाटील :-

ठिक आहे काही हरकत नाही मी 72 विषयामध्ये माझे मत मांडून घेईन.

नगर सचिव :-

प्रश्नोत्तराची वेळ संपलेली आहे.

मा. महापौर :-

सन्मा. सदस्य अशरफ शेख, सन्मा. सदस्य चंद्रकांत वैतीजी, सन्मा. सदस्य अजित पाटील, सन्मा. सदस्य जुबेर इनामदारजी, सन्मा. सदस्य दिनेश नलावडेजी यांनी प्रश्न उत्तराच्या तासामध्ये मला विनंती केली होती की त्यांना काही बोलायचे आहे परंतु सदरचा हा प्रश्नउत्तराचा तास चालु असल्यामुळे आपण त्यांना याच्यामध्ये सहभागी केलेले नाही. आता आपण रितसर विषयावरती चर्चा करणार आहोत. तरी प्रश्नोत्तराच्या तासामध्ये काही प्रश्न असतील तर एकदम पॉईंटमध्ये बोला त्याचा खुलासा प्रशासन देईल. जुबेर इनामदार साहेब तुम्ही बोला.

जुबेर इनामदार :-

धंन्यवाद महापौर मॅडम, मला ह्या प्रश्नावर म्हणजे 38 क्रमांकाचा प्रश्न सन्मा. अजित पाटील साहेब खरतर आपले प्रशासकिय अधिकारी राहिलेले आहेत मिरा भाईंदर महानगरपालिकेचे ते निवृत्त झाले आता ते ऑप्शनमध्ये स्विकृत नगरसेवक म्हणून ह्या सभागृहमध्ये आपली बाजु मांडत आहेत. त्यांनी केलेला आरोप जो आहे महापौर मॅडम हा गंभिर स्वरुपाचा आरोप आहे. खरतर त्यांना अजुन बोलायची परिपुर्ण संधी दिली पाहिजे होती. ह्या अर्धा तासाचा प्रश्नउत्तराच्या तासामध्ये त्यांचा मला तर वाटते हा प्रश्न संपु शकणार नाही हा गंभिर आरोप आहे प्रशासनावर केलेला. जे निवृत्त झालेले प्रशासकिय अधिकारी यांनी आरोप केलेला आहे. त्यांचा त्या विषयावर अनुभव आहे.

प्रशांत दळवी :-

महापौर मॅडम, सन्मा. गटनेत्यांना मी सांगु इच्छीतो की आम्ही हा प्रश्न जीवंत ठेवलेला आहे प्रश्न काय आम्ही निकाली काढलेला नाही त्यांना तेवढेच सांगितले आहे फक्त की जी चर्चा करत आहेत आम्ही त्यांना वेळ देणार आहोत 72 नंबरच प्रकरण आहे त्यावेळी ते चर्चा करतील.

जुबेर इनामदार :-

सन्मा. सभागृहनेते प्रशांत दळवी साहेब आम्ही बोलताना कृपया मधी बोलू नये

प्रशांत दळवी :-

ते आमच्या गटाचे सदस्य आहेत आणि तुम्ही त्यांना किती वेळ द्यायचा हे तुम्हीच आम्हाला सांगत आहेत.

मा. महापौर :-

सन्मा. सदस्य जुबेर इनामदारजी आणि सभागृहनेते प्रशांत दळवीजी मला वाटते ह्या विषयावरती आपण चर्चा नंतर करणार आहोत ह्या विषयावरती चर्चा होणार आहे. सचिव साहेब विषयाला सुरुवात करा.

जुबेर इनामदार :-

महापौर मॅडम, प्रश्नउत्तर हा सभा कामकाजाचा भाग आहे.

मा. महापौर :-

प्रश्नउत्तराचा वेळ संपलेला आहे. सचिवांनी ही गोष्ट आपल्याला सांगितलेली आहे.

जुबेर इनामदार :-

तुम्ही मला संधी दिली त्याच्यामध्ये तुमचे सन्मा. सदस्य सभागृहनेते मधे बोलतात.

मा. महापौर :-

हा विषय विषय पटलावरती येणार आहे त्यावेळेला तुम्हाला संधी देण्यात येईल.

मा. उपमहापौर :-

जुबेरजी विषयपत्रिकेपर विषय है उसमे आप चर्चा करलेंगे ।

जुबेर इनामदार :-

उपमहापौर साहेब त्या विषयाला प्रशासनाचा गोषवारा नाही.

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. 60, दि. 30/03/2021, दि. 20/04/2021, दि. 19/05/2021 (दि. 20/04/2021 रोजीची तहकुब सभा) व दि. 23/06/2021 रोजींच्या मा. महासभांचे इतिवृत्तांत कायम करणे.

प्रशांत दळवी :-

दि. 30/03/2021, दि. 20/04/2021, दि. 19/05/2021 (दि. 20/04/2021 रोजीची तहकुब सभा) व दि. 23/06/2021 रोजींच्या मा. महासभेचे इतिवृत्तांतामध्ये मा. सदस्य यांनी सुचविलेल्या दुरुस्त्यांसह इतिवृत्तांत कायम करण्यांत येत आहे.

मनोज दुबे :-

माझे अनुमोदन आहे.

प्रशांत दळवी :-

महापौर मॅडम एक विनंती आहे की सगळ्यांचे माईक म्युट असल्यामुळे कोणाला बोलता येत नाही जर ह्या इतिवृत्तांतमध्ये कोणाचा दुरुस्त्या सुचना काही सुचवायच्या असल्यास त्यांनी कृपया सचिवांशी संपर्क साधावा. धंन्यवाद.

मा. महापौर :-

सन्मा. सभागृहनेते दळवी साहेब यांनी केलेली सुचना त्यामध्ये नमुद करुन सचिव साहेब नगरसेवकांनी त्याच्यामध्ये जर शाब्दीक सुधारणा केल्यास सुधारणा घेण्यात याव्यात.

नगर सचिव :-

ठिक आहे.

जुबेर इनामदार :-

महापौर मॅडम, विषय पटलावरचे विषय सुरु होण्याचा आधी अशरफ शेख यांनी केलेली विनंती ती हरकतीचा मुद्दा असल्यामुळे त्यांना चर्चेची प्रथम संधी देण्यात यावी थोडक्यात ते त्यांचा विषय संपवणार आहेत. सभा कामकाज नियमा मधला हरकतीचा मुद्दा हा त्यांचा विषय असल्यामुळे तो प्रशासनाशी निगडीत आहे त्यांना संधी देण्यात यावी थोडक्यात ते त्यांचा विषय संपवतील.

मा. महापौर :-

विषय पत्रिकेवरती विषय भरपुर असल्यामुळे आपण तो विषय शेवटी घेऊया. विषय संपल्या नंतर मी त्यांना बोलायला संधी देईल.

प्रकरण क्र. 60 :-

दि. 30/03/2021, दि. 20/04/2021, दि. 19/05/2021 (दि. 20/04/2021 रोजीची तहकुब सभा) व दि. 23/06/2021 रोजींच्या मा. महासभांचे इतिवृत्तांत कायम करणे.

ठराव क्र. 56 :-

दि. 30/03/2021, दि. 20/04/2021, दि. 19/05/2021 (दि. 20/04/2021 रोजीची तहकुब सभा) व दि. 23/06/2021 रोजींच्या मा. महासभेचे इतिवृत्तांतामध्ये मा. सदस्य यांनी सुचविलेल्या दुरुस्त्यांसह इतिवृत्तांत कायम करण्यांत येत आहे.

सुचक :- श्री. प्रशांत दळवी अनुमोदन :- श्री. मनोज दुबे

ठराव सर्वानुमते मंजूर

सही/-

महापौर

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र.61, शहरातील इमारतींना नळ जोडण्या बंद करण्याचे आदेश प्रशासनाने दिले आहेत याबाबत धोरणात्मक निर्णय घेणे.

प्रशांत दळवी :-

महापौर मॅडम सभागृहात ह्या विषयावरती निवेदन व्हायला हवे आणि ते निवेदन मी करु इच्छीतोय.

मा. महापौर :-

हा विषय फार महत्वाचा आहे.

निलम ढवण :-

महापौर मॅडम हा विषय फार महत्वाचा आहे परंतु याचा गोषवारा नाही.

मा. महापौर :-

यामध्ये मी सर्व पक्षाच्या सदस्यांना यामध्ये बोलायला संधी देणार आहे. पण आता आपण सगळे जे हजर नगरसेवक आहेत तेवढ्या सगळ्यांनी बोलायचे ठरवले तर मग ह्याच विषयावरती ही सभा चालु राहील. म्हणून मला असे वाटते.................

धनेश पाटील :-

महापौर मॅडम हा पाण्याचा विषय महत्वाचा आहे.

मा. महापौर :-

मलाही माहिती आहे हा विषय महत्वाचा आहे तुम्हालाही बोलायला देणार आहे.

निलम ढवण :-

महापौर मॅडम परंतु याचा गोषवाराच आलेला नाही. महापौर मॅडम गोषवारा नसेल तर विषय घ्यायचा नाही हे ह्यापुर्वी पण ठरलेले आहे.

प्रशांत दळवी :-

महापौर मॅडम एका बाजुला गटनेते म्हणतात की विषय घ्यायचा नाही दुसऱ्या बाजुला विरोधी पक्षनेता सांगतात हा ज्वलंत प्रश्न आहे.

धनेश परशुराम :-

पण तुम्ही गोषवारा का दिला नाही ?  सन्मा. सदस्य आम्ही तुमचाशी प्रश्न करत नाही.

प्रशांत दळवी :-

मी तुमच्याशी पण बोलत नाही. मी महापौरांशी बोलत आहे.

धनेश परशुराम :-

तुम्ही गोषवारा दिलाच नाही.

प्रशांत दळवी :-

मी महापौरांशी बोलत आहे ह्या विषयावरती निवेदन करायचे आहे.

निलम ढवण :-

सदरचा विषय महत्वाचा असला तरी आयुक्तांना अधिकार दिलेले आहेत आयुक्त साहेब निर्णय घेत आहेत.

प्रशांत दळवी :-

आयुक्तांचा अधिकारातच हा विषय आहे, आम्ही वेगळे काही मांडत नाही.

धनेश परशुराम :-

महापौरांना आधी स्पष्टीकरण देवू द्या.

निलम ढवण :-

सदरचा विषयाला गोषवारा नाही असे अधिनियमात मॅडम काही तरी असेल विषय कुठचे अगोदर घ्यायचे कुठचे नंतर घ्यायचे. यामध्ये बरेच असे विषय आहेत गोषवाऱ्याशिवाय आहेत.

मा. महापौर :-

गोषवाऱ्यामध्ये विषय आलेला नाही तुम्हाला इच्छा नसेल बोलायची तर नका बोलू.

निलम ढवण :-

असे नाही ही मनमानी झाली मॅडम.

मा. महापौर :-

कोणाचीही मनमानी चालु नाही शहराचा विषय आहे.

निलम ढवण :-

बरेच विषय तुम्ही इथे गोषवाऱ्याशिवाय घेतलेले आहेत. आणि तुमचे जे विषय आहेत ते प्रशासना विषयी आहेत. त्याला नियमावली तुमची काही तरी असेल. मधी मधी घुसळलेत प्रशासनाचे विषय आधी घ्या तुम्ही जे घेतले आहेत ते.

मा. महापौर :-

याच्या वरती तुम्ही चर्चा कराना. तुम्हाला ह्या विषयी चर्चा करणे महत्वाचे वाटत नाही आहे का ?

निलम ढवण :-

प्रशासनाने गोषवारे का दिले नाहीत.

मा. महापौर :-

ह्या विषयावर चर्चा करणे तुम्हाला महत्वाचे वाटत नाही का नाही तर नाही सांगा. सभागृहनेत्यांना बोलू द्या.

प्रशांत दळवी :-

धंन्यवाद महापौर मॅडम, ह्या ठिकाणी आपण जो विषय आणलेला आहे शहरातील इमारतींना नळ जोडणी करणेबाबत. महापौर मॅडम, आयुक्त महोदय, हा मिरा भाईंदरला भेडसावणारा प्रश्न आहे अत्यंत ज्वलंत असा हा पाणी प्रश्न आहे. आयुक्त महोदय या मिरा भाईंदर शहरामध्ये या पाणी प्रश्नावरुन रेल रोको आंदोलनही झालेले आहे. त्यामध्ये काही आपल्या कार्यकर्त्यांनाही अटक झालेली आहे. आणि अशा प्रकारचा हा मिरा भाईंदर क्षेत्रामध्ये ज्वलंत पाणी प्रश्नाला वारंवार ज्वलंत पाणी प्रश्नाबाबत ह्या ठिकाणी मिरा भाईंदर वासियांनी आंदोलन उभारली आहेत. आणि मध्यंतरीच आपल्या कार्यकालामध्येही आपण पाहिलेत की प्रत्येक पक्षाने आपआपल्या परीने आंदोलन केली. आणि त्याचे एकमेव कारण की जे एम.आय.डी.सी. कडून आपल्याला मिळणारे 125 एम.एल.डी. पाणी आणि स्टेम प्राधिकरणाकडून मिळणारे 86 एम.एल.डी. पाणी यात मोठी तफावत आयुक्त महोदय जे आपल्याला 125 एम.एल.डी. पाणी मंजुर आहे ते मंजुर कोट्या पेक्षा न मिळता कधी 80 एम.एल.डी. कधी 90 एम.एल.डी. तर फार फार कधी 100 एम.एल.डी. आणि तुम्ही जर स्टेम प्राधिकरणाचे म्हणाल तर 70 ते 72 हाच रेशो त्यांचा 75 पर्यंत जात होता. आणि अशातच ह्या मिरा भाईंदर महानगरपालिकेमध्ये आपल्याला 211 एम.एल.डी. टोटल पाणी असताना मिळायला पाहिजे असताना त्यात पाण्याची कमतर्ता भासत होती. आणि ह्या सगळ्या पाणी टंचाईवरती पण मात करुन प्रशासनाने आजमितीस योग्य प्रकारे असं हा पाण्याचा प्रश्न ह्या ठिकाणी सोडविलेला आहे. आणि म्हणून आयुक्त महोदय 2011 ला जेवढ पाणी आम्हाला अगोदर होते तेच आताही आहे आणि जेव्हा जे नळ कनेक्शन बंद केले होते ते आपण 2011 ला सुरुवात केली. 2011 ला जर आपण सुरुवात केली तर आपण काय

जास्त केले नाही परंतु 10 हजार नळ कनेक्शन आपण ह्या 5 वर्षामध्ये ह्या इकडच्या नागरीकांना अत्यावश्यक सेवा म्हणून त्यांना बहाल केल्या दिल्या गेल्या. सोसायटी असेल किंवा मग आणखीन आस्थापने असतील त्यांना ह्या नळ जोडण्या दिल्या गेल्या आहेत. मध्यंतरीच्या काळात महापौर मॅडम, आयुक्त महोदय ह्या ठिकाणी हा प्रश्न एकदम जटील झाला काही पाणी ठाणे साईटला जातय की काय चोरी होते की काय अशा प्रकारच्या वावड्या उठल्या, आंदोलन झाली, रस्त्यावरती नागरीक उतरले, लोकांवरती केसेस दाखल झाल्या. आयुक्त महोदय काशिमीरा पोलिस स्टेशनमध्ये शंभर शंभर लोकांवरती गुन्हे दाखल झाले. आणि ह्या अशा परिस्थितीत असे असताना प्रशासनाने निर्णय घेतला की ह्या ठिकाणी जोपर्यंत पाणी सुरळीत होत नाही तोपर्यंत आपण नळ कनेक्शन बंद करावे महापौर मॅडम मी ह्याही मताशी सहमत आहे की जर पाण्याचा समतोल राखने हे जर महापालिका प्रशासनाला जर अवघळ होत असेल किंवा पाणी पुरवठा सुरळीत होणार नसेल किंवा आपल्याला कोट्याचे पाणी आहे हे जर मिळणार नसेल वारंवार मंत्रालयात जर बैठका करणार असाल आणि बाहेर फक्त वावळे उठवायचे की महापालिका प्रशासन हे जबाबदार नसुन येथे सत्ताधारी जबाबदार आहेत की त्यांनी नळ कनेक्शन बंद केले. मग हे का सांगत नाहीत की पाणी कमी येते आणि पाणी देणारे कोण आणि जर पाणीच आम्हाला मिळत नसेल तर आमची ही जी काही महापालिका प्रशासन आहे ही व्यवस्था बघते पाण्याची जे आम्हाला पाणी मिळेल तेच आम्ही पाणी ह्या डिस्ट्रीब्युशनचे काम महापालिका बघते आणि पाणीच जर आम्हाला एकंदरीत स्टेम प्राधिकरण किंवा एम.आय.डी.सी. चे पाणीच आम्हाला 211 एम.एल.डी. असेल आणि ह्याठिकाणी जर 150-175 एम.एल.डी. आम्हाला फक्त पाणीच मिळणार असेल तर डिस्ट्रब्युशन करायचे कसे महापौर मॅडम? आणि बाहेर चर्चा करायची जनमानसांमध्ये की हे भाजपा सत्तेवरती आहेत यांनी पाणी बंद केले आणि भाजपाच्या विरोधात आंदोलन करायची. महापौर मॅडम ही कुठली मस्ती आहे म्हणजे पाणी द्यायचे नाही एका बाजुला एका बाजुला आरडा ओरड करायची दुसऱ्या बाजुला तिकडे सत्ते वरती महाराष्ट्र सरकारमध्ये बसलेले आहेत त्यांना इथे वेठीस धरायचे नाही दोन दोन आमदार आपले ह्याठिकाणी आहेत एक खासदार आहेत यांना काय बोलायचे नाही पण सत्तेवरती आहेत म्हणून सत्तेवरती त्यांना बोट दाखवायची आणि फक्त त्यांना वेठीस धरुन ह्या मिरा भाईंदर जनतेची फसवणुक करायची. हा एकमात्र एक कलमी व्यवसाय ह्यांनी सुरु केलेला आहे. आणि काय तर कोणाचा विरोधात आंदोलन करता पाणी आम्हाला कोण देते एम.आय.डी.सी. स्टेम प्राधिकरण कराना तिकडे अंधेरीला जाना, सरकार तुमचे आहे तिकडे करुन घ्या आपण करु शकता पालकमंत्री पण आपलेच आहेत तुम्हीही करु शकता परंतु नाही, महापौर मॅडम आयुक्त महोदय प्रशासनाच्या विरोधात ह्या सत्तेवरती आम्ही भारतीय जनता पार्टीचे आहेत तर त्या प्रभाग कार्यालयाचा बाहेर महापौर मॅडम आयुक्त महोदय यांनी आंदोलन केली आहेत तर काय मटकाफोड आंदोलन केली आहेत. कशा साठी मला हेच विचारायचे आहे. आणि एका बाजुला आंदोलन करायची मटके फोडायचे, एका बाजुला रास्तारोखो करायचे त्यांच्या वरती गुन्हे दाखल होत नाहीत परंतु सरकारमध्ये बसुन त्याठिकाणी सरकारला जवाब न विचारता ह्या ठिकाणी महापौर येथील नगरसेवक सत्ताधारी पक्ष कसे अडचणीत येईल त्यांना कस गुमऱ्हा करता येईल लोकांसमोर हे दाखविण्याचा केवीळवाणा प्रयत्न हे करत आहेत आणि म्हणून मला आयुक्त महोदय आपल्याला नम्रपणे सांगायचे आहे की आपण जे केले आहे हे मलाही पटत आहे की पाण्याचा समतोल राखण्या करीता आपण हे पाऊल उचलले आहे की जेणे करुन जे पाण्याचा आपला साठा होतो तो कसा सुरळीत ज्याच्या इथे कनेक्शन आहेत त्यांना कसा पोहोचता येईल परंतु आयुक्त महोदय हे सगळ करत असताना आपल्या मिरा भाईंदर शहराची लोकसंख्या झपाट्याने वाढत आहे. एका बाजुला आपण ओ.सी., सी.सी. देतोय ऑकिफाईड बिल्डींग आहेत त्यांना जर आपण ओ.सी. देत आहोत त्या ठिकाणी जर ते रहिवाशी मुंबईचे रहायला आले येणार असतील तर आपण कुठे त्यांना टँकरने पाणी पुरवठा करायचा का ? मग आपण आपल्या निवेदनाध्ये आपण आपल्या आदेशामध्ये जस म्हटले आहे की

अत्यावश्यक सेवा असेल तर त्याठिकाणी त्यांना पाणी देता येईल. तर महापौर मॅडम ह्या अत्यावश्यक म्हणजे माझी एक मनधरणी आहे की अत्यावश्यक म्हणजे त्या सेवेमध्ये त्यांना हे पाणी दिल गेल पाहिजे. आणि महापौर मॅडम आपण काही जास्त नाही मागत आपण जे 5 वर्षापासुन केले मध्यांतरीच्या काळात आमदारांनी ह्याठिकाणी आरोप केले मी म्हणू शकतो की ते सत्य आरोप असु शकतात आणि म्हणून आयुक्तांनी नळ जोडणी बंद नकरता आपल्या अख्त्यारीत ह्या जोडण्या देण्यात याव्यात. जेणे करुन जे काही बेकायदेशिर मार्गाने जर नळजोडण्या झाल्या असतील आणि मला ह्या ठिकाणी एक नोंद करावशी वाटते की मध्यंतरी आपले आमदार साहेब आले होते प्रताप सरनाईक साहेब आणि ह्यांनी पण ह्याठिकाणी प्रेस कॉंफरन्स घेतली होती आणि ह्या 5 वर्षाच्या कालावधीमध्ये त्यांचेही म्हणणे होते आणि महापौर मॅडम प्रताप सरनाईक साहेब कधी खोटे बालत नाहीत हेही मी तुम्हाला आवरजुन सांगेण. कारण त्यांनी सांगितले की 10 ते 15 हजार नळ कनेक्शन ह्या ठिकाणी अनधिकृत दिले गेले नाहीत. आणि आयुक्त महोदय असे जर अनधिकृत असतील तर ह्या सगळ्या ज्या काय फाईल याच्या पुढे येणार असतील त्या आपल्या नजरेतुन गेल्या पाहिजेत आणि ज्यांनी ज्यांनी आरोप केले आहेत आणि ज्यांच्या वरती आरोप झाले आहेत त्यांनाही कडक शासन झाले पाहिजे त्यांच्या वरती कायद्यान्वये कारवाई झाली पाहिजे परंतु हे करत असताना बाहेर मी फक्त मगाशी म्हटल्या प्रमाणे बाहेर फक्त प्रशासनामध्ये सत्तेवरती बसलेले असताना कुठेतरी आम्हाला त्याठिकाणी बदनाम करायचे तर हे शडयंत्र करु नका माझी विनंती आहे सगळ्यांना की हे शडयंत्र बंद करा. महापौर मॅडम पुनष्च एकदा ह्या निवेदना द्वारे मी आयुकत महोदयांना मी विनंती करतोय की पाण्याचा समतोल आहे आपण फक्त एकच काम करा प्रशासनाच्या माध्यमातुन महापौर मॅडम आपणही ह्या शासनाला पाठपूरावा करुया जे आपल्याला एम.आय.डी.सी. कडून मिळणारे 125 एम.एल.डी. पाणी आहे, स्टेम प्राधिकरणाकडून मिळणारे 86 एम.एल.डी. पाणी आहे हा कोटा कसा आपल्याला सुरळीत सुरु होईल आणि आयुक्त महोदय आपल्याला नंम्रविनंती आहे तर हा जो कोटा आपल्याला सुरळीत जर झाला तर यापुढेही आपल्या देखरेखीखाली जर हे कनेक्शन आपण सुरळीत सुरु ठेवल्या अनधिकृत कनेक्शन जर होणार नसतील तर आपल्याला पाणी द्यायला काहीच इकडे वैत्यय येणार नाही किंवा प्रॉब्लेम येणार नाही असे माझे मत राहिलेले आहे. आणि महापौर मॅडम पुनष्च एकदा आयुक्त महोदय आपल्यालाही विनंती करीन की जी आपण सुरळीत पाण्याची पाईपलाईन जे कनेक्शन आपण सुरु ठेवलेले होते ते पुन्हा एकदा मिरा भाईंदर करांसाठी सुरु ठेवावेत. जे खरोखरच म्हणजे ज्यांना उपयोगी पडणार असतील अधिकृत नळ जोडण्या होणार असतील तिथेच आपण त्या सोसायटींना नळ जोडण्या द्याव्यात अशी विनंती करतो. धंन्यवाद महापौर मॅडम.

मा. महापौर :-

सन्मा. सदस्य चंद्रकांत वैती साहेब बोला.

चंद्रकांत वैती :-

नमष्कार मॅडम आणि तुमचे आभार आयुक्त साहेब नमष्कार आयुक्त साहेब आपण हा जो विषय आणलेला आहे पण ह्या विषयाला माझा नव्हे तर ह्या मिरा भाईंदर शहरामधल्या प्रत्येक नागरीकाचा विरोध असणार. त्याचे कारण असे की धोधो पाऊस पडला रेकॉट ब्रेक पाऊस पडला म्हणजे अगदी मागच्या महिन्या पर्यंत पाऊस पडला. पाणी कुठे आटले आहे, कमी झाले आहे, आपण कनेक्शन का कमी करतोय नेहमीची येतो मग पावसाळा त्या पध्दतीने निवडणूका आल्यात म्हणून काही तरी डाव प्रतिडाव असेल तर त्याला बडी पळूनका साहेब विनंती आहे. आमच्या मिरा भाईंदरच्या नागरीकांना आपण सुरळीतपणे पाणी पुरवठा देतोय. जो आहे त्यात लोकांचे समाधान ह्या पाण्यावरुन फार मोठा डाव खेळला जात आहे जाणीव पुर्वक एम.आय.डी.सी. चे पाणी बारवी डॅम मधुन येणारे पाणी कमी केले जाते तर कधी आम्हाला उल्हास नधी मधुन येणारे पाणी कमी केले जाते. आणि ह्या कृत्रीम पाण्याची टंचाई निर्माण केली जाते त्याला कारणीभुत् कोण ? एवढी वर्ष महापालिकेमध्ये

सातत्याने व्यवस्थित पाणी पुरवठा होत आहे लोकांना माहिती आहे की आम्हाला कधी 40 तासाने पाणी पुरवठा होतो कधी 48 तासाने होतो कधी 52 तासाने होतो. लोकांना याची कल्पना आहे की आमच्याकडे पाणी कमी आहे पण जे येते त्यात लोक समाधानी आहेत आणि आपण मागच्या काळात आम्ही एक निर्णय घेतला की पाणी कनेक्श्न सुरु करा ते केल्या नंतर जी आवश्यक पुर्तता होती कनेक्शनची ती झालेली आहे मग आता अचाणक असे काय घडले की आपल्याला प्रशासनाला असे लक्षात आले की नळ कनेक्शन बंद केले पाहिजे हा नागरीकांचा हक्क आहे तो दाबण्याचा कमिश्नर साहेब प्रयत्न करु नका. जर राजकिय दबाव प्रभाव असेल तर त्याला बळी पडू नका. आमच्या मिरा भाईंदरमध्ये हा विषय चर्चेला आला मग आता ज्या लोकांनी अर्ज करुन ठेवले 2-3 वर्षा पासुन त्यांना अजुन आपण कनेक्शन काही लोकांना दिले नसतील जवळ जवळ 100-125 कनेक्शनची लिस्ट आमच्याकडे आहे पण त्यांना आपण वंचित ठेवणार का ? आणि पाणी बंद करण्यासाठी अशी कुठची ही झाली आमच्या ह्या विषयाला विरोध आहे आणि मला वाटते ह्या सदनामध्ये प्रत्येक सदस्याला ही गोष्ट पटली असेल की पाणी कनेकशन बंद करायचे नाहीत. आणि ते करुन नये ह्या सभागृहाला विनंती आहे. महापौर मॅडम तुम्हाला हात जोडून विनंती आहे आयुक्त साहेब तुम्हाला विनंती आहे कनेक्शन बंद करु नका. धंन्यवाद.

मा. महापौर :-

सन्मा. सदस्य भगती शर्माजी आपण बोला.

भगवती शर्मा :-

महापौर मॅडम, अभी कुछ सन्मा. सदस्योने आवाज उठाई थी की यह विषय लिया है जिसके अंदर मे गोषवारा नही है कुछ यह चिजे नही है सबसे पहले इन्होने मुंबई प्रांतिक अधिनियम के अंदर मे इन्होने अध्ययन किया नही है महापौरका अधिकार होता है कोणसा विषय लेना है कौनसा नही लेना है । प्रशासनको महापौर के द्वारा समय समयपर रिक्वेस्ट किया गया था की आप इसका गोषवारा दो और मे आपको बता देना चाहता हूँ की मा. आयुक्त साहब ने विषय जो मै पत्र पढके सुनाता हूँ महापौर को लिखा है इसके अंदर मे विषय क्रमांक जो अभी चालु है इसका पुरा टिपणी के साथ मे सुरेश वाकोडे जो कार्यकारी अभियंता है उन्होने यह पत्र के द्वारा पुरा विषय जिसके अंदर मे इस टिपणी मे बताया गया है टिपणी सहीत दिया गया है प्रश्न यह है की इसका पुरा गोषवारा के साथ में यह विषय आया हूवा है । दुसरा मेरा यह प्रश्न है की यह जो नल बंद करने के लिये जब यह रिपोर्ट सादर की गई थी मा. आयुक्त साहब के पास के अंदर मे तब मै कुछ मुद्दे उस टिपणी के अंदर मे हमारे शहर अभियंता जोकी पहले पाणी पुरवठा के अभियंता रहे है की शहर के अंदर मे पाणी के उपर के अंदर मे उनका गहरा अध्ययन है । उन्होने उस रिपोर्ट के अंदर मे लिखा था की आप बंद करने के पहले कुछ स्पष्ट उन्होने किया था जिसमे लिखा था वॉटर ऑडिट पाण्याच्या लेखा परिक्षण केले आहे काय असल्यास त्याचा अहवाल व त्याच्यावर वेळोवेळी उपाय योजना पाणी पुरवठा विभागाने गळती रोखण्यासाठी केलेले उपाय योजना उसके बाद मे नविन नळ जोडणी देण्याचे बंद केल्या नंतर नविन इमारती मधील नागरीकांना पाणी पुरवठा कमी केला आहे का ज्या इमारती मध्ये नळ जोडणी नाही त्यांना मनपा टँकर द्वारा पाणी पुरवठा करणार किंवा नाही सध्या कोविड-19 च्या आजाराची साथ असुन नागरीकांना शुध्द पिण्याचा पाणी पुरवठा करणे आवश्यक आहे ह्यावर काय उपाय योजना करणार, नविन नळ जोडणी बंद केल्या नंतर अनधिकृत नळ जोडणीचे प्रमाण वाढण्याची शक्यता नाकारता येत नाही. तसेच नविन नळ जोडणी करणे ही धोरनात्मक बाब असल्याने मा. महासभेची मंजुरी घेणे आवश्यक आहे. ऐ शहर अभियंताकी टिपणी के अंदर मे नोंट्स के अंदर मे है । कोईभी एसे धोरणात्मक निर्णय करने के पहले महासभाकी मंजुरी लेना जरुरी है क्योकी इसका शहरका प्रतिनिधीत्व जितनेभी सन्मा. नगरसेवक है वह इस शहर का प्रतिनिधीत्व करते है इनको भी मालून

रहता है की यह शहर की क्या स्थिती है क्या नही है। आज वस्तुस्थिती ऐसी है जबकी भारतीय जनता पार्टी द्वारा मा. आमदार नरेंद्र मेहता के नेतृत्व मे............

मा. महापौर :-

शर्माजी आपण थोडक्यात सांगा कारण बाकी नगरसेवकांची पण नाव आलेली आहेत.

भगवती शर्मा :-

जिस रिझन से यह पाणी बंद करने का अहवाल दिया गया था की हमे पाणी पुरा नही आ रहा है जब आपके नेतृत्व मे नरेंद्र मेहताजी के नेतृत्व मे सभा पदाधिकारी के नेतृत्व मे जब एक आंदोलन किया था तब से लेकर के आज तक प्रतिदीन एम.आय.डी.सी. द्वारा 110 और स्टेम के द्वारा 80 यह कंन्टीन्यु पाणी आने के बाद के अंदर मे आज शहर के अंदर मे कही भी पाणी की समस्या नही है तो मेरा यह मानना है की आज की स्थिती मे कोईभी ऐसी स्थिती नही होने के कारन से इसकी नल जोडणी कंन्टीन्यु रखा जाए और शहर के नागरीको के साथ में न्याय किया जाए।

मा. महापौर :-

सन्मा. सदस्या रिटा शहा मॅडम आपण बोला.

रिटा शहा :-

महापौर मॅडम, विषय आपला चांगला आहे की वॉटर कनेक्शन मागिल काही दिवसा पासुन आयुक्त साहेबांच्या आदेशावर बंद झाले आहे. एक विषय असा आहे की मॅडम आपल्याकडे आमदार प्रताप सरनाईक साहेबांनी अशी तक्रार केली आहे की 15 हजार कनेक्शन अनधिकृत आहेत. तर मॅडम आपण मागिल 5 वर्षात आपण 10 हजार कनेक्शन देवून लोकांना आपण पाणी दिलेले आहे तर विचार करा मॅडम हे 15 हजार कनेक्शन जे इललिगल लागलेले आहेत त्याच्यावर प्रशासनने कारवाई करायची सुरुवात केली आणि त्यांच्यावर पॅनल्टी सुध्दा लावली तर हा 15 हजार कनेक्शन जेव्हा आपण कापू आणि त्या जागेवर आपण 15 हजार नविन लोकांना आपण कनेक्शन देवू शकतो. मग कनेक्शन बंद करायचा प्रश्न कुठे येतो. कनेक्शन बंद करणे म्हणजे अयोग्य आहे मॅडम कारण पाणी आहे परंतु आपल्या शहरामध्ये काही असे हॉटेल्स आहेत, बार आहेत, काही अशा अनधिकृत चाळी आहेत झोपडपट्टी आहेत तिथे अनधिकृत कनेक्शन लागलेले आहेत. आणि प्रताप सारनाईक साहेबांनी जे सांगितले आहे ते खर आहे. हे 15 हजार कनेक्शन ते शोधा कुठे आहेत आणि त्याच्या वर कारवाई करा मॅडम. आणि ती कारवाई झाल्या वर नविन लोक जे अधिकृत आहेत ज्यानी अधिकृत बिल्डींग बांधलेली आहेत ज्यांनी अधिकृत चाळ्या बांधलेल्या आहेत ज्यांनी परमिशन घेतलेली आहे ओ.सी. घेतलेली आहे असे लोकांना पाणीशी वंचित ठेवले आहे म्हणजे हे अयोग्य आहे. अशा लोकांना पाणी देणे हे मिरा भाईंदर महानगरपालिकेचे कर्तव्य सुध्दा आहे आणि इकडच्या नागरीकांचे ते अधिकार सुध्दा आहे. म्हणून मॅडम जे इललिगल कनेक्शन आहेत त्यांना कापून जे अधिकृत लोक आहेत त्यांना कनेक्शन द्यायचे सुरुवात करा. थँक्सु.

मा. महापौर :-

सन्मा. सदस्या प्रभातताई पाटील मॅडम बोला.

प्रभात पाटील :-

मी सगळ्या तांत्रिक बाबी विषयी काही बोलणार नाही पण एवढच सांगेण की साहेब, महापौर मॅडम कोणाला संस्कृती शिकवायची माझी तेवढी पात्रता नाही पण तरी भारतीय संस्कृतीमध्ये पाण्याला खुप महत्व आहे. आपण म्हणतो मेलेल्याच्या तोंडात काही नाही घातले तरी पाणी ओता ही आपली संस्कृती आहे आणि दुसरी गोष्ट घरात आलेल्या पईपाहूण्याला आपण आधी पाणी पुढे करतो. आणि अशा संस्कृतीध्ये आपण वाढले असताना आपण शहरातील लोकांचे कनेक्शन कापायचे ही कुठची संस्कृती आहे? देताना कोणी विचार नाही केला लिगल दिले आहेत की इललिगल दिले आहेत पण

मात्र आता आपण कापायला निघालो आहोत ही कुठची संस्कृती आहे ? देताना दिलेना तेव्हा विचार नाही केला. तिसरी गोष्ट अशी आहे की शहरामध्ये एवढी बांधकाम होतात आपण त्या लोकांना आमंत्रीत करतो या आमच्या शहरामध्ये सगळ्या सुविधा आहेत आणि मोठ्या आशेने ह्या शहरामध्ये ते लोक येतात त्यांना साध आपण पाणी देणार नाहीत उलट त्यांची कनेक्शन आपण कापायला जावूत आपले कोणत तोंड आहे अस आपण त्यांच्या समोर घेवून जाणार की ह्या शहराची कनेक्शन कापा. आणि इललिगल कनेक्शन हे आज दिसतात का नगरपालिकेच्या निवडणूका तोंडावर आल्या असताना हा इतका भयंकर मोठा निर्णय होतो का? याच्यामागे कुठेतरी शडयंत्र आहे. आणि हे शडयंत्र तुम्ही शोधा आपण सगळ्यांनी मिळून शोधू परंतु ह्या शहरातल्या एकाही इमारतीचे कनेक्शन कापणार नाही असा मी तुम्हाला ठराव करुया आपण की ह्या शहरात कोणाचेही नागरीकांचे कनेक्शन कापणार नाही त्याला पाणी मिळेल त्याला जीवन मिळेल पाणी हे जीवन आहे आणि आम्ही त्याला जीवन देवू. थँक्यु.

मा. महापौर :-

सन्मा. सदस्य जुबेर इनामदारजी आपण बोला.

जुबेर इनामदार :-

धंन्यवाद महापौर मॅडम खरंतर ह्या विषयावर थोडक्यात संधी देण्यात यावी व्यवस्थित मला चर्चा करण्याची गटनेत्याच्या ह्या अधिकारात मी तुमच्याशी विनंती करत आहे. महापौर मॅडम प्रथमत: खरतर हा विषय चर्चेसाठी तुम्ही म्हणजे तुमच्या अधिकारात आणलेला आहे. प्रशासनाचा याच्या वरती गोषवारा नाही प्रशासनाने याच्या वरती टिप्पणी दिलेली आहे. आयुक्ताने याचा पाणी पुरवठा नविन नळ कनेक्शन बंद करण्याचा निर्णय स्वत:च्या स्तरावर घेतला. शहराची भास्तीक टंचाई बघुन. टंचाई आहे टंचाई होत आहे पाणी कमी येत असल्यामुळे लोकांना पाणी जात नाही. बऱ्याच क्षेत्रामध्ये बरेच झोनमध्ये पाणी मला वाटते 36-38 तासा नंतरच पाणी पुरवठा केला जात आहे. ह्या शहरामध्ये प्रत्येक व्यक्तिला 24 तासामध्ये मुबलक पाणी पुरवठा झाला पाहिजे. तो पाणी का जात नाही त्याला कारण स्पष्ट आहे आणि ते चित्र डोळ्याच्या समोर आपल्या आहे की ह्या शहराचा पाणी पुरवठ्याची चंटाई आहे. केलेला मंजुर कोटा आपल्याला पुर्ण होत नाही खरतर महापौर मॅडम ह्या पाणी पुरवठ्याची जी योजना आहे म्हणजे 100 एम.एल.डी. ची योजना त्याची सुरुवातच 2012 ला काँग्रेसच्या सत्तेमध्ये तेव्हा नारायण राणे साहेब एम.आय.डी.सी. मिनिस्टर होते तेव्हा सुरुवात झाली होती. आणि त्याची मंजुरी म्हणजे त्याचे परिपत्रक त्याचा अहवाल माझाकडे असलेले सगळे कागदपत्र सांगतात 1 डिसेंबर 2014 ला झालेल्या बैठकीच्या मिनिट्स मध्ये 100 एम.एल.डी. पाणी एम.आय.डी.सी. ने मंजुर केले होते मार्च 2012 मध्ये. त्याच्या वरती स्वाक्षरी आहे आर.बी. सोंजे चिफ एक्झीकेटीव्ह इंजिनियर एम.आय.डी.सी. मुंबई. म्हणजे थोडक्यात हा कुठेतरी कोणी पाणी आणले कोणी पाणी वितरण केले कोणाकडून आले किती पाणी असायला पाहिजे हा एक विषय नेहमी चर्चेतच राहणार आहे. 2012 मध्ये पाणी मंजुर झाले त्याच्या नंतर ह्या शहरामध्ये आजपर्यंत एक थेंब सुध्दा पाणी पाढलेले नाही याची ग्वाही मला वाटते प्रशासन स्पष्टपणे आपल्याला देवू शकतो. त्या पाण्याची पुर्तता आजपर्यंत होत आहे एम.आय.डी.सी. आपल्याला परिपुर्ण 125 एम.एल.डी. पाणी पुर्ण करत नाही ही वस्तुस्थिती आहे. आपल्याकडे 100 एम.एल.डी. पाणी 105 एम.एल.डी. पाणी पर्यंत हा पोहचत आहे याच्या पलिकडे हे पाणी जात नाही. म्हणजे याचा अर्थ तोच आहे की आपल्याला ह्या शहराच्या लोकसंख्ये प्रमाणे म्हणजे अस्तित्वात असलेली लोकसंख्या गृहीत धरली तर आजच्या तारखेत 12 लाखाची लोकसंख्या आहे पाणी पुरवठा म्हणजे असलेली लोकसंख्या मला वाटते 8 लाख किंवा 10 लाखा पर्यंतच असेल. 2 लाख लोकसंख्येला आजही पाणी पुरवठा कदांचित पाण्याचे नळ जोडणी करण्यात आलेली नाही. अर्थात पाणी ह्या शहरामध्ये टंचाई आहे हे स्पष्ट आहे. नविन यु.डी.सी.आर. वाढती इमारती काँक्रेटचे जंगल जे आपले शहरामध्ये रोजच्या रोज तयार होत आहे त्यांना आपण डोळ्याचा समोर ठेवले तर स्पष्ट दृष्य आपल्या डोळ्याचा समोर आहे आपल्याकडे मंजुर कोटा आपण पाणी देवू

शकुका ह्या बाकिच्या लोकांना. सुर्या प्रकल्पाचे पाणी आपल्याला मंजुर असले तरी आजपर्यंत तो आपल्याला प्राप्त नाही त्याला अजुन 2 वर्षाची अवधी लागणार आहे त्याच्यामध्ये किती अळीअडचणी येतील हे सांगणे कठीन आहे. थोडक्यात महापौर मॅडम, म्हणजे यात पाणीची टंचाई आपल्याला पुढेही म्हणजे दोन एक वर्षात तरी सुध्दा सुर्य प्रकल्पाचे पाणी जोपर्यंत आपल्याकडे येत नाही किंवा अधिक पाणी पुरवठा आपल्याला एम.आय.डी.सी. किंवा स्टेमच्या माध्यमातुन मंजुर होत नाही तोपर्यंत तरी आपल्याला अडचण असणार आहे. महापौर मॅडम हा विषय चर्चेला आला म्हणून मी तुमच्याशी ह्या विषयावर महासभेसमोर आणि विशेषत: आयुक्त आपल्याकडे समोर असल्यामुळे हा विषय मुद्दामुन हा उल्लेख करणार आहे. आयुक्त महोदय हा विषय स्टेमचा आहे 21/10/2021 गव्हर्नींग बॉडीची एक समितीची बैठक स्टेम प्राधिकरणाने आयोजित केली होती त्याच्यामध्ये विषय पत्रिकेवर अनुक्रमांक 8 मध्ये मे. दोस्ती डेव्हलपर्स प्रा.लि. ह्यांनी स्टेम कंपनी मार्फत 2012-13 ला पाणी पुरवठा करणे धोरणात्मक निश्चित्ती नेमणेसाठी ह्या प्रस्तावाला. महापौर मॅडम तुम्हीही महापालिकेचे म्हणजे खरतर महापालिका स्टेम प्राधिकरण जो आहे तो आपल्या मिरा भाईंदर महानगरपालिका, भिवंडी नियामपुर महानगरपालिका, कल्याण डोंबवली महानगरपालिका, जिल्हा परिषद असे पाच महापालिका आणि जिल्हा परिषद असे एकुण करुन हा आपल्याकडे स्टेम प्राधिकरण तयार करण्यात आलेला आहे आणि आपण त्याचे ट्रस्टीज किंवा शेअर होल्डर्स आहोत. आपण त्या महापालिकेला तुम्ही महापौर म्हणून तुम्ही त्या गव्हर्नींग बॉडीचे एक मेंबर किंवा सदस्य आहात. हा विषय तुमच्या लक्षात आहे का किंवा तुमच्या समोर.............

मा. महापौर :-

मी आहे त्यामध्ये आम्ही विरोध केलेला आहे.

जुबेर इनामदार :-

आपण अशा प्रकारचे विषय समोर आल्या नंतर हा विषय कुठे माध्यमामध्ये आला नाही ह्या विषयाला ताक्तीने विरोध करणे गरजेचे होते. कारण हा विषय मला वाटते कदांचित काही लोकांना फक्त माहिती असेल आज आयुक्त महोदय सक्षम आहेत ते आपल्याकडे उपस्थित आहेत. त्यांनी हा विषय खरतर साहेब हा आपल्याला राज्य शासना पर्यंत आवर्जुन घेऊन गेले पाहिजे होते.

मा. महापौर :-

जुबेरजी आपण विषय दुसरीकडे डायव्हर्ड करत आहेत.

जुबेर इनामदार :-

मी विषय दुसरीकडे डायव्हर्ड करत नाही.

मा. महापौर :-

ह्या विषयाला हे आयुक्त हजर नव्हते ह्या स्टेमची जेव्हा मिटींग झाली त्यावेळेला सन्मा. आयुक्त विजय राठोडजी त्यावेळेला उपस्थित नव्हते आणि मीही मिरा भाईंदर महानगरपालिकेची महापौर म्हणून मी त्याठिकाणी उपस्थित होती. आम्ही दोघांनी त्यांना विरोध केला आहे ह्या विषयाला. आणि हा स्टेमचा विषय तुम्ही इकडे मांडू नका. हा विषय नळ जोडणीचा आहे त्या मुद्द्यावरती आपण बोला नळ जोडण्या दिल्या पाहिजेत की नाही दिल्या पाहिजेत.

जुबेर इनामदार :-

महापौर मॅडम ही बैठक झाली गेल्या ह्या ऑक्टोंबर मध्ये झाली.

मा. महापौर :-

ऐका एम.आय.डी.सी. ने जो पाणी पुरवठा कमी केलेला आहे हे तुम्हालाही माहित आहे आणि तुम्ही तुमच्या आता संभाषनामध्ये म्हटले पाणी कमी झालेले आहे. आता ही शहरामध्ये परिस्थिती........

जुबेर इनामदार :-

महापौर मॅडम हा विषय शहराशी निगडीत नाही का ?

मा. महापौर :-

शंभर टक्के आहे पण तो ह्या सभागृहामध्ये आता चर्चेला येवू शकतो का ? आता विषय पटला वरती जो विषय आहे त्यावरती बोला. आणि त्याची माहिती मी तुम्हाला दिलेली आहे.

जुबेर इनामदार :-

ही ऑक्टोंबर 2021 ला बैठक झालेली आहे आणि सध्याचे आयुक्त जे आहेत ते त्याच्यामध्ये मधी त्यांनी महापालिकेचा कारभार ते सांभाळत आहेत विजय राठोड साहेबांचा तिथे प्रश्न कुठे उपस्थित होतो मला त्याची काही कल्पना नाही.

मा. महापौर :-

आयुक्त साहेबांनी जेव्हा मिटींग ज्वॉईंट केली होती अटेंड केली होती त्यावेळेला त्यांनीही विरोध केला होता की मिरा भाईंदर शहराचे पाणी दुसरीकडे द्यायचे नाही.

जुबेर इनामदार :-

आयुक्त साहेब त्यांच्या निवेदनामध्ये याची माहिती देतीलच महापौर मॅडम परत मी आपल्या एम.आय.डी.सी. किंवा आपल्या शहरातील पाणी पुरवठा संदर्भातच बोलू इच्छीतो म्हणजे असलेली परिस्थिती आपल्या डोळ्याचा समोर असताना सुध्दा आपल्याकडे पाणी पुरवठा 36-38 तासा नंतर होत आहे. आयुक्ताने घेतलेला निर्णय हा महासभेचा धोरनात्मक निर्णय असु शकतो. तरीही मी तुम्हाला परत इतिहासामध्ये घेवून जातो विक्रमकुमार साहेब जेव्हा तत्कालिन आयुक्त ह्या शहराचे होते तेव्हाही त्यांनी अशा प्रकारचा निर्णय ह्या शहराचा हितामध्ये घेतला होता हा इतिहास परत एकदा आपल्या समोर आलेला आहे. आयुक्तांचा तो अधिकार आहे शहरामध्ये होणारी पाणी टंचाई त्याला होणारे आंदोलन शहरामध्ये लॉऐंड ऑर्डरचा प्रॉब्लेम निर्माण झाला असता त्या दृष्टीकोणातुन आयुक्ताने हा निर्णय घेतला. माझी फक्त याच्यामध्ये एक विनंती असेल.................

मा. महापौर :-

ठिक आहे तुमचा मुद्दा कळला की आयुक्तांनी जो निर्णय घेतलेला आहे तो योग्य घेतलेला आहे असे तुम्हाला म्हणायचे आहे.

जुबेर इनामदार :-

महापौर मॅडम मला माझा मुद्दा तुम्ही मांडू देणार की नाही ? मी पक्षाच्या गटनेता मी पक्षाच्या वतीने बोलत आहे. महापौर मॅडम तुम्हाला तुमच्याच पध्दतीने सभागृह चालवायचे आहे का ? तुम्हाला विरोधी पक्षाचे अथवा तुम्हाला बाकिच्या पक्षाचे जे लोकांचे जे गटनेते किंवा पक्षाची भुमिका ही तुमच्या समोर स्पष्ट नको आहे का ?

मा. महापौर :-

पाहिजे ना.

जुबेर इनामदार :-

मग आम्हाला बोलू द्या.

मा. महापौर :-

तुम्ही विषयावरती बोला.

जुबेर इनामदार :-

महापौर मॅडम ही महासभा आहे चार दिवस चालली तरी काही फरक पडत नाही. महापौर मॅडम प्रशासनाने खरतर गोषवारा दिलेला नाही.

मा. महापौर :-

ऐका इथे सगळ्यांना बोलायचे आहे तुम्ही शॉर्टमध्ये मुद्दा मांडा की कनेक्शन दिले पाहिजेत की नाही दिले पाहिजे तुम्ही आता एवढी हिस्टोरी बोलणार तर नाही समजणार.

जुबेर इनामदार :-

कसे आहे महापौर मॅडम तुम्ही याच्या वरती ठराव करणार असाल प्रशासन ह्या ठरावाला तुम्हाला मान्य करेल अथवा नाही करेल हे सांगणे कठीण आहे कारण एक परिपत्रक 2015 रोजी डांगे साहेबांनी काढले होते त्याच्यामध्ये स्पष्ट केले होते गोषवारा नसलेले विषय हे जोपर्यंत त्याच्यावर आयुक्तांशी चर्चा सल्ला मसलत होत नाही तोपर्यंत कोणत्याही विभागाने त्याची अंमलबजावणी करु नये आणि करायचेच असेल त्या विषयावर अंमलबजावणी तो विषय परत महासभे समोर चर्चेसाठी विषय पत्रिकेवर गोषवारा सहीत से इस वेरी इमपॉर्टंट कारण सांगतो त्याला कारण असे आहे सभागृहाचे नियम महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम आहे त्याच्यामध्ये सभा शास्त्र सभा कामकाज नियम स काय बोलतो माहित आहे का जिथे आयुक्तांना कोणताही प्रस्ताव महानगरपालिकेच्या मंजुरी किंवा मान्यतेचा आवश्यकता असेल त्याबाबत महानगरपालिकेने पालिकेला नगरपालिका सचिवाला तो प्रस्ताव प्राप्त झाल्या नंतर प्रस्ताव आयुक्ताने तो प्रस्ताव तयार केला पाहिजे आयुक्त किंवा विभागीय अधिकाऱ्याने करायला पाहिजे आणि तो प्रस्ताव सचिवांकडे दिला पाहिजे तो तुम्ही विषय घेतला अथवा नाही घेतला तर 90 दिवसा नंतर त्याचा निकाल काढता येतो. हा अधिकार ॲक्टने आयुक्ताला दिलेला आहे. महापौर मॅडम मी दिलगीरी व्यक्त करत आहे की तुमच्या आवती भवती असलेले सल्लागार बहूतेक तुम्हाला सल्ला देत नसतील तुमच्याकडे चांगले मोठे नेते आहेत.

मा. महापौर :-

तुम्ही राहणार का माझे सल्लागार ? तुम्ही म्हणता की बाकिचे लोक मला जे सल्ला देतात ते बरोबर नसतील तर तुम्ही रहा माझे सल्लागार.

जुबेर इनामदार :-

तुम्हाला सल्लागार परिपुर्ण सल्ला देत नसतील असा मी विषय मांडलेला आहे.

प्रशांत दळवी :-

महापौर मॅडम मला त्यांना सांगायचे आहे की महापौर मॅडम सक्षम आहेत कोणाची इकडे सल्लाची गरज लागत नाही. अगोदर त्या विषयावरती भाष्य करायचे आणि नंतर म्हणतात की हा विषय असा घेता येत नाही. अगोदर काय करत होताहो तुम्ही ?

जुबेर इनामदार :-

विषय माझा संपलेला नाही.

प्रशांत दळवी :-

मग तुम्ही सल्ला का देत आहेत सल्ला का मागत आहेत ?

जुबेर इनामदार :-

महापौर मॅडम प्रशात दळवीजीला सभा कामकाजाची जरा शिस्त समजवा.

प्रशांत दळवी :-

तुम्ही महापौरांना सल्लागार बद्दल का बोललात तुम्ही होता का सल्लागार नियुक्त महापौर मॅडम सक्षम आहेत. त्यांना कोणाला सल्ला द्यायची गरज नाही.

मा. महापौर :-

अजुन भरपुर विषय आहेत त्याच्या मुळे मला असे वाटते जर तुम्हाला वाटते की नियम शास्त्रा प्रमाणे हा विषय गोषवाऱ्या सहीत आलेला नाही तुम्ही भरपुर बोललात तुमचा सल्ला मी मान्य केला मला कोण सल्ला देते नाही देत आहे आणि सभागृहामध्ये इथे कोणी सल्ला द्यायला बसलेला तुम्हाला कोण दिसत आहे का ? नाहीना मग आता जे चाचले आहे ते चालु द्या. हा विषय विषय

पटलावरती जेव्हा मी घेतला त्यावेळेला प्रशासनाला मी लेखी पत्र दिले की याचा गोषवारा आपण मला द्यावा जेणेकरुन आपण हा विषय पटलावरती विषय नियमानुसार घेवू त्या पध्दतीचा आयुक्तांना पत्र दिलेले आहे. पण प्रशासनाने किंवा संबंधित विभागाने आपल्याला गोषवारा नदेता ह्या ठिकाणी टिप्पणी दिलेली आहे. आपण आता त्या टिप्पणी वरती चर्चा करतोय आणि फक्त हा मिरा भाईंदर शहराचा विषय आहे केवळ महापौरांचा किंवा उपमहापौर किंवा आयुक्त, गटनेते किंवा इथे असलेले नगरसेवक ह्यांचा विषय नाही मिरा भाईंदर शहरातील नागरीकांनी नळ कनेक्शन जोडणी करीता जे काय अर्ज केलेले आहेत त्यांना आता पाणी मिळणार नाही ह्या संदर्भामध्ये आपण पाणी द्यायचे की आयुक्तांनी जो निर्णय घेतलेला आहे त्यावरती आपली भुमिका ठाम ठेवायची यावरती निर्णय होणे गरजेचे आहे. तुम्ही ह्या विषयावरती चर्चा नकरता इथे आम्हाला सल्ले द्यायला लागले.

जुबेर इनामदार :-

महापौर मॅडम सल्ला मी तुम्हाला दिलाच नाही मी दिलगीरी व्यक्त केली.

मा. महापौर :-

अजिबात नाही तुमच्या म्हणण्या प्रमाणे ह्या विषयाचा गोषवारा जर यायला पाहिजे असेल तर टिप्पणी प्रशासनाने दिलेली आहे यावरती आपण चर्चा करायला पाहिजे.

जुबेर इनामदार :-

चर्चा करुन ह्याच्यावरती निर्णय होऊ शकतो का तो माझा प्रश्न होता.

मा. महापौर :-

मला अस म्हणायचे आहे ह्या शहरामध्ये सगळेच नागरीक इथे पाणी पीत असतात कोणी नागरीक असा नाही की बिना पाण्याचा वंचित राहू शकतो सगळ्यांना पाणी लागते.

जुबेर इनामदार :-

महापौर मॅडम, परत आपण आपल्या विषयावर येवू यात. मी पाच मिनिटात माझा विषय आटोपतोय. निर्णय जो असेल निर्णय आणायचा असेल कारण तो निर्णय ठरावाचा द्वारे होऊ शकतो की नाही हे सांगणे कठीण आहे कारण प्रशासन त्याला मान्य करेल अथवा नाही करेल कारण गोषवारा नाही म्हणून माझी अशी सुचना आयुक्तांना असणार आहे ह्या सभागृहामध्ये ह्या सर्व सदस्यांच्या उपस्थितीमध्ये विषय पटलावर आलेला विषय चर्चेसाठी त्याचासाठी माझी आयुक्तांना सुचना अशी असणार आहे आयुक्त महोदय असलेले नविन तुम्ही ज्या जुन्या ज्यांना तुम्ही भोगवटा दाखला दिलेला आहे म्हणजे त्यांना आपण कुठेतरी ह्या शहरामध्ये मान्यता दिली की तुम्ही ह्या शहराचे आता नागरीक होऊ शकता तुम्ही ह्या शहरामध्ये रहिवाशी होऊ शकता त्या दृष्टीकोणातुन ज्यांना तुम्ही भोगवटा दाखला दिलेला आहे तशा इमारतींना तशा रहिवाशांना तुम्ही ह्या नळ जोडणी मान्य करा दुसरा टप्पा म्हणजे जे आता नविन तुम्ही ज्यांना सी.सी. दिलेल्या आहेत किंवा काम चालु आहे अथवा भोगवटा दाखला दिलेला नाही अशा इमारतींना जोपर्यंत नविन पाणीची कुठलीही योजना ह्या शहरामध्ये येत नाही अथवा नविन कोटा मंजुर होत नाही तोपर्यंत महापौर मॅडम माझी तुम्हाला ह्या विषयावर विनंती असणार आहे अशाच प्रकारचा आता निर्णय व्हावा जेणे करुन असलेल्या रहिवाशांना त्रास होणार नाही ज्या आपल्या आणि तुमच्या महापालिकेच्या विश्वासावर ह्या शहरामध्ये ज्यांनी घरं घेतलेली आहेत त्यांचे छोटे छोटे कुटूंब आहेत त्यांनी आपला उदरनिर्वाह इथे करायचा विचार केलेला आहे ज्यांनी भोगवटा प्राप्त केलेला आहे ते रहिवाशी झाले तशा रहिवाशांना तुम्ही नळ जोडणी आयुक्त महोदय तुम्ही गृहीत धरावी. म्हणून आयुक्त महोदय असलेल्या भोगवटा दाखला ज्यांना दिलेला आहे अशा इमारतींना अशा रहिवाशांना तुम्ही नळ जोडणी मंजुर करावी अशी माझी आपणास विनंती आहे. दिलेल्या संधी बद्दल महापौर मॅडम जयहिंद जय महाराष्ट्र.

मा. महापौर :-

सन्मा. सदस्या निलमताई ढवण आपण बोला.

निलम ढवण :-

थँक्यु महापौर मॅडम, महापौर मॅडम सुरुवातीला काही विषय मी बोलल्या नंतर माझा आवाज दाबण्याचा प्रयत्न झाला मला म्युट करुन ठेवण्यात आले आतापर्यंत. अर्थात सभागृहनेते अनम्युट होते आणि गटनेत्यांना म्युट करुन ठेवले गेले तर अशी कुठेतरी त्याचात दुजाभाव दिसता कामा नये इतरांना केले आवाज येतो किंवा काय तर ठिक आहे परंतु ठरल्या प्रमाणे आम्हाला अनम्युट करुन ठेवणे गरजेचे होते परंतु ठिक आहे असा आवाज दाबला तरी दाबला जाणार नाही आणि तुम्ही तर ऐकून घेणारेही आम्हाला शास्वती आहे.

मा. महापौर :-

अहो तुमचा आवाज कोणी दाबु शकत नाही तुम्हाला बोलायची पुर्णपणे संधी ह्या सभागृहात दिली जाईल एवढा विश्वास ठेवा.

निलम ढवण :-

महापौर मॅडम विषय तसाच होता जो आता सन्मा. जुबेरजींनी जो तुमचाकडे मांडला तोच विषय मी पहिल्यांदा मांडला होता. आणि मला असे म्हणायचे आहे की हा विषय अत्यंत महत्वाचा आहे नळ कनेक्शन किंवा पाणी सगळ्यांना मिळाव हा विषय गंभीरच आहे आणि मिळाले पाहिजे. त्याचावर आमचे कुठेही विरोध नाही सन्मा. सभागृहनेत्यांच्या निदर्शनास आणुन देवू इच्छीते की त्यांनी जे अवाढव्य काय बरेच वक्तव्य केले आणि बऱ्याच काही स्टेट गव्हर्नमेंट हे ते कधी विसरत नाही मात्र हे मात्र नक्की आहे. आमदार, खासदार, आणि स्टेट गव्हर्नमेंट राज्य सरकारला ते कधी विसरत नाहीत ही त्यांची एक भुमिका आहे. त्यामुळे इथला जर विषय तुम्ही जुबेरजींना सांगत आहेत तर सभागृहनेत्यांनी तर ह्यांचे सगळ्यांचे वावळे काढले होते. तर त्यांनी ते देखील काढू नये होते कारण त्यांनी देखील अंधेरीला गेले किंवा नाही अंधेरीच्या एम.आय.डी.सी. ऑफिसला सन्मा. सर्व आमदार म्हणा, खासदार म्हणा पोहचलेत किंवा नाही याची माहिती देखील सन्मा. सभागृह नेत्यांना आहे. तरी देखील दिशाभुल करण्याचा प्रयत्न त्यांनी केला कारण त्या मिटींगला मी देखील समोर होते. मंत्रालयात झालेल्या मिटींगमध्ये आपण स्व:त होतात, सभागृहनेते होते, तरी देखील ते सांगतात की हे लोक काही करत नाही आणि करतात ते फक्त भाईंदरच्या सत्तेत असलेले भाजपा असे काय त्यांना चुकीचा मी म्हणत नाही सत्तेत असलेले भाजपचे लोक देखील सर्व पक्षाच्या लोकांना घेवून देखील काम करत आहेत त्याच्या बद्दल दुमत नाही परंतु............

मा. महापौर :-

ताई मी तुम्हाला थांबवते एकतर हा विषय तुमच्या म्हणण्या नुसार गोषवारा सहीत नाही. दुसरी गोष्ट याच्यामध्ये फक्त आपल्याला एकच ठरवायचे आहे की शहरामध्ये जो आयुक्त साहेबांनी तडकाफडकी निर्णय घेतलेला आहे नळ कनेक्शन बंद करण्याचा तर शहरामधील नागरीकांना नळ कनेक्शन दिलं पाहिजे की नाही दिलं पाहिजे यावरती आपण बोलायला पाहिजे. ही गोष्ट माहित आहे की एम.आय.डी.सी. चा पाणी पुरवठा हे पुर्ण शहराला माहित आहे आता फक्त मुद्द्यामध्ये बोला. शेवटी जस जुबेर इनामदार साहेबांनी म्हटले मुद्द्यामध्ये तस थोडक्यामध्ये म्हणा की आपल्याला काय करायला पाहिजे मी तुमच्याशी चर्चा करत आहे की काय करायला पाहिजे.

निलम ढवण :-

तुमचे म्हणणे बरोबर आहे परंतु जर हे तुमच्याच सभागृहनेत्यांनी जर हे विषय काढले नसते तर मला बोलायची वेळ आली नसती.

प्रशांत दळवी :-

महापौर मॅडम परत सभागृहनेत्याचे नाव घेतले मी कुणाचे नाव घेतले का महापौर मॅडम ?

मा. महापौर :-

ते शांत बसले आहेत मॅडम.

निलम ढवण :-

ठिक आहे महापौर मॅडम तुमच्या म्हणण्याला मी मान देवून तो विषय बाजुला ठेवून आपण सर्वजन मिळून ह्या शहराला पाणी पुरवठा कसा सुरळीत होईल या संदर्भात आपण चर्चा करतोय. खरतर ठिक आहे हा गोषवारा नव्हता परंतु अजुन एक गोष्ट आपल्या निदर्शनास आणुन देवू इच्छीते की जे गोषवारा नाहीत ते विषय अधिनियमानुसार जे प्रशासनाकडून आलेले विषय होते ते पहिले घेतले पाहिजे होते आणि गोषवारा नसलेले विषय जर तुम्हाला चर्चा करायची असेल त्यानंतर पुढे काय करायचे ते आयुक्त साहेब किंवा आपण ठरवले असते पण ते नंतर घेतले पाहिजे होते. हे काही काही विषय गोषवारा नसलेले देखील मधी घुसळले गेले आहेत. कारण ह्याच सभागृहाने ठराव केलेला आहे गोषवारा नसतील तर त्या विषयावर चर्चा करु नये मग ह्याच सभागृहाने ते नियम मोडायचे का ?

मा. महापौर :-

ताई प्रशासनाने जे विषय दिलेले आहेत तेही महत्वाचे आहेत आणि शहराच्या हिताच्या दृष्टीकोणातुन जे विषय महत्वाचे आहेत त्याला आपण प्राधान्य दिलेले आहे.

निलम ढवण :-

प्राधान्य ठिक आहे पंरतु विषय तर ह्या महासभेतच होणार आहेत.

मा. महापौर :-

राहिला प्रश्न गोषवाऱ्याचा तर मी महापौर नात्याने आयुक्त साहेबांना पत्र दिले होते की हा विषय मला घ्यायचा आहे आपण तडकाफडकी निर्णय घेतलेला आहे आणि यावरती नगरसेवक म्हणा किंवा मिरा भाईंदर शहरातले नागरीक विचारणा करत आहेत की नळ कनेक्शन आमचे कधी सुरु होतील आता पाणी सुरळीत आहे नाही सुरळीत आहे एम.आय.डी.सी. पाणी देते नाही देत आहे यावरती प्रशासनाने आपली जबाबदारी आहे त्यापध्दतीने काम केले पाहिजे पण जेव्हा तडकाफडकी नळ कनेक्शन बंद झाले ह्या शहरातले त्यावेळेला आपल्याला हा निर्णय घेणे गरजेचे होते आपण गेल्याच महासभेमध्ये विषय घेतलेला होता पण ती महासभा तहकुब झाली म्हणून आज हा विषय इथे आला आणि याबदल आपण गोषवारा प्रशासनाकडून मागितला होता परंतु त्यांनी आपल्याला गोषवारा नदेता टिप्पणी सादर केली आता त्यांच्या टिप्पणीच्या आधारे आपण ह्या सभागृहामध्ये आपण चर्चा करतोय आणि एक मतावरती आपल्याला पोहचायचे आहे की शहरातील नागरीकांना कनेक्शन आपण चालु ठेवले पाहिजे किंवा नाही ठेवले पाहिजे. आता काँग्रेस पक्षा तर्फे समजा आपले गटनेते जुबेर इनामदारजी यांनी आपली भुमिका इथे स्पष्ट केलेली आहे तर मला अस वाटत की तुम्ही आपली भुमिका इथे स्पष्ट करा जेणे करुन आपल्याला हा निर्णय घ्यायला बर पडेल.

निलम ढवण :-

ठिक आहे मॅडम पण जे आयुक्त साहेबांनी जी टिप्पणी दिली ती एक पक्षाचा हिशेबाने गटनेत्यांपर्यंत तरी पोहची पाहिजे होती.

मा. महापौर :-

टिप्पणी तुमच्याकडे नाही पोहचली ?

निलम ढवण :-

नाही पोहचली म्हणून तर आम्ही हा प्रश्न तुम्हाला विचारला.

मा. महापौर :-

सचिव साहेब सांगा.

नगरसचिव :-

टिप्पणी दिलेली आहे आणि मेल पण केलेला आहे आणि स्व:त टिप्पणी सगळ्यांना पोहचविण्यात आलेली आहे.

निलम ढवण :-

टिप्पणी माझा पर्यंत तरी पोहचलेली नाही गोषवारा आहे तो आहेच पण ती टिप्पणी पोहचलेली नाही. दुसरी गोष्ट आता पाण्या बद्दल जर चर्चा करायची झाली तर पुर्वापार ज्या ग्रामपंचायत काळातल्या बिल्डींग आहेत इमारती आहेत आणि आता ज्या नविन बिल्डींग बणत आहेत त्यामध्ये नक्कीच रेफरन्स हा पुर्वापाळ जुन्या ज्या बिल्डींग आहेत त्या जुन्या बिल्डींगला पाणी मिळाले पाहिजे ही प्रायोरिटी त्यांना दिली पाहिजे. कारण भाईदर पुर्वेचा ऐरिया एवढा दाटीवाटीचा आहे ग्रामपंचायत काळातील आहे आणि त्या ग्रामपंचायत काळातला दाटीवाटीच्या बिल्डींग असल्यामुळे तिथे बिल्डींग भरपुर मोठ्या प्रमाणात आहेत चार-चार, पाच-पाच मजली इमारती आहेत आणि त्यांनाच पाणी जवळ जवळ 70 तासावर पाण्याचा पुरवठा होत होता. तर आता जर नविन कनेक्शन चालु केली तर त्यामुळे त्याचा परिणाम आमच्या ह्या जुन्या बिल्डींगवर आणि जुन्या परिसरात, नवघर परिसर, बी.पी. रोड परिसर आणि इतर इंद्रलोक हा परिसर आहे यापरिसरात जास्त प्रमाणात पाण्याची टंचाई जाणवत असेल आणि आता आयुक्त साहेबांनी जो निर्णय घेतला पाण्याचा संदर्भात नविन बिल्डींगला इमारतीला पाणी बंद करायच ते केल्यामुळे थोडाफार दिलासा आमचा परिसरात पाण्याला मिळालेला आहे लोकांना मिळालेला आहे. कारण तेवढ्याच पाण्यामध्ये एवढ्या सगळा विभागणी करायची ही खरोखर कसरत असणार होती. आणि त्यामुळे ह्या सगळ्या शहराचा पहिल्या जुन्या लोकांचा विचार करुन नंतरच नविन ज्या बिल्डींग बांधल्या जातात त्या लोकांचा विचार करावा आणि त्यानुसार आयुक्त साहेबांना ते अधिकार दिलेले आहेत तर त्यानुसार आयुक्त साहेबांनी जो निर्णय असेल तो घ्यावा अशी मी त्यांना विनंती करते.

मा. महापौर :-

ताई आपण चांगली सुचना केली.

गिता जैन:-

मॅडम मला आयुक्त साहेबांना विचारायचे आहे की जो तुम्ही निर्णय घेतला आहे आणि महासभेनी जरी सांगितले की तुम्ही कनेक्शन द्या किंवा देवू नका तर तो निर्णय पाळला जाणार आहे का ?आणि दूसरा प्रश्न मिथून कूमार साहेबांनी पाण्याचे कनेक्शन बंद केलेले तेव्हा जोपर्यंत ओ सी भेटलेले बिल्डींग त्या सर्वाना ते दिलेले आणि सीसीवर एक अट लिहिली गेली होती कीज्या ज्या बिल्डींगना आम्ही सी सी देतो त्याला कॉर्पोरेशनतर्फे देणार नाही पण ते कनेक्शन त्यांनी मॅनेज करावे कूठून मॅनेज करावे ती वेगळी गोष्ट पण ती अट लिहिली होती. आता हा निर्णय झाला आहे आणि खूप सा-या बिल्डींग ओ सी घेवून ओ सी घेतली म्हणजे दॅट पर्सन पेड टू ऑक्यूपाय ॲटलिस्ट ऑक्यूपाय मिन्स दॅट यू हॅव गिव्ह वॉटर आयुक्त साहेब त्यावेळची गरज असेल तर निर्णय घेतला असेल त्याबद्दल आमचे काही सांगणे नाही. पण ज्या बिल्डींगला ओ सी मिळालेली आहे आणि तिथे वास्तव्य झालेले आहे. तिथे पाणी न देणे योग्य नसेल असे मला वाटते. निर्णयामध्ये थोडासा फेरफार करून जर आमची विनंती समजून तूम्ही जर जिथे बिल्डींग ओसी झालेले आहे आणि जी लोक राहायला आली आहेत आणि पाणी टंचाईमूळे खूप सहन करावे लागते त्यांचे एवढे मोठे टँकरचे बिल त्यांना द्यावे लागते तर त्याचा विचार करून आपण ज्या बिल्डींगमध्ये वास्तव्य झालेले आहे त्यांना कनेक्शन देवून आणि पूढे जे सी सी दिले जातील जर आपल्याला वाटत असेल आपले पाणी टंचाईचे वाढत असेल आणि आपण दूसरे सोर्स पण बघीतले आहेत. फॉरेस्टमध्ये आपला सर्व्हे चालू आहे पण तोपर्यत ओसी असलेल्या बिल्डींगला दिले तर मला वाटते ते योग्य राहणार. मा. महापौर मॅडम आपल्याला सांगायचे आहे की आम्ही परवानगी शिवाय मध्ये मध्ये कोणी बोलत असेल तर मला वाटते महासभेच्या डिसीप्लीनला बरोबर वाटत नाही. मध्ये बोललो म्हणजे आम्ही खूप हूशार आहोत त्यातला भाग नसते मला वाटते सभेची डिसीप्लिन सर्वानी पाळावी आणि महापौराची परवानगी असेल तेव्हाच बोलावे. महापौर मॅडम याबाबत सुचना द्या की तुम्ही जो पर्यत परवानगी देत नाही जरी त्यांचे

माईक चालू असेल परंतू बोलू नये असे मला वाटते. आणि माझी विनंती राहणार लिथे वास्तव्य झाले आहे तिथे पाणी टंचाईमूळे नागरिकांना सहन करावे लागते टंचाई आहेच पण कनेक्शन मूळे त्यांना जे सहन करायचे आहे ते होवू नये म्हणून आतापासून जे सी सी देणार आहेत त्यामध्ये खूशाल अट टाका त्याबद्दल मला काही सांगणे नाही. कारण शेवटी पाण्याचा प्रॉब्लेम आपल्यालाच सोडवायचा आहे. महापौर मॅडम आपल्याला विनंती राहणार की आता  स्टेममध्ये जे निर्णय झाले आहेत आणि आपल्याला ठाण्याला पाणी द्यावे लागते मी माझे लेटर दिले आहे आपण सर्वानी मिळून त्यासाठी विरोध करा आणि मंत्री महोदयाकडे जर आपल्याला बैठक लावायची असेल तर ते लावू. पण भाईदरचा वाटा कूठे तरी द्यायचा हा निर्णय आपल्याला द्यायचा हा निर्णय आपला असायला पाहिजे आपण त्यामध्ये भागीदार आहोत म्हणून आपण ठामपणे ती भूमिका घ्यायची असे माझे मत आहे. त्यामूळे बैठक घेवून ते करू. हल्ली आपल्या निर्दशनास येत असेल स्टेम जरी आपल्याला पाणी देत असेल तरी ते ८० पर्यतच पोहोचते त्याच्या वर जात नाही. त्यासाठी आपल्याला स्टेम प्रधिकारणाकडे जायचे असेल तर नक्कीच जावू. दळवी साहेब खूप ओरडूनच हूशार आहेत असे दाखवण्याची काही गरज नाही असे मला वाटते.

मा. उपमहापौर:-

मा. महापौर मॅडम पाण्याचा विषय आणल्याबद्दल धन्यवाद सभी सदस्य से कह दू की मिरा भाईदर के अंदर पाणी का विषय गंभीर रुप में नही इसके लिए नही है की महापौर मॅडमने ७-८ बार राज्य सरकार को बिनती की और ७-८ बार पत्र व्यव्हार किया और मिरा भाईदर में पाणी की जो समस्या है वो बताई लेकीन महापौर मॅडम पाणी की गरज नही है आज सूनते ही काफी दूख लग रहा है की सदस्य ने पहले यह आवाज उठाई की गोषवारा आया की नही आया किसी सदस्यने यह कहॉ आयुक्त उसके उपर अंमलबजावणी करेंगे की नही करेंगे तो आज के बाद हमें पहले शहर के लोगो के हित में क्या है और उसके बाद आयुक्त महोदयसे हमे परमिशन लेनी होगी की आप इसपे अंमलबजावणी करेंगे की नही करेंगे तो महासभा की जरूरत क्या है महापौर मॅडम में बताना चाहूँगा आप जो मगजमारी कर रहे थे सभी सदस्य थे चाहे किसी भी पक्ष से जूडे हो अभी एक सदस्य ने कहा हम भी आपके साथ में मिटींगमें आये थे जरूरत पडे तो मंत्रालय में आये थे एम आय डी सी में आये थे महापौर मॅडम मुझे जनता को यह बताना है वहॉ पर आये थे तो वहॉ पर आके यह कहॉ था की भा.ज.पा. जो सत्ताधारी है वो पाणी नही दे रही है आपने यह कहॉ था की अपने शहर में पाणी नही आ रहा है तो प्रभाग ऑफिस है वहॉ आंदोलन क्यू किया था कही न कही लोगो को गुमराह किया जिस तरह वैतीजी और प्रभात ताईने कहॉ हमारी संस्कृती जो है वो पाणी पे ही निर्भर है चाहे वो किसी भी समाज से हो किसी भी जात से हो पाणी बाहोत ही महत्वपूर्ण है और हमारी संस्कृती हमे यह सिखाती है की जलसेवा सबसे उत्तम सेवा मानी जाती है और उसके साथ हम  खेल खेल रहे है क्या जवाब दे रहे है हलाकी मैने कहा था की यहॉपे आमदार महोदया आते है और टीका टीपन्नी करके चले जाते है महापौर मॅडम शूरूवात कहॉस हूई आयुक्त् महोदयने जो आदेश निकाला यह १.११.२०२१ उसके पहले आमदार महोदय यहॉ पे आते है किसी एक कर्मचारी के उपर वो भी अच्छा काम कर रहे है उनके मुताबीक वो चार सालसे उस जगह पे है वहॉ उन्होने १५००० कनेक्शन लगा दिए याने एक साल में ३५०० और प्रति महिने ३०० कनेक्शन लगा दिए और में उनके बातसे सहमत हूँ और वो इलिगल कनेक्शन है उसपे कारवाई न होते हूए और जो जो नए कनेक्शन हो रहे है जो नए बिल्डींग बन रहे है उसमे कनेक्शन नही देना है फिर से राज्यसरकार का दबाव अपने सरकारका इसी तरह से उपयोग करना और शहर को गूमराह करना और शहर को पाणी के लिए वंचीत करना उसी तरी प्रशासन आगे आती है अधिकारी को दिशाभूल करते हूए और आयुक्त महोदयजीने आदेश निकाला लिस तरह आयुक्त महोदय शहर के लिए काम कर रहा है में फिरसे कह रहा हूँ उनकी जो यंत्रणा है और अधिकारी की दिशाभूल की जा रही है। और वो राज्यसरकार द्वारा जो आमदार है।

निलम ढवण:-

महापौर मॅडम आम्ही बोलायला लागले तर तुम्ही थांबायला सांगता आणि उपमहापौर साहेब ह्या सगळया गोष्टी कशाला बोलतात. आम्हाला तुम्ही बोलायला देत नाही. पॉईन्टवरच बोला. आम्हाला बोलायला दिले नाही.

मा. महापौर:-

तुम्हाला बोलायला दिले आहे.

निलम ढवण:-

बोलायला दिले पण विषयाला धरून बोलायला सांगितले नळ कनेक्शनच्या बाबतीत बोलायला सांगितले.

मा. महापौर:-

सन्मा.  नगरसेविका गिता जैन मॅडमनी सांगितले आहे की महापौराची परवानगी घेवून बोला एक सदस्य बोलत असताना दूसरागटनेता बोलतो.

निलम ढवण:-

मॅडम मी सॉरी बोलते. तुम्ही मला विरोध केला म्हणून मी बोलते आपली परमिशन न घेतल्याबद्दल सॉरी बोलते पण ह्या गोष्टी तुमच्या निर्देशनास आणून देण्यासाठी मला बोलावे लागले.

मा.महापौर:-

उपमहापौर साहेब आपल्याला बरेच विषय करायचे आहेत.

मा. उपमहापौर:-

महापौर मॅडम १००% मान्य करतो लेकीन में यही कह रहा हूँ जो इन्होने प्रश्न उठाया तो कमसे कम लोगोको भी समझ मे आये की वो कौनसी दिशा में चल रहे है लोगो को हकीकत पता चलनी चाहिए हकीकत सदस्य को पता चलनी चाहिए सभी अधिकारी पदाधिकारी को यह समझना चाहिए और एक बात कहना चाहूँगा ७.१.२०२१ के अंदर आपके अध्यक्ष में एक मिटींग ली थी उसमे स्टेम और एम आय डी सी के अधिकारी आए थे उसमे सभाी पदाधिकारी सभी पाणी संबधीत अधिकारी गटनेता उस मिटींग मे सहमत थे और यह विषय निकला था की मिरा भाईदर शहर के लिए कितना पाणी है काफी लोगो को उस समय जानकारी नही थी एम आय डी सी के अधिकारी ने खुलासा किया था की मिरा भाईदर के अंदर २१५ एम एल डी पाणी सॅक्शन है और में भी आपको कहना चाहूँगा मेंने जब जानकारी ली और यह पाणी आवश्यकता नही मिरा भाईदरकी यह गलत बात है लो प्रभात ताईने कहॉ की हमारी एक संस्कृती है वो हमारे लिए और जो इस विषय को मानते है उनके लिए संस्कृती है बाकी मिरा भाईदर शहर के लिए पाणी आवश्यकता नही है में दो उदा. देना चाहूगा जानकारी लेने के बाद पता चला महापौर मॅडम हमारे शहर के अंदर जितना पाणी आज की तारीक में जरूरत है उतना पाणी आज भी अव्हेलेबल है और फडणवीसजीने अपने शहर के लिए सुर्या प्रकल्प योजना जो दि है जहॉ तक मुझे अंदाजा है की जो वर्तमान मे जो सरकार है पूरा पूरा समय नुसार काम पूरा कर लेगी तो हमारे शहर में पाणी पूर्ण हो जाएगा तब तक के लिए किसी भी जिस तरह से जुबेरजी आमदार महोदयने कहॉ जैसे टेम्पररी उनको ही दिया जाए जिसने भोगवटा लिया हो महापौर मॅडम मेरा कहना हॅ जिसने बिल्डीग के सीसी के लिए पैसा दिया हो डेव्हपमेंट चार्जेस के लिए पैसा दिया हो अभी जवाब दे रहे है की जिसको ओ सी दिया हो उसे पाणी दिया जाऐ बाकी जो शहर मे आये है खर्चा कर रहे है रजिस्ट्रेशन के नाम पे पैसा दे रहे है करोडो रू. सालाना ५०० रू. कर्मशियल ५०० करोड और साथ ही साथ् में टाऊन प्लानिंग के अंदर जो बॅंक पास करके जो पैसा आता है वही हमारे विकास और शहर के लिए काम आता है और उसे हम कहेंगे मूलभूत सुविधा पाणी नही है हम यह कहना चाहते है और महापौर मॅडम मूझे काफी दूख हो रहा है कहते हूए की जो कहते है अत्यावश्यक जरूरत पडे मतलब मिरा भाईदर शहर के अंदर पाणी के लिए हमे यह कहना पडे अत्यावश्यक जरूरत

पडे मतलब पाणी आवश्यक नही है यह आप सबका कहना है हमारे नेता नरेंद्र मेहताजी के नेतृत्वमें जो पाणी का आंदोलन किया था उसके लिए भी परमिशन लेना होगा क्या यह पूछना पडेगा शहर के हित के लिए पाणी अवश्यक नही है ऐसा दर्शाया जा रहा है अगर पाणी होगा तो देंगे नही होगा तो नही देंगे कल उठके कोई आमदार आ गया की पाणी नही आ रहा है तो सबके लिए बंद कर दो इसके लिए हम यहॉ बैठे है इसके लिए हमे चूना गया है चाहे वो विपक्ष में हो या सत्ता में हो हमे इसके लिए नही चूना गया पाणी देना हमारा मूलभूत अधिकार है और देना हमे अनिर्वाय है अगर नही होता है तो महापौर मॅडम दरख्वास्त करूंगा आयुक्त महोदयसे भी दरख्वास्त करूंगा की हो सके तो सीसीभर रोक दिजीए क्यू दे रहे हो क्यू आनेवाले लोगो को रगडा रहे हो क्यू बिल्डरको आप धंदे पे लगा रहे हो जिस तरीकेसे सदस्य महोदय ने कहॉ था की कहॉ कहॉसे टॅंकरसे पानी लाना महापौर मॅडम लाखो रू. उन्हे भूगतान करना पडता है कभी कभी यह शुवर हो जाता है की हम यहॉ से घर छोड दे या घर बेच देहम उनके साथमें जबरदस्ती कर रहे है महापौर मॅडम मेंरी आपसे खास बिनंती रहेगी इस तरह का कर्य ना हो साथ ही साथ और एक डिमांड कर रहे है आयुक्त महोदयजी इस बात को मानेंगे या नही मानंगे यह पस्ताव पास करेंगे या ठराव करेंगे महापौर मॅडम में आपको बताना चाहूगा यह विषय किसीके दबाच में लाया गया था तो १००% यह प्रशाासन मिरा भाईदर ना राज्य सरकार के किसीके दबाव में विषय लाया गया और खास तौर सभाी सदस्यको बताना चाहॅूगा कोई भी पॉलिसी धोरण नक्की करना महासभाका काम है ना यह किसी अधिकारी का काम है सभी सदस्य का हनन हूवा है महापौर मॅडम आपका भी और खास करके मिरा भाईदर के जनता का जो नही होना चाहिए था और यह हमारा बिल्कूलभी हक्क नही है की हम उन्हे पाणी से वंचित करे जो हमारी संस्कृती नही है जिस तरीकेसे जुबेर भाईने कहॉ ओसी मिला है उसे देना चाहिए जो जुना ओसी है उसे भी देना चाहिए महापौर मॅडम मेरी यह सुचना रहेगी अगर मनपा्द्वारा नगररचना द्वारा अगर कोई भी नई जगह को सीसी या सॅक्शन प्लान किया जाता है तो सभी को पाणी देना हमारा दायित्व हैकिसीको वंचित न करना यह मेरा निवेदन है और किसी आमदार के दबाव में न आते हूए एसा कार्य ना किया जाये यह आपसे बिनंती है l

मा. महापौर:-

मला असे वाटते भरपूर चर्चा झालेली आहे भरपूर सदस्यांना बोलायचे आहे मला भरपूर चिठ्ठया आल्या आहेत. ह्या विषयावर बोलायचे ठरवले तर हाच विषय संपूर्ण दिवस चालेल. सर्व सदस्यांना सांगू इच्छिते आपल्यालाही बोलायची संधी द्यावी असे मला वाटते परंतू एवढा वेळ नसल्यामूळे किंवा ही सभा ऑनलाईन असल्यामूळे ॲडजस्ट होत नाही. परंतू तूमच्या भावना आता ज्या सदस्यांनी निवेदन केले त्याच मुद्दयावर असेल असे गृहितधरून मला असे वाटते प्रशासनाने हयावर खूलासा करणे गरजेचे आहे. की हया संदर्भात त्यांचे म्हणणे काय आहे मग आपण सभागृहामध्ये ठरवू की हया शहरासाठी नागरिकांना नळ कनेक्शन देण किती गरजेचे आहे.

सुरेश वाकोडे:-

मा. महापौराच्या परवानगीने मिरा भाईदर शहराला स्टेम प्राधिकरणकडून ८६ एम एल डी, एम आय डी सी कडून १२५ एम एल डी असा २११ एम एल डी पाणी पुरवठा मंजूर आहे. परंतू सध्या १८५ एम एल डी पाणी पुरवठा होत आहे. सध्याच्या लोकसंख्येनुसार २१६ एम एल डी पाण्याची गरज आहे म्हणजे पाण्याच्या मागणीपेक्षा जवळपास सरासरी २६ ते २१ एम एल डी पाणी कमी आहे त्यात मागील काही दिवसापासून महाराष्ट्र औद्यागिक विकास महामंडळानी जलवाहिनीचे तातडीचे देखभाल दुरूस्तीचे काम हाती घेतली आहेत त्यामूळे त्यांचा वारंवार शटडाऊन होत आहे. त्यांना एकून ७ शटडाऊन घ्यायचे आहेत त्यामध्ये २ शटडाऊन घेतलेले आहेत आणि ५ शटडाऊन एम आय डी सी ला घ्यायचे आहेत हया शटडाऊनमध्ये ८.५० मिटरची लाईन बदलत आहे जी लाईन वारंवार फूटते हा जो प्रकार आहे तो बंद होण्याच्या दृष्टीने त्यांनी नविन पाईपलाईन टाकण्याचे काम हाती घेतलेले आहे.

त्यामध्ये ३ कि. मि. पाईपलाईन बदलेली आहे. उर्वरित ५ शटडाऊन मे पर्यत होणार आहेत. त्यामध्ये ५.५० कि.मि. लाईन एम आय डी सी बदलणार आहे. ज्यावेळी शटडाउन असते त्यावेळी ३-४ दिवस पाण्याला मोठा प्रॉब्लेम फेस करायला लागतो त्यामूळी शहरामध्ये नागरिकांच्या तक्रारीमध्ये मोठया प्रमाणात वाढ होते. एम आय डी सी ची चेंज न झालेली पाईपलाईन वारंवार फूटत असल्याने हे काम मे महिन्यापर्यत काम पूर्ण होणे अपेक्षित आहे. भविष्यात लागणारी पाण्याची गरज भागवण्यासाठी आपण सूर्या धरणावरून २१८ एम एल डी जे पाणी मंजूर केलेले आहे ते पाणी एम आय डी सी मार्फत एम वी आर मध्ये देण्याचे काम चालू आहे ते काम ५० ते ५५% काम पूर्ण झालेले आहे. पण शहरात पाणी येण्यासाठी कालावधी लागणार आहे. तसेच सूर्याचे पाणी शहरामध्ये पोहोचण्यासाठी आपला इंटरनल डिस्ट्रीब्यूशनचा प्रकल्प आपण तयार केला आहे. महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरणाकडून त्याची टेक्नीकली सेक्शन घेतलेले आहे आणि नगरोत्थामध्ये आपण तो प्रकल्प मंजूरीसाठी सादर केलेला आहे. प्रत्यक्ष मंजूरी नंतर काम सूरू होणे आपल्याला अपेक्षित आहे. आणि ह्यापूर्वी ४.१०.११ नविन नळ जोडण्याच्या मा.आयुक्तांच्या आदेशाला आता मान्यता दिली होती कारण सेम परिस्थिती त्यावेळेला उदभवली होती. त्यानंतर आपण ७५ एम एल डी पाणी सूरू केल्यानंतर ३०.४.२०१७ पासून नविन नळ जोडण्या चालू केल्या आहेत साधारणत: दि.२०.११.२०२१ पर्यत जवळपासा ९,६२५ नळ जोडण्या आपण दिलेल्या आहेत शहरामध्ये नविन जोडण्यास वाढ झाज्यास जलवाहिण्याचा पाण्याचा दाब कमी होवून नागरिकामध्ये तक्रारीत वाढ होत आहे. लिकेजेसचा दूसरा मूद्दा होता आपले जे स्टॅन्डर्ड लिव्ह आहेत पाण्याचे लिकेजेस २०% पेक्षा जास्ती नसावे असे शासनाचे निकष आहेत. आपण आपले वॉटर ऑडिट केलेले आहे त्यामध्ये आपले लिकेजेस २०.६ एवढे आहेत ते पण कसे कमी करता येतील त्याचे काम हाती घेतलेले आहे. इलिगल कनेक्शनचे सर्व्हेक्षण जे आयुक्त साहेबांनी आदेश दिले आहेत त्याप्रमाणे कनिष्ठ अभियंता, लिपीक ,मिस्त्री, मिटर रिडर अशी पूर्ण् टीम करून पूर्ण सर्व्हेक्षण पूर्ण केलेले आहे.लवकरात लवकर अंतिम होवून जाईल.

मा. महापौर:-

मिरा भाईदर मनपा क्षेत्रामध्ये इलिगल कनेक्शन झाल्याचे आरोप प्रशासनावर लावलेने आहेत. जेव्हा हे आंदोलन झाले तर मला सांगा आपल्या शहरामध्ये इलिगल कनेक्शन किती आहेत.

सुरेश वाकोडे:-

इलिगल कनेक्शनचे आपण वेळोवेळी सर्व्हेक्षण करतो. ह्याच्या अगोदर सर्व्हे केला होता त्यावळी ७५ इलिगल कनेक्शन होते. जुन्या सर्व्हेमध्ये एवढे होते आता कमी असू शकतात.

मा. महापौर:-

७५ इलिगल कनेक्शन मा. आयुक्त साहेब हा महत्वाचा मुद्दा आहे. आयुक्त साहेब तुमचे अधिकारी सांगताता शहरामध्ये फक्त ७५ कनेक्शन असू शकतात आता त्यापेक्षा कमी असू शकतात. मग आपण हे म्हणा शहरामध्ये इलिगल कनेक्शन कमी असते तर प्रशासनावर १५००० इलिगल कनेक्शनचा आरोप लागला आहे. मग आपण काय करायला पाहिजे कनेक्शन बंद करायला पाहिजे. मला प्रशासनाची भुमिका योग्य वाटलेली नाही किंवा तुम्ही जिथे खुलासा करता की इलिगल कनेक्श्न ७५ आहेत आणि इलिगल कनेक्शन वाढले आहेत म्हणून तुम्ही लोकांचे कनेक्शन बंद केले आहेत हे योग्य वाटत नाही. आता ह्या सभागृहाची जी भुमिका आहे सर्व लोकप्रतिनिधीनी जे मुद्दे इथे स्पष्टपणे मांडलेले आहेत बरेचसे नगरसेवक आहेत ज्यांना इथे बोलायचे आहे मला असे वाटते का हा विषय इथे आला, कशाला घेतला गोषवारा नाही पण शहरामध्ये जे नागरिक नगरसेवकांना भेटतात की पाण्यासाठी कनेक्शनसाठी त्या सर्व नगरसेवकांना इथे बोलायचे आहे. प्रशासनाकडून गोषवाराआला नाही म्हणून तो विषय चर्चेला घ्यायचा नाही का ? ठीक आहे ठराव करून टाका पण विषय चर्चेला येण फार महत्वाच होते कारण प्रशासनाकडून ज्या काही चूका होत असतील त्या दाखवणे आपल्या लोकप्रतिनिधीचे काम आहे. इथे ज्या सुचना आपण मांडल्या आहेत मा. आयुक्त साहेब मी तुम्हाला विनंती करते की

आपल्या शहरामध्ये २०११ साली ३३,६०३ कनेक्शन होते त्यानंतर २०१७-१८ पासून आपले कनेक्शन बंद झाले. आणि पून्हा २०१७ ला पून्हा कनेक्शन चालू झाले ते ४०,६१७ म्हणजे १०१७-२१ मध्ये १०,००० कनेक्शन वाढवले म्हणजे प्रशासनानी कलेक्शनचा समतोल हा व्यवस्थित ठेवलेला म्हणजे प्रशासनानी जास्त कनेक्शन नाही दिले. शहराची लोकसंख्येप्रमाणे जी कनेक्शनची मागणी होती त्याप्रमाणे योग्य समतोल राखलेला आहे. किंवा कनेक्शनच मूळामध्ये १०,००० झाले आहे. मग १५,००० इलिगल कनेक्शनचा आरोप तुमच्यावर कसा झाला ? हे योग्य आहे का हा निर्णय घेण्याच्या आधी ह्याची शहानिशा प्रशासनाने करायला पाहिजे. मला असे वाटते मिरा भाईदर शहरातील नागरिकांची कनेक्शनच्या बाबतीत जी तिव्र भावना आहे. सन्मा. सदस्यांनी ह्या विषयावर आपले निवेदन मांडले आहे. आणि पाणी देण हे प्रशासनाचे आद्य कर्तव्य आहे. आपल्याला सूर्या योजनेसाठी मंजूरी प्राप्त झाली आहे. एम आय डी सी चे पाणी आत इथूनच येत आहे.मीअसे म्हणत नाही भारतीय जनता पार्टीचे महापौर आहेत म्हणून आम्ही क्रेडीट घेतो सर्व पक्षाच्या लोकांनी इथे आंदोलन केले होते कारण त्या वेळची ती परिस्थिती होती. आणि त्यामूळे आपण ते सगळयांनी मिळून एम आय डी सी ला निवेदन केले त्या अधिका-यांना आपण सांगितले त्यांनीही आपले निवेदन मान्य केले. आता एम आय डी सी चे पाणी सूरळीत चालू आहे ५ एम एल डी मागेपूढे होते पण ११० च्या पूढेच जाते.

सुरेश वाकोडे:-

मॅडम तुम्ही बरोबर सांगता आपली मागणी १२५ एम एल डी ची आणि आपल्याला ११० एम एल डी पाणी मिळतो. १५ एम एल डी चा फरक आहे.

मा. महापौर:-

सन्मा. नगरसेविका गिता जैन मॅडम, ढवण ताई आहेत विरोधी पक्ष नेता आहेत आपल्या सभागृहाची पदाधिकारी आहेत ह्या सर्वानी मंत्री महोदयाकडे बैठक घेतली तर १५ एम एल डी शहरासाठी आणू शकतो ही मोठी बाब नाही. आपण त्यांना कनेक्शन देतो ही मोठी बाब वाटत नाही. म्हणून माझे काय म्हणणे आहे स्टेमचे जे ८६ एम एल डी पाणी आहे त्यावर आपण आपली भुमिका ठाम मांडली पाहिजे आयुक्त महोदय आपण आपली भुमिका ठामपणे मांडू या. की आमचे पाणी कमी करता कामा नये. दूसरी बाब सन्मा. पदाधिकारी, आमदार आणि अपेक्षित जे नगरसेवक आहेत ते सगळे आणि मा. आयुक्त ह्यांची मंत्री महोदयाकडे आपण बैठक घेवू या आणि १२५ एम एल डी चा जो कोटा आपल्या शहरासाठी मंजूर आहे तो आपण घेवू या. म्हणजे ही जी कनेक्शन बंद करायची समस्या आहे ती समस्या निकालात काढता येईल आणि हा जो आरोप आहे मला वाटत नाही हा आरोप सिध्द होत आहे त्यात कनेक्शनच मुळात १०,००० झाले आहेत तर इलिगल कनेक्शन १५००० असतील हा एक मुद्दा आणि प्रशासनानी ह्या ठिकाणी खुलासा दिला आहे की केवळ ७५ इलिगल कनेक्शन ह्या शहरामध्ये आहेत आणि आता तर ऑनलाईन निवेदन करता फाईन ऑनलाईन सिस्टमनी होते ह्याच्यामध्ये इनलिगल कनेक्शन होण्याचा प्रश्नच राहत नाही म्हणून मला आयुक्त महोदयांना सांगायचे आहे ह्या बाबतीत निर्णय घेवून आपण जो कनेक्शन बंद करण्याचानिर्णय घेतलेला आहे तो निर्णय मागे घ्यावा. नागरिकांच्या भावना जाणून घ्याव्या आणि सभागृहाच्या भावना जाणून निर्णय मागे घ्यावा असे मी सभागृहाच्या वतीने सांगतो.

मा. उपमहापौर:-

महापौर मॅडम एक सुचना देतो मा. आमदार महोदयने आरोप लगाया था की इतना कनेक्शन लगाया गया एक बार प्रशासन को निवेदन किया जाए एक बार फिरसे तकदीश करले छानबीन करले क्योकी कल फिर यह आरोप न लगे की इलिगल कनेक्शन है अगर आमदारजीने कहॉ है तो वो झूट नही बोलेंगे महापौर मॅडम मेरी आपसे बिनती है की कमसे कम एक बार प्रशासन को मौका दिया जाए और छानबिन करके जानकारी निकाले ।

मा. महापौर:-

मा. उपमहापौरानी विनंती केली आहे की प्रशासनाने ह्यावर सखोल अभ्यास करावा. इलिगल कनेक्शन किती आहेत त्याची नोंद घ्यावी. आपल्या सन्मा. आमदारांनी प्रेस कॉन्फरंसमध्ये असे म्हटले आहे. त्यामूळे आपण त्यांचा आदर करतो.जर अशी बाब प्रशासनाच्या माध्यमातून झालेली असेल कनेक्शन १०,००० आहेत आणि इलिगल कनेक्शनचा आरोप हा १५,००० आहे त्यामूळे शहानिशा करणे फार गरजेचे आहे. तर आपण प्रशासनाला वेळ देतो की ह्यामध्ये नक्कीच शहानिशा करावी आपण जे नळ कनेक्शन बंद केलेले आहेत त्या कनेक्शनला सूरूवात करावी आणि नळ कनेक्शनच्या ज्या फाईल असतील त्या मा. आयुक्तांनी आपल्या अधिकाराखाली पास कराव्या. त्याच्यावर आपली देखरेख असावी. अशा पध्दतीचा आपण निर्णय घेवू या.

धृवकिशोर पाटील:-

मॅडम आपण निर्णय दिलेला आहे. ही जी पाणी टंचाई सांगितली ती कूठली पाणी टंचाई आहे. प्रशासनाचा पूर्ण अहवाल माझ्याकडे आहे. जुलै ते ऑक्टोबर ह्या चार महिण्यात मिरा भाईदर शहरात अप्रोक्सीमेटली ४०-५० एम एल डी पाणी कमी मिळत होत त्यामूळे हे पाणी मिरा भाईदर शहराला भेटले नाही आणि मिरा भाईदरमध्ये टंचाई आली. आणि त्याचवेळी एम आय डी सी आणि स्टेमचे शटडाऊन झाले. पाईपलाईन तूटली आणि लोकांना पाणी ८०-९० तासावर मिळाले म्हणून जन आंदोलन झाले. लोकांमध्ये असंतोष पसरला. प्रत्येक पक्षाने आंदोलन केले ही पाणी टंचाई नाही ही कृत्रीम आहे. वाकोडे साहेबांनी सांगितले मिरा भाईदर शहराला ८६ एम एल डी पाणी आणि १२५ एम एल डी पाणी सॅक्शन आहे. ८६ पैकी ८० येते आणि १२५ पैकी ११० ते ११५ पाणी भेटते. आपण आंदोलन केल्यानंतर शहराला पाणी पुरवठा सुरळीत आहे. आजच्या तारखेला मिरा भाईदर शहराला २५-२६ तासापासून ३०-३५ तासापर्यत पाणी व्यवस्थित भेटते. ऑक्टोबर महिन्यापासून ते आजतागयत डिसेंबर महिना एन्ड झाला परंतू पाणी टंचाई आलेली नाही ह्याचा अथे ही पाणी टंचाई कृत्रीम होती. त्याच्यामूळे आयुक्त साहेबांचा जो आदेश होता तो चूकीचा होता. जुबेर इनामदार साहेबांनी सांगितले २०१२ ला राणे साहेबांना ७५ एम एल डी पाणी मंजूर झाला परंतू तो पाणी असतो कूठे ? पाणी आला त्यावेळी सन्मा. गिता जैन महापौर होत्या. आमदार सन्मा. नरेंद्र मेहता होते. त्या लोकांनी आमदार नरेंद्र मेहता भारतीय जनता पार्टी सत्तेत आल्यनंतर त्यांनी पाईपलाईन टाकून दिली आणि दीढ वर्षात ती पाईपलाईन टाकून दिल्यामूळे सरकारने त्यांचा सत्कार केला म्हणजे एवढे फास्ट काम मिरा भाईदर मनपानी केलेले आहे. त्यामूळे ७५ एम एल डी पाणी वाढलेले आहे.ज्यावेळी विक्रम कुमार साहेबांनी जेव्हा पाणी बंद केले होते त्यावेळी आपल्या शहराची जी तूट होती ती अप्रॉक्सिमेटली ५०-६० एम एल डी ची होती हा माझ्याकडे आदेश आहे.आजच्या वेळेला मिरा भाईदर शहराला २०-२५ एम एल डी पाणी मिळतेम्हणजे आपल्याकडे पाणी टचाई नाही. आत निलम ढवण मॅडम सन्म. गिता मॅडमपण बोलल्या प्रशांत दळवीने एकदम मुद्देसूद मांडले आहे ते अत्यंत हूशार नगरसेवक आहेत. त्यांची जी भाषा आहे जे एक्सप्रेशन होते त्याच्यामूळे त्यांचा जो टोन होता त्यांना ते आवडत नाही म्हणून त्यांना ते बोलण आवडत नाही. महापौर मॅडम जर भारतीय जनता पार्टीने ७५ एम एल डी पाणी आणले आता सत्ता राष्ट्रवादी कॉग्रेस पाटी, कॉग्रेस पार्टी आणि शिवसेनेची आहे एम आय डी सी चे मिनिस्टर शिवसेनेचे आहेत आणि आपले १५ एम एल डी पाणी मंजूर असून सुध्दा येवू शकत नाही. त्यांचे काम होते की त्यांनी आणले पाहिजे ह्याचा अर्थ आपण सर्वानी मिळून काम केले तर मिरा भाईदर शहराला पाणी व्यवस्थित मिळू शकते मी ठराव मांडतो मिरा भाईंदर शहरास स्टेम वॉटर डिस्ट्रीब्युशन ॲण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर कंपनी प्रा.लि. यांच्याकडून 86 एम.एल.डी व एम.आय.डी.सी कडून 125 MLD असा एकूण 211 MLD पाणीपुरवठा मंजुर आहे. परंतु मिरा भाईंदर शहरास प्रत्यक्ष सरासरी 190 ते 195 द.ल.ली पाणी पुरवठा होत आहे. सध्याच्या लोकसंख्येनुसार सरासरी 215 द.ल.ली पाण्याची

आवश्यकता आहे असे प्रशासनाचे मत आहे. त्यानुसार फक्त 20 ते 25 द.ल.ली पाणीपुरवठा शहरास कमी होत आहे.

सप्टेंबर-ऑक्टोबर महिन्यात शहराला मंजुर कोट्यापेक्षा खुपच अपुरा पाणीपुरवठा झाल्याने तसेच शटडाऊन, पाईपलाईन फुटणे, लाईट जाणे यामुळे पाणी पुरवठा वारंवार खंडीत होत होता. त्यामुळे शहराला कृत्रिम पाणीटंचाईला सामोरे जावे लागले होते व पाणी पुरवठा सुमारे 48 ते 60 तासांवर पोहचला होता. परिणामी प्रशासन आणि लोकप्रतिनीधी यांना नागरिकांच्या रोषाला सामोरे जावे लागले व त्यामुळे लोकप्रतिनिधींना जल आंदोलन करावे लागले.

या जल आंदोलनानंतर स्टेम व एम.आय.डी.सी प्राधिकरणाव्दारे पाणीपुरवठा सुरळीत झाला व आता शहराला 24 ते 30 तासानंतर पाणीपुरवठा होत आहे.

महापालिका क्षेत्रात दि.31-08-2011 अखेर 33,603 इतक्या नळजोडण्या होत्या. तद्नंतर सन 2017 मध्ये नवीन नळजोडण्या सुरु करण्यात आल्या व दि.20-10-2021 अखेर एकुण 43,617 इतक्या नळजोडण्या असून 05 वर्षात फक्त 10,000 नळजोडण्या वाढलेल्या आहेत यावरुन मनपा क्षेत्रात पाणीपुरवठा व जलजोडण्या याचा समतोल आपोआप राखला गेला आहे. त्यामुळे नवीन जलजोडणी मंजुर करण्याचे बंद करणे संयुक्तिक होणार नसल्याने शहरातील नागरीकांना नवीन नळ जोडण्या मंजुर करण्याचे बंद करु नये. याकरीता मा. आयुक्त यांनी नवीन नळजोडणी मंजुरी बंद करणेकामी दिलेला आदेश त्वरीत रद्द करावा व शहरातील नागरिकांना पाणीपुरवठा होणेकरीता जलजोडण्या मंजुर करण्याचे सुरु करावे असा मी ठराव मांडत आहे. तसेच प्रशासनाने स्टेम व एम.आय.डी.सी प्राधिकरणाच्या मंजुर कोट्यानुसार शहरास पाणीपुरवठा उपलब्ध करुन घेणेबाबत आवश्यक ती कार्यवाही करणेस ही मा. महासभा मंजुरी देत आहे.

प्रशांत दळवी:-

माझे अनुमोदन आहे.

निलम ढवण :-

मिरा भाईंदर शहरास पाणी पुरवठा करण्यात येत असलेल्या जलवाहीण्या खुप जीर्ण झाल्या असल्याने पाणी गळती होत असते. सतत जलवाहिनी फुटत असल्याने पाणी पुरवठा खंडीत होत होता. परिणामी 2 ते 3 दिवसाआड पाणी पुरवठा करणे. पाणी टंचाईला सामोरे जावे लागत होते. जलवाहिनी दुरुस्तीसाठी शटडाऊन घेतल्याने पाणी पुरवठा खंडीत केला जात असल्याने पाणी टंचाईला सामोरे जावे लागत होते. एम.आय.डी.सी. व स्टेम प्राधिकरण यांच्याकडून एकुण 211 एम.एल.डी. पाणी पुरवठा मंजुर पैकी 35 एम.एल.डी. पाणी पुरवठा कमी होत असल्याने पाणी टंचाईला सामोरे जावे लागत होते. सध्या विकासक नविन इमारतींचे बांधकाम करीत आहेत ज्यांना सी.सी., ओ.सी. असेल तरी सुध्दा नविन कनेक्शन देवून नये. ग्रामपंचायत काळापासुन ज्या इमारती आहेत त्यांना नळ कनेक्शन देण्यात यावेत. तसेच नविन नळ जोडणी देताना मा. आयुक्तांच्या परवानगीने नळ जोडण्या देण्यात याव्यात. आणि पाणी पुरवठा करणाऱ्या जलवाहिनी यांची योग्य प्रकारे देखभाल दुरुस्ती करण्यात यावी. जेणे करुन लिकीज होणार नाही. सुरळीत पाणी पुरवठा झाल्यास पाणी समस्या उद्भवणार नाही. पाणी पुरवठा करणाऱ्या जलवाहिनी यांचे देखभाल दुरुस्तीकडे दुर्लक्ष करणारे व अनधिकृत नळ जोडण्या बाबत श्री. संजय सोनावणे यांचेवर कारवाई करण्याबाबत मा. आमदार श्री. प्रताप सरनाईक साहेब यांनी कळवून सुध्दा प्रशासनाने त्यांच्यावर कारवाई न करता पाठीशी घातले जात आहे. तरी त्यांच्यावर त्वरीत निलंबनाची कार्यवाही करावी. शहरातील ग्रामपंचायत काळातील इमारतींना नळ जोडण्या बंद करण्याचे आदेश रद्द करुन धोरणात्मक निर्णय घेण्यात यावा असा ठराव मांडण्यात येत आहे.

धनेश पाटील:-

माझे अनुमोदन आहे.

जुबेर इनामदार:-

माझी ह्या ठरावावर सुचना आहे. त्या अगोदर मी तुमचे गंभीर विषयावर लक्ष वेधू इच्छितो १४.१२.२१ रोजी शासनाचा नगर विकास विभागाचा एक जी आर आहे ह्या निर्णयावर विशेषत अकोला महानगरपालिकेचेगेल्या तीन वर्षामध्ये सर्वसाधारण सभेमध्ये १३९ ठराव झाले होते अशा १३९ ठरावाला शासनाने निर्णय तारून निर्लेखीत केलेले तसेच मा. आयुक्त् महोदय तुम्हाला हा शासन निर्णय पाठवला आहे.मी सभागृहाचे लक्ष वेधू इच्छितो सभागृहातील सर्व ठराव हे अधिनियमातील तरतूदीचे उल्लंघन करून पारित केले असल्याने व ह्यामूळे महानगरपालिकेच्या आर्थिक हिताचा बोझा असल्याने प्रथमदर्शनी दिसून येत असल्याने सदरचा ठराव नियमबाह्य पारित करणार संबधीत महापौर...

सभागृहात गोंधळ

मा. महापौर:-

तुमची सुचना मांडा.

जुबेर इनामदार:-

तत्कालीन आयुक्त ह्यांच्या विरोधात तक्रार एफ आय आर गुंन्हा दाखल करण्याची कारवाई आयुक्त महानगरपालिका ह्यांनी करावी. आपण सभागृहामध्ये बसलेलो आहोत शासनानी अकोला महानगरपालिकेला हा शासन निर्णय गेला असला तरी तो सर्व मनपाला अनिवार्य होवून जातो. नियम हा कायदा होवून जातो. म्हणून आपल्याला कूठलाही निर्णय घेताना त्याच्या गोषवा-यात प्रशासनाचा नाही आपण ठराव करणे गरजेचे असणार आहे....

मा. महापौर:-

तुम्ही दोन गोष्टीवर बोलता एकदा सांगता ठराव मांडणे अयोग्य होईल दूसरी गोष्ट काय मांडता सन्मा. गटनेत्या निलमताई ढवण ह्यांनी जो ठराव मांडलेला आहे त्याच्यामध्ये सुचना घ्या.

जुबेर इनामदार:-

मी सुचना करत आहे माझी सुचना घ्यावी आमची त्याच्यामध्ये सुचना घ्यावी. आमची सुचना स्पष्ट आहे. त्या सुचनेनुसार आयुक्तांने दि. १.१.२०१५ रोजीच्या तत्कालीन आयुक्त अच्यूत हांगेच्या परिपत्रक तसेच दि. १४.१२.२०२१ रोजीच्या अकोला १५२१ प्रकरण क्र. १४८ नगरविकास ज्या व्यक्तिवर प्रशासनाने गोषवारा नसलेल्या बहूमताने मंजूर ठराव ४५१(१) अन्वये निलंबीत करण्याची कारवाई करावी अशी मी सुचना ह्या ठरावात मांडत आहे. निलम मॅडम तुमच्या ठरावात मांडलेल्या सुचने बद्दल तुम्हाला विरोध आहे का?

निलम ढवण:-

विरोध नाही.

धृवकिशोर पाटील:-

महापौर मॅडम जुबेर इनामदारांनी अकोला मनपाचा निर्णय वाचून दाखवला तो ठराव करू शकत. आणि निलम ढवण मॅडमनी ठराव मांडलेला आहे तो चूकीचा आहे. आणि त्यांनी जी सुचना मांडली ती पण अयोग्य आहे. नागरिकांच्या फायद्यासाठी जर मनपानी पाणी नाही दिले तर त्यांचे आद्य कर्तव्य आहे. त्यांनी पाणी देण बंद केले आहे अशा वेळी आमच्यावर गुन्हे जरी दाखल झाले भारतीय जनता पार्टीने ते गुन्हे नागरिकांच्यासाठी आम्ही घ्यायला तयार आहेत. पाणी देण आद्य कर्तव्य आहे. (सभागृहात गोंधळ)

धृवकिशोर पाटील:-

हयामध्ये मनपाचे कोणतेही आर्थिक नुकसान होणार नाही.

जुबेर इनामदार:-

तुम्ही नागरिकांच्या बाजूने बोलत नाही विकासकाच्या बाजूने बोलता.

निलम ढवण:-

सन्मा. सदस्य धृवकिशोरजी निलम ढवण मॅडमच्या ठरावाचा मोहरा बनवता पहिला ठराव तुम्ही मांडला आणि जर आम्ही त्याला आमचे मत नाही मांडले तर सर्वानुमते मंजूर झाला म्हणून तुम्ही जाहिर करणार मग आम्हाला आमचा अधिकार मांडायचा अधिकार आहे ना. जुबेर साहेबांनी मांडलेला विषय बरोबर आहे. आज तुम्ही असाल उदया कोण असेल त्याच्यापूर्वी कोण होते. सभागृहाने जर मान्यता दिली की प्रत्येक विषयाला गोषवारा दिला पाहिजे आणि गोषवारा नसेल तर विषय ग्राह्य धरू नये म्हणूनतर तुम्ही सभागृहाचा अवमान कसा करता.

मा. महापौर:-

तुमचे म्हणणे १००% बरोबर आहे.

निलम ढवण :-

मग धृवजी कशाला म्हणतात की नियमबाह्य ठराव मांडला. तुम्ही ठराव मांडल्यावर आम्हाला आमचे मत देण भाग आहे.

मा. महापौर:-

तुम्ही म्हणता ते पण बरोबर आहे. सन्मा. जुबेर इनामदार बोलतात ते पण बरोबर आहे. धृवकिशोर पाटील बोलतात ते पण बरोबर आहे त्यांनी हा ठराव मांडला आहे तो ही बरोबर आहे. महत्वाचा विषय असा आहे आपण जे बोलतो ते कशासाठी बोलतो ते सभागृहाला माहित आहे. की हा विषय विषय पटलावरच आला आहे. हा अत्यंत गंभीर विषय आहे त्याचे महत्वाचे कारण तुम्हालाही माहित आहे. प्रशासनाने ह्या विषयाचा गोषवारा द्यायला हवा होता शहराचा विषय होता म्हणून प्रशासनाने गोषवारा दिला नाही. मी हा विषय विषय पटलावर घेतला. मी आयुक्त महोदयांना लिखीत पत्र दिले परंतू आयुक्त महोदयांनी ह्या विषयावर गोषवारा दिला नाही. पण त्यांनी टिप्पणी दिली ती संबधीत विभागाकडून टिप्पणी आपल्याला दिलेली आहे. पण सन्मा. सदस्य जुबेर इनामदारजी महाराष्ट्र शासनाचा जी आर दाखवतात तर शासकीय नियमाची पायमल्ली होणार नाही ह्याची जबाबदारी किंवा दक्षता घेवून प्रशासनाने ह्या विषयावरती रितसर गोषवारा पूढील महासभेमध्ये सादर करावा. पण हा विषय गोषवा-यासहित सादर करावा. असा आदेश देते. जुबेरजी तुम्ही हे ध्यानात ठेवा की हा विषय शहराच्या हिताचा आहे. हा विषय संपलेला नाही. पूढच्या महासभेमध्ये गोषवा-यासहित हा विषय विषयपटलावर येणार आहे.

नगरसचिव:-

प्रकरण क्र. ६२, शहरातील इमारतींमध्ये उभ्या राहणाऱ्या वाहनांच्या पार्कींग जागेवर कर आकारणी करणेच्या प्रशासनाच्या आदेशाबाबत धोरणात्मक निर्णय घेणे.

मा. महापौर:-

ह्या विषयावर मला असे वाटते ह्या विषयावर मा. आयुक्तांनी सही दिलेली आहे आपण हा विषय सभागृहामध्ये चर्चेला आणणार होतो.

प्रशांत दळवी:-

मा. महापौर मॅडम आपण जसे म्हणलात की पाण्याचा जो विषय होता तो पूढच्या वेळेला रितसर गोषवारा देवून घेणारच आहेत. आणि ह्या विषयाला स्थगिती दिलेली आहे. तर माझे हे म्हणणे राहील की बाकीच्या मनपामध्ये पार्किगबद्दल जसे चालू आहे त्यावरही प्रशासनाने अभ्यास करावा. आणि हा विषय पूढच्या महासभेत गोषवा-यासहीत सादर करावा.

मा. महापौर:-

सन्मा. सभागृह नेते ह्यांनी जे निवेदन केले आहे त्या पध्दतीने ह्या विषयावर सुध्दा प्रशासनाने इतर मनपामध्ये पार्किग कशा प्रकारे केलेले आहे त्याची पूर्ण माहिती घेवून हा विषय पूढील महासभेमध्ये गोषवा-यासहीत देण्यात यावा.

नगरसचिव:-

प्रकरण क्र. ६३, घोडबंदर येथील महाराष्ट्र पर्यटन विकास महामंडळ (MTDC) यांचे असलेले गेस्ट हाऊस हस्तातरीत करणेबाबत.

धृवकिशोर पाटील :-

मिरा भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रात मौजे घोडबंदर, सर्व्हे क्र.241 येथे 992 चौ.मी. इतक्या क्षेत्रफळाचे महाराष्ट्र पर्यटन विकास महामंडळ (MTDC) यांचे गेस्ट हाऊस आहे. MTDC च्या संचालक मंडळाने ठराव पारित करुन सदर जागेचे रेडीरेकनर दराप्रमाणे रु.2,58,21,760/- (अक्षरी रु. दोन करोड अठ्ठावन्न लाख एकवीस हजार सातशे साठ मात्र) दर ठरविले आहे.

महापालिकेने महाराष्ट्र पर्यटन विकास महामंडळ (MTDC) यांना रु.2,58,21,760/- (अक्षरी रु. दोन करोड अठ्ठावन्न लाख एकवीस हजार सातशे साठ मात्र) इतकी रक्कम भरुन गेस्ट हाऊस महाराष्ट्र पर्यटन विकास महामंडळ (MTDC) कडून हस्तांतरीत करुन ताब्यात घेणे व हि रक्कम भरणेकरीता अर्थसंकल्पात तरतुद करणेस ही सभा मान्यता देत आहे.

तसेच सदर गेस्ट हाऊसची मालमत्ता ताब्यात घेतल्यानंतर सदर मालमत्तेची मालकी व वापरण्याचा अधिकार हा महानगरपालिकेचाच राहिल याची खातरजमा प्रशासनाने करावी.

अनिल विराणी:-

माझे अनुमोदन आहे.

मा. महापौर:-

ठराव मंजूर. पूढचा विषय घ्या.

प्रकरण क्र. 63 :-

घोडबंदर येथील महाराष्ट्र पर्यटन विकास महामंडळ (MTDC) यांचे असलेले गेस्ट हाऊस हस्तातरीत करणेबाबत.

ठराव क्र. 57 :-

मिरा भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रात मौजे घोडबंदर, सर्व्हे क्र.241 येथे 992 चौ.मी. इतक्या क्षेत्रफळाचे महाराष्ट्र पर्यटन विकास महामंडळ (MTDC) यांचे गेस्ट हाऊस आहे. MTDC च्या संचालक मंडळाने ठराव पारित करुन सदर जागेचे रेडीरेकनर दराप्रमाणे रु.2,58,21,760/- (अक्षरी रु. दोन करोड अठ्ठावन्न लाख एकवीस हजार सातशे साठ मात्र) दर ठरविले आहे.

महापालिकेने महाराष्ट्र पर्यटन विकास महामंडळ (MTDC) यांना रु.2,58,21,760/- (अक्षरी रु. दोन करोड अठ्ठावन्न लाख एकवीस हजार सातशे साठ मात्र) इतकी रक्कम भरुन गेस्ट हाऊस महाराष्ट्र पर्यटन विकास महामंडळ (MTDC) कडून हस्तांतरीत करुन ताब्यात घेणे व हि रक्कम भरणेकरीता अर्थसंकल्पात तरतुद करणेस ही सभा मान्यता देत आहे.

तसेच सदर गेस्ट हाऊसची मालमत्ता ताब्यात घेतल्यानंतर सदर मालमत्तेची मालकी व वापरण्याचा अधिकार हा महानगरपालिकेचाच राहिल याची खातरजमा प्रशासनाने करावी.

सुचक :- श्री. धृवकिशारे पाटील                अनुमोदन :- श्री. अनिल विराणी

ठराव सर्वानुमते मंजूर

सही/-

महापौर

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

नगरसचिव:-

प्रकरण क्र. ६४, मिरा भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रातील खेळांच्या मैदानांवर मुंबई क्रिकेट असोसिएशन माध्यमातून क्रिकेटसाठी खेळपट्टया तयार करुन प्रशिक्षण केंद्र सुरु करणेबाबत विचार विनिमय करणे.

प्रशांत दळवी:-

मिरा भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रातील क्रिकेटपट्टुंना प्रोत्साहन देण्यासाठी व चांगले क्रिकेटपट्टु निर्माण होणेकरीता शहारात चांगल्या खेळपट्टया तयार करण्याच्या अनुषंगाने मुंबई क्रिकेट असो. यांनी मिरा भाईंदर महापालिकेच्या मालकीच्या मैदानावर मुंबई क्रिकेट असोसिएशनच्या माध्यमातुन खेळपट्टया तयार करणेकरीता महानगरपालिकेस परवानगीकरीता पत्र दिलेले आहे.

मिरा भाईंदर शहरामध्ये क्रिकेटवर प्रेम करणारे व क्रिकेट खेळणारे अनेक खेळाडु असुन सदर खेळाडुंकरीता चांगल्या दर्जाच्या खेळपट्टया उपलब्ध नाहीत. सदर खेळाडुंना मुंबईतील शिवाजी पार्क, आझाद मैदान, ओव्हल मैदान अशा मैदानावर जाऊन नेट सराव करावा लागतो. याकामी प्रवासामध्ये खूप वेळ जात असल्याने त्यांना सरावासाठी वेळ फार कमी मिळत असतो. तसेच क्रिकेट विश्वातील माजी कसोटीपट्टु व नामवंत प्रशिक्षक मिरा भाईंदर शहरामध्ये येऊन या खेळाडुंना मार्गदर्शन करु शकतात. त्यामुळे अनेक वर्षापासुन खेळाडु, पालक यांच्याकडुन मिरा भाईंदर मध्ये सरावाकरीता खेळपट्टया तयार करणेबाबत मागणी होत आहे.

त्याप्रमाणे भाईंदर (पु.) येथे मिरा भाईंदर शहराच्या मंजुर विकास योजनेमध्ये आरक्षण क्र.221 “बगीचा” आरक्षित आहे. सदर जागेत एकुण 16200 चौ.मी. इतके क्षेत्रफळ आहे. विकास आराखड्यामध्ये सदर जागेवर बगीचाचे आरक्षण असले तरी त्याचा पुर्वीपासून मैदान म्हणून वापर सुरु आहे. सदरील जागेचा वापर मैदान म्हणून करण्यास सदर आरक्षण विकास योजनेत दर्शविण्यासाठी महाराष्ट्र प्रादेशिक व नगररचना अधिनियम 1966 चे कलम 37(1) अन्वये फेरबदलाच्या प्रस्तावास हि महासभा मंजुरी देत असुन प्रशासनाने सदर आरक्षणाचे फेरबदल शासनाच्या मंजुरीसाठी पाठवावे.

आरक्षणाचा फेरबदल मंजुर झाल्यानंतर प्रशासनाने क्रिकेट असोसिएशन सोबत चर्चा / वाटाघाटी करुन त्यांच्या अटी व शर्ती तसेच मिरा भाईंदर शहरातील खेळाडूंच्या हिताच्या दृष्टीकोनातून विचार करुन धोरण ठरवावे व महापालिकेचा फायदा, उत्पन्न व खर्च याबाबत सविस्तर माहितीसह प्रस्ताव मंजुरीकरीता मा. महासभेत सादर करावे असा मी ठराव मांडत आहे.

दिनेश जैन:-

माझे अनुमोदन आहे.

निलम ढवण :-

मिरा भाईंदर शहरामध्ये क्रिकेटवर प्रेम करणारे व क्रिकेट खेळणारे अनेक खेळाडू असुन सदरील खेळाडू करीता चांगल्या दर्जाचे खेळपट्टया उपलब्ध नाहीत. सदर खेळाडूंकरीता मुंबईतील शिवाजी पार्क, आजाद मैदान, महोन मैदान, ह्या मैदानांवर जावून निट सराव करावा लागतो. या कामी प्रवासामध्ये खुप वेळ लागत असल्याने त्यांना सरावासाठी वेळ फार कमी मिळत असतो. तसेच क्रिकेट विश्वातील खेळपटूंना प्रशिक्षण मिरा भाईंदर शहरामध्ये येवून त्या खेळाडूंना मार्गदर्शन करुन शकतात. त्यामुळे प्रत्येक वार्षापासुन खेळाडू पालक यांच्या पासुन मिरा भाईंदरमध्ये सरावा करीता खेळपट्टया तयार करणेबाबत मागणी होत आहे. मिरा भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रातील क्रिकेटपडूंना प्रोत्साहन देण्यासाठी व चांगले क्रिकेटपडू निर्माण होणे करीता शहरात चांगल्या खेळपट्ट्या तयार करण्याच्या अनुषंगाने मुंबईतील क्रिकेट असोशिएशन अध्यक्ष श्री. विजय पाटील यांनी मिरा भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रातील भाईंदर पुर्व येथील हिंदुवृदय संम्राट श्री. मा. बाळासाहेब ठाकरे मैदानावर मुंबई क्रिकेट असोशिएशनच्या खेळपट्ट्या तयार करणे करीता महानगरपालिकेस परवानगीसाठी पत्र दिलेले आहे. सदर पत्रा सोबत मा. श्री. प्रताप सरनाईक सदस्य विधानसभा यांच्याकडून पत्र देवून

पाठपूरावा करण्यात येत आहे. भाईंदर पुर्व येथे मिरा भाईंदर शहराचा मंजुर विकास योजनेमध्ये आरक्षण क्र.221 बगिचा आरक्षणाने आरक्षीत आहे. सदरील जागेचे एकुण 16 हजार 200 चौ.मी. इतके क्षेत्रफळ आहे. विकास आराखड्यामध्ये सदर जागेवर बगिच्याचे आरक्षण असेल तरी त्याचा पुर्वीपासुन मैदान म्हणून वापर सुरु आहे. सदरील जागेचा वापर मैदान म्हणून करावयाचा झाल्यास सदर आरक्षण विकास योजनेत दर्शविण्यासाठी महाराष्ट्र प्रादेशिक व नगर रचना अधिनियम 1966 चे कलम 37 (1) अन्वये फेरबदलाचा प्रस्ताव मा. महासभेच्या मान्यतेने शासनाच्या मंजुरी साठी पाठवावा लागेल. तसेच भाईंदर पुर्व आरक्षण क्र.246 हे आरक्षण विकास योजनेत खेळाचे मैदान हे आरक्षणाने आरक्षीत असुन सदरील मैदानाचे एकुण क्षेत्रफळ 20 हजार चौ.मी. एवढे आहे. सदरील आरक्षण क्र. 246 मैदानातील क्रिकेट पिच व नेट दैनंदिन संचलण देखभाल व दुरुस्तीसाठी मे. क्रिकेट ॲकॅडमी या संस्थेसोबत करारनामा करुन देण्यात आलेले आहे. सदरील कामाची मुदत दि. 31/12/2021 पर्यंत आहे. सदर आरक्षणाची 21 हजार 641चौ.मी. जागा महानगरपालिकेच्या ताब्यात आहे. महानगरपालिकेचा मंजुर विकास योजनेत भाईंदर पश्चिम आरक्षण क्र.91 स्टेडियमसाठी 18 हेक्टर क्षेत्र मौजे भाईंदर सर्व्हे क्र.229 पैकी 230 पैकी राखीव असुन सदर आरक्षणाच्या काही भागांवर सुभाषचंद्र बोस मैदान अस्तित्वात आहे. सदरील जागा ही महानगरपालिकेच्या मालकीची नसुन सन-2010 मध्ये जिल्हाधिकारी ठाणे यांनी सदर जागा अतिक्रमणापासुन संरक्षणासाठी महानगरपालिकेकडे सोपविलेली आहे. सदर जागेचा मालकीबाबत वाद सुरु असुन सॉल्ट विभागाकडे बंधपत्र सादर करुन जागा ताब्यात घेण्याची कार्यवाही सुरु आहे. वरील आरक्षणा पैकी मुंबई क्रिकेट असोशिएशनच्या माध्यमातुन खेळपट्टया तयार करुन अटी व शर्तीनुसार प्रशिक्षण केंद्र सुरु करणेकामी तसेच सदर आरक्षणा पैकी एक मैदानाचा ताबा मुंबई क्रिकेट असोशिएशन यांच्याकडे देणेबाबत धोरण निश्चित करण्यात यावे. सदर आक्षरण विकास योजनेत दर्शविण्यासाठी महाराष्ट्र प्रादेशिक व नगररचना अधिनियम 1966 चे कलम 37 (1) अन्वये फेरबदलाचा प्रस्ताव मा. महासभेच्या मान्यतेने शासनाच्या मंजुरीसाठी पाठवावा असा ठराव मांडत आहे.

धनेश पाटील :-

माझे अनुमोदन आहे.

धृवकिशोर पाटील:-

मॅडम कूठला त्यांनी सांगितलाच नाही. निलम मॅडम तुम्ही जो गोषवारा दिला आहे तीनही आरक्षण सांगितली आहेत. तूम्हाला एक आरक्षण सूचवायचे आहे.

निलम ढवण:-

तीनही आरक्षण सांगितली आहेत परंतू त्याच्यातले एक डिसाईड करायचे आहे.

धृवकिशोर पाटील:-

तुम्हाला कोणते स्पेसिफिक पाहिजे ते सांगा आम्ही एक आरक्षण डिसाईड केले आणि त्याप्रमाणे आम्ही प्रशासनाला सांगितले आहे की ह्याच्यावर कारवाई करा.

जुबेर इनामदार:-

तुम्ही कोणते केले आहे.

धृवकिशोर पाटील:-

आम्ही २२१ आरक्षण केले आहे

जुबेर इनामदार:-

ह्या विषयावर निर्णय होईपर्यत थोडीशी माहिती देवू इच्छितो..........

धृवकिशोर पाटील:-

मॅडम विषय असा आहे की प्रशासनाने दिलेल्या गोषवा-याप्रमाणे एक आरक्षण जे प्रशासनानी आपल्याला सांगितले आहे की वरीलपैकी एक आरक्षण आपल्याला द्यायचे आहे. त्याप्रमाणे एक

आरक्षण आपण सिलेक्ट केले आहे. निलम ढवण मॅडमनी जो प्रस्ताव ठेवला तर त्यामध्ये ३ आरक्षण सांगितली आहेत. प्रशासनाचे मत आहे की एक सिलेक्ट करा.

निलम ढवण:-

जे लवकर होईल......

धृवकिशोर पाटील:-

प्रशासन निर्णय घेवू शकत नाही. तूम्हीच निर्णय घ्यायला पाहिजे. निर्णय घेण्यासाठी प्रशासनानी आपल्याकडे गोषवारा पाठवला आहे. महासभेला निर्णय घ्यायचा आहे.

मा. आयुक्त:-

प्रकरण क्र. ६४, मिरा भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रातील खेळांच्या मैदानांवर मुंबई क्रिकेट असोसिएशन माध्यमातून क्रिकेटसाठी खेळपट्टया तयार करुन प्रशिक्षण केंद्र सुरु करणेबाबत विचार विनिमय करणे. ह्या अनुशंगाने आपण ३ ऑप्शन दिलेले आहेत विनंती अशी आहे की आपण निर्णय घेवून मुंबई क्रिकेट असोसिएशनकडे हा ठराव पाठवला पाहिजे ह्याबाबत ते प्रॉपर सर्व्हे करतील आणि प्रशिक्षणाच्या अनुशंगाने आणि क्रिकेटच्या अनुशंगाने आणि क्रिकेटच्या अनुशंगाने जे जास्त सुटेबल आहे आपण त्यांना तीन पैकी निवडण्याची संधी द्यावी. पशिक्षणासाठी लागणारा स्पॉट कोणता जास्त सोयीचा आहे ह्याचा ते पूरेपूर अभ्यास करतील त्यानुसार पूढील कारवाई करणे योग्य होईल. ढवण मॅडमचे म्हणणे आहे तेच धृवकिशोर साहेबांना म्हणायचे आहे तीन पैकी एक परंतू माझे त्याच्यावर असे सबमिशन आहे की हे मुंबई क्रिकेट असोसिएशनला ठरवून द्यावे त्यानंतर ते जे सुचवतील ते सर्वानुमते मान्य करायचे.

प्रभात पाटील:-

महापौर मॅडम माझे बोलणे ह्या विषयाशी संबधीत नाही परंतू मी आयुक्त महोदयांना एक गोष्ट सांगू इच्छिते सगळयांना कदाचित आता पटणार नाही परतू आता बोलणे भाग आहे कारण आता सगळे प्रेझेंट आहेत आता मी १५ मिनिट ऑनलाईन नव्हते कारण माझ्या घराच्याआवारामध्ये साप शिरला आहे. आता पर्यत अग्निशमनला फोन केला की साप उचलून घेवून जा परंतू असे झाले आहे की अग्निशमन विभागाला  वनविभागाच्या सूचनेवरून साप पकडून द्यायला बंदी केली आहे. अशा वेळी आम्ही घरात राहायचे की नाही हा प्रॉब्लेम इंद्रलोकमध्ये मोठया प्रमाणात आहे कारण इथे शेती असल्यामूळे साप नेहमीच येतात माझ्या बंगल्यात कायम येतात. आम्ही अग्निशमनला फोन केला त्यांनी मला एक नंबर दिला तो नंबर लागत नाही आणि अग्निशमनवाले बोलतात आम्हाला आता अथोरिटी नाही मग आता सांगा त्या सापाला दंश करू द्यायचे का ? हा प्रश्न माझा नाही शहरामध्ये अनेक ठिकाणी आहे. संपूर्ण शहराचा आहे. शहरामध्ये  नेहमी साप फिरत असतात वनविभागाला बसायची सोय करा आणि त्यांनी एक फोन केल्यावर उचलला पाहिजे आणि शहरामध्ये धाव घेतली पाहिजे. आता माझ्याकडे साप आहे प्लिज तुम्ही अग्निशमनला सांगा आयुक्त महोदय तुम्हाला विनंती आहे.

धृवकिशोर पाटील:-

महापौर मॅडम तुम्हाला विनंती आहे की आयुक्त महोदयांना सांगा की मिरा भाईदर शहरामध्ये असे काही आढळले तर इमेजिएट ॲक्शन घ्या.

प्रभात पाटील:-

आढळले तर नक्की सांगा त्याची वाट बघत कधी बसणार.

मारूती गायकवाड उपायुक्त (मु.):-

अशा कंम्पलेन्ट आल्यावर आपण निश्चित प्रयत्न करतो वनविभाग डिपा.कडून आम्हाला लेखी सुचना आहे आणि लेखी पत्र आहेत की तुमच्याकडे जी लोक आहेत ती प्रशिक्षित नाहीत त्यामूळे

त्यांच्या माध्यमातून जेव्हा एखादा वन्य प्राण्ाी किंवा साप पकडता तेव्हा त्यांना इजा पोहोचते त्यामूळे आम्हालाच कळवा. त्यांनी एक  नंबर दिला आहे तो आम्ही पब्लिश केला आहे.

प्रभात पाटील:-

आता तो फोन लागत नाही.

मा. आयुक्त:-

त्या अनुशंगाने मुख्यमंत्री कार्यालयापर्यत तक्रारी झाल्या. जे काही सर्पमित्र किंवा अनुशंगीक जीव आहेत त्यांनी मनपाच्या फायर डिपामेंटमध्ये जे रिसीव्ह  चे काम करतात त्यांच्यावर आरोप केले की तुम्ही त्यांना इजा करता. दूसरा आरोप असा केला आहे की तुम्ही त्यांन थायमेट टाकून किंवा इतर कोणते पॉइझन टाकून मारण्यासाठी लोकांना सांगत असता. जे मनपा असे कोणतेही कृत्य करत नाही. तसेच त्यांचा अजून एक आरोप होता की तुम्ही वेगवेगळया जातीचे साप एकाच जाळीत ठेवता. मनपाचे रेस्क्यू ऑपरेशन आपण व्यवस्थित करू. आणि संजय गांधी उदयानात रिसिव्ह केलेले सर्प सोडतो परंतू त्याच्यावर त्या विभागने आणि काही असंघटीत लोकांनी त्याच्यावर ऑब्जेक्शन घेतले परंतू काही लोकांनी सांगितले परस्पर साप आमच्याकडे द्यायचा कूठल्याही संघटनेकडे किंवा कूठल्याही एन जी ओ कडे असा पकडलेला कूठलाही जंगली प्राणी देण्याची तरतूद नाही. हया लोकांनी वेगवेगळया माध्यमातून तक्रारी करून मनपाचे काम कसे चूकीचे आहे हा सांगण्याचा प्रयत्न केला. हयावर वनविभागानी सुचना दिल्यावर वनविभागानी त्याचा नंबर कळवला आणि आम्हाला सर्प, विंचू क्रिवा हिंस्त्र प्राणी भेटला किंवा आढळला तर आम्हाला कळवा अशा आशयाचे आपल्याकडे पत्र आल्यावर म्हणजे आपली इच्छा नसतांना हे पत्र काढायला लागले पाटील मॅडम म्हणतात ते मलाही पटते कारण त्यांच्याकडचे नंबर उचलणे त्यांनी इथे येणे हे रिस्की आहे आणि धृवकिशोर साहेबांनी सांगितले की हयावर उपाय म्हणून आपण आपली कारवाई करावी आणि त्यांच्या ताब्यात द्यावे हयाच्यापूर्वीही आपण तेच करत होतो परंतू आपण केलेली कारवाई वर त्याठिकाणी ऑब्जेक्शन घेण्यात आले आणि चूकीचे आहे असे म्हणण्यात आले म्हणून त्यांची सूचनेची अंमलबजावणी करून आपण सदर परिपत्रक काढून हा नंबर फ्लॅश केलेला आहे.

प्रभात पाटील:-

आता मी काय करू ते मला सांगा.

धृवकिशोर पाटील:-

मा. महापौर मॅडम माझी आपणांस अशी विनंती आहे की आपल्या मनपावर लागलेले आरोप चूकीचे आहेत आपल्या मनपाचे अग्निशमनचे कर्मचारी सापाला व्यवस्थित पकडतात आणि व्यवस्थित ठेवतात आणि संजय गांधी उदयानात सोडतात. त्यामूळे चूकीचे आरोप झालेले आहेत. त्यामूळे आयुक्त साहेब आमची तुम्हाला विनंती आहे की तुम्ही ते परिपत्रक मागे घ्या. आणि असे काय असे असेल तर आपले कर्मचारी त्यांना ट्रेनिग द्या.

मा. आयुक्त:-

मा. महापौराच्या परवानगीन आता जी इर्मजन्सी आली आहे त्यासाठी फारयरची गाडी पाठवली आहे. परंतू आज महासभा असल्यामूळे आपण बोलत आहोत असे शहरात अनेक ठिकाणी घेडलेले आहे त्याची जाणीव प्रशासनाला आहे. त्यांनी आपल्याला लेखी कळवले असल्यामूळे आपल्यावर कायदयाचे बंधन होते त्यामूळे नोटीस काढावी लागली पून्हा एकदा हा इंन्सीडेट घडल्याची अजून एक दोन संदर्भ देवून पून्हा त्यांच्याशी पत्रव्यव्हार करतो. शहरात अशा अनेक घटना घडत आहेत जवळ खाडी आहे त्या बाबी विचारात घेवून पून्हा एकदा पत्रव्यव्हार करतो. ट्रेनिंग देण्याची आवश्यकता असेल तर ती कारवाई करण्यात येईल्.

प्रशांत दळवी:-

मा. महापौर मॅडम अत्यावश्यक बाब म्हणून पाटील ताई आता आपल्याकडे गाडी पाठवली आहे.

जुबेर इनामदार:-

मला क्रिकेटचा जो विषय चालू होता त्याच्यावर मला बोलायचे आहे.हा विषय सभेमध्ये चर्चेला आला गोषवारा आला प्रशासनाने आपल्याला दिलेला आहे. मुबई इंडिया असोसिएशन मध्ये माझे काही मित्र सदस्य आहेत मी त्यांना हा विषय विचारला आम्ही असे काही केले तर मुंबई असोसिएशनचे काय धोरण असेल. त्यांनी आम्हाला सांगितले की ते अशा ब-याच मुलांना बोलवतील आणि त्यांची चाचपणी करतील त्याच्यातील २१ मुल ते सिलेक्ट करतील. मुंबई क्रिकेट असोसिएशनचे थंबरूल आहे २१ मुलांना सिलेक्ट करतील त्यांना फक्त प्रशिक्षण देतील आपण इतके नियोजन करायचे. मुबई क्रिकेट असोसिएशनच्या ताब्यात द्यायचे आणि ते आपल्या शहरातील फक्त २१ मुलांना ट्रेनिग देणार हे कितपर्यंत योग्य आहे. त्याची योग्य माहिती घेवूनच करावा.

धृवकिशोर पाटील:-

मी जुबेर इनामदारांच्या मताशी सहमत आहे. आणि आम्ही ह्या ठरावामध्ये ३७ ची कारवाई करा. मुंबई क्रिकेट असोसिएशनच्या संदर्भात बोलणी करा, चर्चा करा, वाटाघाटी करा आणि मिरा भाईदरची जी मुल आहेत त्या मुलांच्या बाबत काय करू शकतात.

जुबेर इनामदार:-

साहेब आपण शहरात गटर बांधतो पून्हा तेच गटर बांधतो, तेच रस्ते पून्हा बांधतो त्याच जागेमध्ये गटर किती वेळा येते काही माहित नाही. खरी परिस्थिती  एक सूसज्ज स्टेडीयम या शहरामध्येनिर्माण करा कोणत्याही आरक्षणामध्ये करा तूमच्या कार्यकाळामध्ये करा.

प्रशांत दळवी:-

मा. महापौराच्या परवानगीनेआयुक्त महोदय आपण म्हणालात हे जे आरक्षण आहे ते जर त्यांच्याकडून मागवणार असाल तर मग कोणत्या आरक्षणाचे आपण ३७ करायचे.

मा. आयुक्त:-

मा. महापौराच्या परवानगीने बोलतो इनामदार साहेबांनी एक सूचना सांगितली ती अतिशय मोलाची आहे त्यात तो २१ मुलांना प्रशिक्षण देणार किंवा २१ खेळाडूचे प्रशिक्षण संपल्याच्या कालावधीनंतर तेच मैदान इतर खेळाडूसाठी उपलब्ध असणार ह्या दोन्ही गोष्टीची खातरजमा करण्यात येईल तोपर्यंत असे सबमिशन आहे की आपण ह्या तीन्हीच्याबाबत त्यांना परमिशन एकच देणार आहोत त्याच्या अटीशर्तीमध्ये कूठले बसते ते बेसीक अभ्यास करण्यासाठी त्यांना आपण सर्वानुमते ठराव द्यावा. परंतू आता वेगवेगळया सदस्यांनी ज्या सुचना सांगितल्या त्या महत्वाच्या आहेत ह्या शहरातील सर्व तरूण वर्गाना तिथे प्रशिक्षणासाठी व खेळण्यासाठी मुभा असेल त्या अटीशर्तीसकट असेल तर आपण पूढे जावू या. ह्याची खातरजमा प्रशासनाकडून करण्यात येईल.

धृवकिशोर पाटील:-

मा. आयुक्तांनी बरोबर सांगितले तर माझी आयुक्तांना अशी विनंती आहे की महापौर मॅडम, आयुक्तसाहेब व पदाधिका-यांनी एकदा बसा आणि तुम्ही क्रिकेट असोसिएशनवाल्यांना बोलवा आणि नेमकी पॉलिसी काय आहे, आणि आपल्या शहराला ते काय बेनिफीट देणार आहेत ते पहिले समजून घ्या. आणि मग आपण जर प्रस्ताव आणला तर बेस्ट राहिल.

मा. महापौर:-

सदरचा प्रस्ताव प्रशासनाने सर्व माहितीसह सर्व पदाधिकारी व गटनेत्यासोबत चर्चा करून पूढील महासभेत रितसर आणवा.

नगरसचिव:-

प्रकरण क्र. ६५, भाईंदर (पूर्व) प्रभाग क्र. 11 मधील इंदिरानगर येथील समाजमंदिराचे व व्यायामशाळेचे वाढीव बांधकाम करणेकामाच्या खर्चास प्रशासकीय आर्थिक मान्यता देणे.

गणेश भोईर:-

भाईंदर (पुर्व) प्रभाग क्र.11 मधील इंदिरानगर येथील समाजमंदिर व व्यायामशाळा आहे. सदर समाजमंदिर व व्यायामशाळेची जागा अपुरी पडत असल्याने समाजमंदिर व व्यायामशाळेची वाढीव बांधकाम करण्याची मागणी मा. विरोधी पक्षनेता यांनी केलेली होती.

त्याअनुषंगाने साईटची पाहणी करून रु.36,87,650/- रक्कमेचे अंदाजपत्रक तयार करण्यात आलेले आहे. सदर कामी सन 2021-22 या आर्थिक वर्षातील विरोधी पक्षनेता स्वेच्छा निधी या लेखाशिर्षा अंतर्गत रु.50.00 लक्ष तरतुद उपलब्ध आहे. सदर कामास आर्थिक व प्रशासकीय मान्यता देण्यात येत आहे.

जयंतीलाल पाटील:-

माझे अनुमोदन आहे.

मा. महापौर:-

ठराव सर्वानुमते मंजूर करण्यात येत आहे.

प्रकरण क्र. 65 :-

भाईंदर (पूर्व) प्रभाग क्र. 11 मधील इंदिरानगर येथील समाजमंदिराचे व व्यायामशाळेचे वाढीव बांधकाम करणेकामाच्या खर्चास प्रशासकीय आर्थिक मान्यता देणे.

ठराव क्र. 58 :-

भाईंदर (पुर्व) प्रभाग क्र.11 मधील इंदिरानगर येथील समाजमंदिर व व्यायामशाळा आहे. सदर समाजमंदिर व व्यायामशाळेची जागा अपुरी पडत असल्याने समाजमंदिर व व्यायामशाळेची वाढीव बांधकाम करण्याची मागणी मा. विरोधी पक्षनेता यांनी केलेली होती.

त्याअनुषंगाने साईटची पाहणी करून रु.36,87,650/- रक्कमेचे अंदाजपत्रक तयार करण्यात आलेले आहे. सदर कामी सन 2021-22 या आर्थिक वर्षातील विरोधी पक्षनेता स्वेच्छा निधी या लेखाशिर्षा अंतर्गत रु.50.00 लक्ष तरतुद उपलब्ध आहे. सदर कामास आर्थिक व प्रशासकीय मान्यता देण्यात येत आहे.

सुचक :- श्री. गणेश भोईर अनुमोदन :- श्री. जयंतीलाल पाटील

ठराव सर्वानुमते मंजूर

सही/-

महापौर

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

नगरसचिव:-

प्रकरण क्र. ६६, मिरा भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रातील मुख्य रस्त्यांवर पीपीपी (Public Private Partnership) तत्वावर दिशादर्शक फलक उभारणे कामाबाबत.

प्रशांत दळवी:-

मिरा भाईंदर महापालिका क्षेत्रात मुख्य रस्त्यांवर PPP तत्वावर दिशादर्शक फलक उभारणेबाबत महापालिकेच्या हिताच्या दृष्टीकोनातून सविस्तर चर्चा विनीमय करुन निर्णय घेणेकरीता मा. महापौर यांच्या अध्यक्षतेखाली सर्व पक्षीय गटनेत्यांची बैठक आयोजित करुन निर्णय घेणेस ही मा. महासभा मान्यता देत आहे.

अनिल विराणी :-

माझे अनुमोदन आहे.

मा. महापौर:-

ठराव मंजूर.

प्रकरण क्र. 66 :-

मिरा भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रातील मुख्य रस्त्यांवर पीपीपी (Public Private Partnership) तत्वावर दिशादर्शक फलक उभारणे कामाबाबत.

ठराव क्र. 59 :-

मिरा भाईंदर महापालिका क्षेत्रात मुख्य रस्त्यांवर PPP तत्वावर दिशादर्शक फलक उभारणेबाबत महापालिकेच्या हिताच्या दृष्टीकोनातून सविस्तर चर्चा विनीमय करुन निर्णय घेणेकरीता मा. महापौर यांच्या अध्यक्षतेखाली सर्व पक्षीय गटनेत्यांची बैठक आयोजित करुन निर्णय घेणेस ही मा. महासभा मान्यता देत आहे.

सुचक :- श्री. प्रशांत दळवी अनुमोदन :- श्री. अनिल विराणी

ठराव सर्वानुमते मंजूर

सही/-
महापौर
मिरा भाईंदर महानगरपालिका

नगरसचिव:-

प्रकरण क्र. ६७, रस्ते, चौक, वास्तु यांना नावे देणेबाबत.

प्रशांत दळवी:-

मा. महापौर मॅडम रस्ते चौकचा जो विषय आपल्याकडे आला होता. मध्यंतरी जो ठराव होता त्याच्यामध्ये ज्या अटीशर्ती होत्या की कोणाचे नाव चौकाला किंवा त्या रस्त्याला असावे त्यामध्ये खूप दूजाभाव झालेला आहे. ब-याच जणांनी काही नातेवाईकाची नावे दिलेली आहेत. म्हणून माझी विनंती राहील हा ठराव प्रशासनाने पुनश्च सादर करावा जेणेकरून त्या ठरावामध्ये ज्या त्रूटी आहेत त्यात सुधारणा करता येतील.

निलम ढवण:-

त्रूटी म्हणजे काश् त्रूटी आहेत.

प्रशांत दळवी:-

महासभेनी जो ठराव केला होता खांबित साहेब डिंपल मेहतानी दि. २३.६.२१ रोजी जो ठराव केला होता. मिरा भाईंदर शहरातील विविध रस्ते, चौक, सार्वजनिक जागा, महापालिकेच्या इमारती, पालिकेने विकसीत केलेली आरक्षणे यांचे नामकरण करणेकरीता खालीलप्रमाणे धोरण निश्चित करणेस ही मा. महासभा मंजुरी देत आहे.

1) महापालिकेच्या नामकरणाबाबत पूर्वी घेतलेल्या निर्णयात पून:श्च बदल करण्यात येवू नये.
2) ज्या थोर व्यक्ती, महापुरुष व शहरातील समाजसेवक यांचे नाव द्यावयाचे आहे त्या व्यक्तींबाबतची सविस्तर माहिती प्रस्ताव देणाऱ्यांनी प्रस्तावात नमुद करणे आवश्यक आहे. तसेच नाव द्यावयाच्या व्यक्तींनी राज्य पातळीवर सामाजिक काम केलेले असावे.
3) नाम फलकातील मजकूर मराठी व हिंदी भाषेत असणे आवश्यक राहील.
4) नामफलकाचा आकार वास्तुच्या आकारावर अवलंबून राहील.
5) जिवंत व्यक्तींचे नाव देण्यात येवू नये.
6) महापालिकेचे दिवंगत पदाधिकारी उदा. महापौर, उपमहापौर व तीन वेळा निवडून आलेले सन्मा. सदस्य यांची नावे देणेस हरकत नसावी.

सदरचे धोरण हे नविन नामकरण व नविन लावण्यात येणाऱ्या नामफलकाबाबत असेल.प्रशासनानी जी यादी दिलेली आहे. त्याच्यामध्ये खूप तफावत आहे. आणि म्हणून हा प्रस्ताव पून्हा एकदा फेरसादर करावा अशी आपणांस विनंती आहे.

निलम ढवण:-

मा. महापौर मॅडम आतापर्यत दिलेल्या नावामध्ये काय फेरबदल करणार आहात का ?

मा. महापौर:-

काही नगरसेवकांनी माझ्याकडे पत्रव्यव्हार केलेला आहे त्यांची नाव हयाच्यामध्ये सूचित झाली नाहीत.

निलम ढवण:-

आमच्याकडे पण तशी आहेत.

मा.महापौर:-

ती आपण एकत्रित करून हा प्रस्ताव पूढच्या महासभेमध्ये आणावा. कारण ती नाव राहून जातील.

निलम ढवण:-

मा. महापौर मॅडम मी एक सुचना करते, ती नाव आता जाहिर करून घेतलात आणि ज्यांनी लेटर दिली आहेत.

दिपक खांबित:-

मा. महापौराच्या परवानगीने सर्व सदस्यांना आपल्याकडून प्रस्ताव येताना महासभेनी जे धोरण निश्चित केले आहे त्याप्रमाणे द्यावे. आपण काय करतो रस्त्याला हे नाव द्यावे असे देतो. ज्यांचे नाव देण्याची तुम्ही शिफारस करता त्याने काय कार्य केले आहे ते नमुद करत नाही ते नमूद करून तो फेरप्रस्ताव प्रशासनापूढे सादर करा.

मा. महापौर:-

म्हणजे ते नाव रद्द केले जाणार नाही.प्रशासनानी जो ठराव झाला आहे तो ग्रूपवर टाका म्हणजे सर्व नगरसेवकांना माहिती पडेल की काय ठराव आहे. त्या पध्दतीने ते नाव सुचवतील म्हणजे ती नाव आपल्याला रद्द करायला लागणार नाहीत. सर्वानुमते तो ठराव मंजूर होवू शकतो.

निलम ढवण:-

एक सुचना आहे आता जी नाव दिलेली आहेत ती आलेली आहेत परंतू हयाच्यात लेटर देवूनही जी नाव त्याच्यात आलेली नाहीत ती आता पण तुम्ही घेवू शकता.

मा. महापौर:-

आपला जो मागे ठराव झालेला आहे त्याला अधीन राहून ती नाव द्यावी म्हणजे आपल्याला ती मंजूर करता येतील. आणि नगरसेवकांनी जी नाव दिली आहेत त्यामध्ये काय त्रूटी असतील त्या संबधात खांबितसाहेबांशी चर्चा करा की हे ठरावमध्ये बसते की नाही बसते.

निलम ढवण:-

२-३ नाव जी आली नाहीत आणि ते स्वातंत्र सैनिकांची असतील अशा पध्दतीची नाव पूर्ण ॲड करून त्याच्याबद्दल पूर्ण माहिती मागवावी असे माझे म्हणणे आहे.

मा. महापौर:-

मॅडम आपण रितसर आणले तर मान्य करायला बरे पडेल पून्हा त्याच्यात चेंज येईल ते नको त्यामूळे रितसर येवू दे तूम्ही व्यवस्थित मांडून घ्या आणि पूढच्या सभेला हा विषय आणा.

जुबेन इनामदार:-

खांबितसाहेब नामकरणाचाजो गोषवारा तुम्ही दिलेला आहे त्यामूध्ये अ.क्र.९ त्याला जूने नाव आधीच पडलेले आहे. जून्या यादीमध्ये चाचपणी करा. महापौर मॅडम गोषवा-यामध्ये हे आले मन दूखायचा विषाय आहे ना. ज्याने नविन नाव दिल त्याच मन दूखायचा जूने नाव आहे त्याला कमी करायचा विषय आला. हे नाव कमी होते का ह्यावर बारकाईने लक्ष द्यावे.

मा. महापौर:-

हा पूर्ण विषय प्रशासनाने तपासून गोषवारा द्यावा असे आपण म्हटले आहे.

जुबेर इनामदार:-

माझी सुचना महासभेसमोर मांडली आहे. ती आपण गृहीत धरावी.

(सदरचा विषय पुढील सभेत घेण्याचे ठरले.)

नगरसचिव:-

प्रकरण क्र. ६८, मिरा भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रातील मौजे उत्तन येथील घनकचरा प्रक्रिया प्रकल्प ठिकाणी पोकलन, चेन डोझर, मजूर पुरवठा करणे कामासाठी खर्चास आर्थिक व प्रशासकीय मान्यता देणेबाबत.

दिनेश जैन:-

मिरा भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रात मौजे उत्तन येथील घनकचरा प्रकल्प ठिकाणी शहरातील दररोज 520 ते 550 मेट्रीक टन कचरा जमा होत असतो. त्यापैकी दररोज 350 मेट्रीक टन कचऱ्यावर नविन प्रकल्पा ठिकाणी प्रक्रीया होते. तसेच उर्वरीत मिक्स कचरा हा टाकून सपाटीकरण करण्यात येते. सदर कचरा टप्पाटप्प्याने कमी होणार आहे. सदर सर्व कार्यवाही करीता पोकलन, चेन डोझर, मजूर इ. पुरवठा करून घ्यावा लागतो. सदर कामे ही कंत्राटदारामार्फत मशिनरी पूरवठा करून घेऊन करावी लागतात. सदर कामासाठी रु.1,62,06,930/- वार्षिक एवढा खर्च येईल.

सदर खर्चास प्रशासकीय व आर्थिक मान्यता देण्यात येत आहे.

डिंम्पल मेहता :-

माझे अनुमोदन आहे.

जुबेर इनामदार:-

प्रशासनाने ह्याचे उत्तर द्यावे तिथे पून्हा कच-याचे ढिग लागले आहेत. प्रशासनाने आजपर्यंत आरोग्याच्या कूठल्याही कामाला आडकाठी घातलेली नाही. कधी निधी कमी पडू दिलेली नाही. तरी कच-याचा विल्हेवाट का थांबला फक्त ढावगीपर्यंत थांबत नाही. पूर्ण शहराला त्रास होत आहे.

दिपक खांबित:-

घनकचरा प्रकल्पाच्या ठिकाणी लिचड प्रक्रिया केंद्र सूरू आहे. बायोमॅनिगचे कामही सूरू आहे आणि घनकचरा प्रकल्पदेखील सूरू आहे. फक्त् आपला कचरा आणि आपले सर्व सॅनिटरी इन्सपेक्टर विलगीकरणात जे ओला कचरा आणि सूका कचरा तो प्रोपरली होत नाही कधी मशीनमध्ये वैगेरे अडकतात त्यासाठी त्या गाडया थांबवून चेक करून घेतो. अजून मायक्रो सॅग्रीगेशन करायची आवश्यकता आहे. त्यासाठी आम्ही एक मोहीम घेतली होती आयुक्त साहेबांनी व्हिजीट केलेली त्या अनुशंगाने ते मायक्रो सॅग्रीगेशन करण्यासाठी सर्व गाडया थांबवल्या होत्या.

बगाजी शर्मिला :-

महापौर मॅडम आपण हा प्रस्ताव सादर केलेला आहे त्याच्यामध्ये आपण सांगत आहेत की मेट्रीक टन वर आपण प्रक्रिया करतो बऱ्या पैकी आता आपण मागिल शुक्रवारी आयुक्त साहेब आणि आमची कंबाईन व्हिजीट झाली त्यावेळेला आपण मिक्स कचरा टाकणे पुर्ण पणे आपण बंद केले. सपाटीकरणाचा हा ठराव करणे हा चुकीचा आहे. आणि त्याच्याही पुढे जावून जेव्हा आपण मिक्स कचऱ्यासाठी वर्षानुवर्ष एका कंत्राटदाराला आपण पोसत आहोत कारण इथे दर वेळेला म्हणजे दर दिवशी 250 ते 300 मेट्रीक टन आपण कचरा टाकत आहोत त्याचे ढिगारेचेढीगारे आपल्या डंम्पींगवर तयार झालेले आहेत. तर त्या सपाटीकरणासाठी दर वर्षाला आपल्याला जवळ जवळ 150 कोटी एवढा आपण खर्च त्या सपाटीकरणासाठी आपण करत आहोत परंतु तो जो कचरा सपाटीकरणासाठी जो आपण खर्च करत आहोत आणि तिथे केलेले काम याच्यात कोणतीही त्यात कुठे मॅच होत नाही की आपण जो ठेकेदाराला पैसा देत आहोत आणि तिथे होणारे काम याच्यात कोणतीही ताळमेल नाही. तर

हे पण मला तुमच्या निदर्शनास आणु इच्छीते आणि आता हे खर म्हणजे त्यांना अशीच आपण मान्यता देणे अयोग्य आहे कारण आता आम्ही मिक्स कचरा नाही घ्यायचे ठरविलेले आहे मग आता ह्याला आर्थिक् मान्यता देवून अजुन परत आपण तिथे मिक्स कचरा टाकायचा......................

मा. महापौर :-

ताई मी काय बोलते हा विषय आपण कशासाठी घेतलेला आहे की पोकलन, अवजार, मजुर पुरवठा यासाठी आपण प्रशासकीय मंजुरी घेतोय.

बगाजी शर्मिला :-

मॅडम तुम्ही जे सांगतात ते बरोबर आहे पण प्रशासकिय मान्यता कशासाठी सपाटीकरण कशासाठी जेव्हा मिक्स कचरा साचला जाईल तेव्हा आपल्याला सपाटीकरणाची गरज आहे. आता आपण मिक्स कचरा घेणारच नाही कशाला आपण यांना आर्थिक आणि प्रशासकिय मंजुरी देवून आपण आपलेच नुकसान करुन घ्यायचे. आणि वर्षानुवर्ष मॅडम तुम्ही बघितले असेल की इथे 15 वर्षा पासुन एकच ठेकेदार आहे त्या एकाच ठेकेदाराला सपाटीकरणासाठी आपण हा ठेका दिलेला आहे. कोणतीही मुदतवाढ नदेता त्याला नवा ठेकेदार नाही, नविन निविदा नाही तेच काम त्याच ठेकेदाराला देवून आपण त्याला त्याचे पोट भरण्याचे काम करत आहोत. आणि आता जर मिक्स कचरा येणारच नाही तर कशासाठी सपाटीकरणासाठी आपण हे करत आहोत ? कमिश्नर साहेबांनी आम्हाला जे आश्वासन दिलेले आहे त्याच्या बदल थोडस आम्हाला सांगाव की आर्थिक मंजुरी देणार आहोत ते कशासाठी घेणार आहोत.

प्रशांत दळवी:-

महापौर मॅडम माझी विनंती राहील प्रशासनाने दिलेल्या गोषवा-या मधील प्र.क्र. ६९ आणि ७० हे दोन गोषवारे प्रशासनाने दिलेले आहेत त्यानंतर ७३ क्र ७९ आहेत त्याचा प्रशासनाने गोषवारा दिलेला नाही. तर माझी एक विनंती राहील हया प्रकरणाचे गोषवारे पूढील सभेत देणार असेल तर हे दोन विषय घेवून ही बैठक संपवावी अशी मी विनंती करतो.

मा. आयुक्त:-

मा. महापौराच्या परवानगीने बोलतो मिरा भाईदर महानगरपालिका क्षेत्रातील मौजे उत्तन येथील प्रक्रिया प्रकल्प पोकलनचे बोझर आणि मजूर या सौराष्ट्राचा जो प्रकल्प आहे त्याठिकाणी जी मशिन लागते त्याठिकाणी कचरा लेवल करणे. खाली गेलेल्या कच"याचे वर्गीकरण करणे त्याठिकाणी लागणा-या मशिनच्या अनुशंगाने ६८ नंबरचा मुद्दा आहे सन्मा. नगरसेवकांनी जे मुद्दे मांडले ते मिक्स होतात त्याठिकाणी स्पेसिफिक ६८ पॉईन्ट जो आहे त्याठिकाणी लागणारा उत्तन येथे लागणारा पोकलन,चेना आणि डोझर आणि त्याला लागणारे अनुशंगीक मजूर एवढया कारणासाठी तो विषय आहे ह्याची नोंद घ्यावी. जुबेर साहेबांनी एक मुद्दा मांडला की आम्ही बजेट घेवू इतर सर्व पक्षीय लोक स्वच्छतेच्या बाबत दक्ष असतो मी जबाबदारीने सांगतो ह्या शहरात स्वच्छतेसाठी शहरातल्या कानाकोप-यात फिरत असतो. मागील आठवडयात सॅग्रीगेशनच्या अनुशंगाने गाडया थांबवूनक्रॉस चेक करत होतो असा उल्लेख कार्यकारी अभियंता खांबितसाहेबांनी केला आहे. आणि शहरात ज्या ज्या ठिकाणी कचरा पडतो तिथे वर्गीकरण होत असते त्यामूळे कचरा पडतो असे वाटते शहरातल्या वेगवेगळया रस्त्यावर मी स्वत: जातीने फिरत असतो. आमचे अतिरिक्त आयुक्त सहा. आयुकत, एस.आयना दक्षता घ्यायच्या सुचना असतात. वेळोवेळी जिथे कचरा साचतो तो कचरा साचू नये म्हणून आपण उपाययोजना करत असतो. आणि पूढेही करणार आहोत. ह्या अनुशंगाने संपूर्ण निघणारे टेंडर ह्याची कारवाई अंतिम टप्प्यात आहे आणि पूढच्या आठवडयापर्यत नविन निविदा प्रक्रिया होणार आहे. तोपर्यत सुध्दा निविदा प्रक्रिया होईल तेव्हा होईल पण कच-याच्या बाबत मी स्व्त: दक्ष आहे. आणि सोबत कर्मचा-यांना दक्ष राहण्याच्या सुचना दिलेल्या आहेत. महापौराच्या माध्यमातून सर्व सदस्यांना विनंती करतो की आपले जे जे वॉर्ड आहे त्यामध्ये ज्या सोसायटी किंवा बैठी घर आहेत

त्यांना सॅग्रीगेशन करण्यासासंबधी आपल्या फेसबूक ,व्हॉटसअप माध्यामातून सुचना द्याव्या कारण वेळोवेळी सॅग्रीगेशनची मशिन बंद पडते आणि सर्वच प्रकल्प बंद पडल्यावर कचरा साचतो. त्यामूळे शहरातला कचरा उचलण्यासाठी वेळ लागतो त्यामूळे शहरातल चित्र कचरामय होते त्यामूळे पून्हा एकदा विनंती करतो आणि आपणही पूढे सांगावे की प्रत्येक सोसायटीने कचरा सॅग्रीगेट करावा. ह्यासाठी सर्व सदस्यांना विनंती आहे की आपल्या प्रभागातील लोकांना कच-याची वर्गीकरण कटाक्षाने करायला सांगा ह्याचे पालन करण्यासाठी त्यांना विनंती करा.

गिता जैन:-

उत्तनचा विषय आल्यावर आपल्याला बोलायचेच असते आपण जेव्हा दौ-याला गेलो तेव्हा कमिशनर साहेब आपण पण होते तिथली परिस्थिती जरी थोडीशी बेटर असेल तरी एवढी वर्ष ज्यांना कॉनट्रयाक्ट दिले आहे त्याठिकाणी कामच चालू झाले नाही असे किती ठिकाण आहेत तर माझी अशी विनंती राहणार की अशा कॉट्रयाक्टरला सगळयात पहिले ब्लॅकलिस्ट करा. एपढया वर्षात जेवढे लेवलींग व्हायला पाहिजे तुम्हीच सांगितले ४०%ते ५०% आय आय टीचा रिपोर्ट होता आम्ही कट करून बिल दिली बिल कट करून द्यायला नाही पाहिजे अजून घ्या पण आमचे शहर स्वच्छ आणि सूंदर करा. आणि उत्तनमध्ये जे शेतीचे नुकसान होते त्याच्यावर लवकरात लवकर तुमच्याकडून काय प्रक्रिया होत असेल ती राबवा. तसेच ज्या नविन टाक्या पाहिजे ते माझ्या निधीमधून लवकरात लवकर करावी अशी ही शेतक-यांना दूसरी नूकसान भरपाई होत नाही पण समोरून त्यांना नूकसान का करावे त्याची शेती वाचवायला पाहिजे ती प्रक्रिया करा. माझी मागणी आहे की आपण एकाच कॉनट्रयाक्टरला तो काम करो किंवा न करो त्याचे बिल निघत जातात ते प्रकरण बंद होणार आणि जे जे मुदत संपले आहेत आपले टेंडर आहे त्याचे लवकरात लवकर टेंडर काढा जेणेकरून कॉम्पीटेशनमध्ये एखादा चांगला कॉनट्रयाक्टर भेटेल कारण आजमितीपर्यत तिथे जे काम झाले आहे ते बिलकूल सॅटीसफॅक्टरी नाही. मी स्वत: जावून बघीतले म्हणून मी आपल्याल वारंवार सांगते. बायोमॅनीगची साईटच चालू झालेली नाही. जेव्हा वर्क ऑर्डरमध्ये त्याची काय समयमर्यादा आहे ते पूर्ण बघून आपणत्याला ब्लॅकलिस्ट करत नाही. हे एवढे प्रेम कॉनट्रयाक्टरवर का असावे ते मला कळत नाही. साहेब त्यांना ब्लॅकलिस्ट करून चांगली कंपनी आणा आपल्याकडे बरेच प्रपोजल आहेत. जोपर्यत नविन कंपनीला चान्स देणार नाही तोपर्यत कसे माहित पडणार की ते कसे काम करतात. त्यांना चान्स द्या. माझी सुचना आहे त्याच्यावर नक्कीच अंमल कराल अशी माझी आशा आहे.

मा. आयुक्त:-

मा. महापौराच्या परवानगीने मॅडम आपल्या सोबत गेल्या आठवडयात दौरा केला त्यावेळी सेम सुचना दिलेल्या होत्या हया सुचनावर प्रशासन काम करत आहे त्याप्रमाणे कारवाई सूरू झालेली आहे. त्याचप्रमाणे बायोमॅनिगचे काम आहे त्याला गती मध्ये काम करायला सांगितले आहे. निविदा प्रक्रिया अंतिम टप्प्यात आहे. आपण केलेल्या सूचनावर अंमलबजावणी सूरू आहे.

मा. महापौर मॅडम :-

ठिक आहे पुढचा विषय घ्या.

प्रकरण क्र. 68 :-

मिरा भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रातील मौजे उत्तन येथील घनकचरा प्रक्रिया प्रकल्प ठिकाणी पोकलन, चेन डोझर, मजूर पुरवठा करणे कामासाठी खर्चास आर्थिक व प्रशासकीय मान्यता देणेबाबत.

ठराव क्र. 60 :-

मिरा भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रात मौजे उत्तन येथील घनकचरा प्रकल्प ठिकाणी शहरातील दररोज 520 ते 550 मेट्रीक टन कचरा जमा होत असतो. त्यापैकी दररोज 350 मेट्रीक टन कचऱ्यावर नविन प्रकल्पा ठिकाणी प्रक्रीया होते. तसेच उर्वरीत मिक्स कचरा हा टाकून सपाटीकरण करण्यात येते. सदर कचरा टप्याटप्याने कमी होणार आहे. सदर सर्व कार्यवाही करीता पोकलन, चेन डोझर, मजूर इ.

पुरवठा करून घ्यावा लागतो. सदर कामे ही कंत्राटदारामार्फत मशिनरी पूरवठा करून घेऊन करावी लागतात. सदर कामासाठी रु.1,62,06,930/- वार्षिक एवढा खर्च येईल.

सदर खर्चास प्रशासकीय व आर्थिक मान्यता देण्यात येत आहे.

सुचक :- श्री. दिनेश जैन अनुमोदन :- श्रीम. डिंम्पल मेहता

ठराव सर्वानुमते मंजूर

सही/-

महापौर

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

नगर सचिव :-

प्रकरण क्र. 69, आर्थिक व प्रशासकीय मंजूरी मिळणेबाबत. (पाणी पुरवठा विभाग)

प्रशांत दळवी :-

मिरा भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रातील भाईंदर (पुर्व) जेसल पार्क येथील मलनि:स्सारण केंद्र जवळपास 30 ते 35 वर्षे जुने असल्याने अत्यंत जर्जर अवस्थेत आहे. त्याकरीता सदर मलनि:सारण केंद्राची दुरुस्ती व इतर अनुषंगिक कामे करणे आवश्यक आहे.

मिरारोड (पुर्व) काशिगांव येथील क्लासिक कंम्पाऊंड ते आर्च पुजा पार्क पर्यंतच्या परिसरातील इमारतींना कमी दाबाने व कमी प्रमाणात पाणी पुरवठा होत असल्याने सदर ठिकाणी पाणी पुरवठयात सुधारणा होणेकरीता नविन वाढीव व्यासाची जलवाहिनी अंथरणे आवश्यक आहे.

तसेच मिरा-भाईंदर शहरास पाणी पुरवठा करणारी साकेत ते पातलीपाडा पर्यंतची 1590 मि.मी. व्यासाची व पातलीपाडा ते हाटकेश पर्यंतची 1350 मि.मी. व्यासाची जलवाहिनीची वार्षिक देखभाल, दुरुस्ती व परिचलन काम करणे आवश्यक आहे.

उपरोक्त कामांची खालीलप्रमाणे अंदाजपत्रके तयार करण्यात आलेली आहे.

| अ.क्र | कामाचे नाव | अंदाजित खर्च (रु.) |
|---|---|---|
| 1. | मिरा-भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रातील भाईंदर (पुर्व) येथील जेसल पार्क मलनि:स्सारण केंद्राच्या दुरुस्ती व इतर अनुषंगिक कामे करणे. | रु. 1,97,65,000/- |
| 2. | मिरारोड (पुर्व), काशिगांव येथील क्लासिक कंम्पाऊंड ते आर्च पुजा पार्क पर्यंत डी.आय. जलवाहिनी पुरविणे व अंथरणे. | रु. 46,76,200/- |
| 3. | साकेत ते हटकेश पर्यंतची फिडरमेन जलवाहिनीची वार्षिक देखभाल व दुरुस्ती करणे. | रु. 1,24,45,000/- |

वरील कामे अत्यावश्यक असल्याने सदर कामांना हि सभा आर्थिक व प्रशासकिय मान्यता देत आहे.

दिनेश जैन :-

माझे अनुमोदन आहे.

मा. महापौर :-

ठराव सर्वानुमते मंजुर

जुबेर इनामदार :-

महापौर मॅडम सुधारीत हा शब्द ठरावात वापरला गेला आहे. ठरावामध्ये विषय मांडताना सुधारीत तुम्ही खर्च दिलेला आहे त्याच्यामध्ये परत काही बदल झालेला आहे का ?

मा. उपमहापौर :-

बदल नही हूवा है जुबेर भाई उसके अंदर जो जुना उन्होने दिया था वही ॲस इट इस थोडासा चेंजेस कर के उन्होने पेस किया था इसी लिये उन्होने सुधारीत बोला है ।

जुबेर इनामदार :-

महासभा मे पढके सुनावो कितना सुधारीत है । सुधारीत फक्त वाचला गेला आहे आणि ठराव संपवला आहे.

मा. महापौर :-

ठराव वाचा.

प्रशांत दळवी :-

मिरा भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रातील भाईंदर (पुर्व) जेसल पार्क येथील मलनि:स्सारण केंद्र जवळपास 30 ते 35 वर्षे जुने असल्याने अत्यंत जर्जर अवस्थेत आहे. त्याकरीता सदर मलनि:सारण केंद्राची दुरुस्ती व इतर अनुषंगिक कामे करणे आवश्यक आहे.

मिरारोड (पुर्व) काशिगांव येथील क्लासिक कंम्पाऊंड ते आर्च पुजा पार्क पर्यंतच्या परिसरातील इमारतींना कमी दाबाने व कमी प्रमाणात पाणी पुरवठा होत असल्याने सदर ठिकाणी पाणी पुरवठयात सुधारणा होणेकरीता नविन वाढीव व्यासाची जलवाहिनी अंथरणे आवश्यक आहे.

तसेच मिरा-भाईंदर शहरास पाणी पुरवठा करणारी साकेत ते पातलीपाडा पर्यंतची 1590 मि.मी. व्यासाची व पातलीपाडा ते हाटकेश पर्यंतची 1350 मि.मी. व्यासाची जलवाहिनीची वार्षिक देखभाल, दुरुस्ती व परिचलन काम करणे आवश्यक आहे.

उपरोक्त कामांची खालीलप्रमाणे अंदाजपत्रके तयार करण्यात आलेली आहे.

| अ.क्र | कामाचे नाव | अंदाजित खर्च (रु.) |
|---|---|---|
| 1. | मिरा-भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रातील भाईंदर (पुर्व) येथील जेसल पार्क मलनि:स्सारण केंद्राच्या दुरुस्ती व इतर अनुषंगिक कामे करणे. | रु. 1,97,65,000/- |
| 2. | मिरारोड (पुर्व), काशिगांव येथील क्लासिक कंम्पाऊंड ते आर्च पुजा पार्क पर्यंत डी.आय. जलवाहिनी पुरविणे व अंथरणे. | रु. 46,76,200/- |
| 3. | साकेत ते हटकेश पर्यंतची फिडरमेन जलवाहिनीची वार्षिक देखभाल व दुरुस्ती करणे. | रु. 1,24,45,000/- |

वरील कामे अत्यावश्यक असल्याने सदर कामांना हि सभा आर्थिक व प्रशासकिय मान्यता देत आहे.

जुबेर इनामदार :-

आयुक्त महोदय गोषवाऱ्यामध्ये फक्त 3 आहेत.

निलम ढवण :-

गोषवाऱ्यात 3 आहेत तिनच आहेत का मग.

जुबेर इनामदार :-

3 विषय आहेत 3.75 कोटी रुपयाचा खर्च अपेक्षित होता तुमचा गोषवारा तुमच्या स्वाक्षरीचा आहे. आम्ही कशाला मान्यता द्यायची ते आम्हाला सांगा.

निलम ढवण :-

महापौर मॅडम गोषवाऱ्यामध्ये तिनच आहेत कशाला द्यायची परमिशन ?

जुबेर इनामदार :-

आयुक्त महोदय गोषवारा तुमचा आहे तुमचे फक्त 3 विषय आहेत आम्ही 3 विषयाला मंजुरी देवू याच्या पलिकडे अकोलाचा जो शासन निर्णय आहे तो तुम्हाला लागुच आहे साहेब. तुम्ही

गोषवाऱ्यामध्ये 3 विषय देता 3.75 कोटीचा खर्च तुम्ही महासभे समोर गोषवाऱ्यामध्ये तुमची स्वाक्षरी असताना अशा प्रकारे केलेला ठराव कसा मंजुर होणार ?

सुरेश वाकोडे :-

मा. महापौर मॅडमच्या परवानगीने बोलतो आता ह्यामध्ये आपण जे काम सुचविलेले होते त्या कामासाठी प्रशासकिय मंजुरी घेत आहोत.

जुबेर इनामदार :-

तुमचे एकायचेच नाही तुमची काम असणार तुम्ही गोषवाऱ्यामध्ये नमुद का केले नाही ?

निलम ढवण :-

उर्वरित असतील ते पुढच्या महासभेत घ्या.

जुबेर इनामदार :-

आयुक्त महोदय ह्या चोऱ्यामाऱ्या आहेत याच्या पलिकडे काही नाही.

प्रशांत दळवी :-

जरा वाकोडे साहेबांचे ऐकून तर घेवूया.

जुबेर इनामदार :-

3 विषय पलिकडे एकही विषय घेणार नाही.

मा. महापौर :-

सन्मा. सभागृहनेते दळवी साहेब आपण जो ठराव केलेला आहे त्यामध्ये सुधारीत शब्दामुळे त्या विषयाला मांन्यता आपल्या सर्वानुमते नसेल होत तर आपल्याला पुढच्या महासभेत सगळे विषय आपण घेतोच आहोत.

प्रशांत दळवी :-

महापौर मॅडम वाकोडे साहेब एक्सप्लेन करत आहेत आपण त्यांचे ऐकून घेवू.

मा. महापौर :-

प्रशासनाने गोषवारा दिला होता त्या गोषवाऱ्यामध्ये नमुद करुन यायला पाहिजे होते असे त्यांचे म्हणणे आहे प्रशासनाने गोषवाऱ्यामध्ये का दिले नाही ते आपण बोला.

सुरेश वाकोडे :-

हे जे खालचे जे सुधारीत मान्यता म्हणतात याच्यामध्ये ऑलरेडी महासभेने मान्यता दिलेली आहे त्यापेक्षा काय होतो काही ठिकाणी 10 लाख, 15 लाख असा खर्च वाटत आहे. तर तेवढीच आपण मान्यता मागत असतो ऑलरेडी याला महासभेची मान्यता असते.

जुबेर इनामदार :-

तुमच्या गोषवाऱ्यामध्ये सुधारीत हा शब्दच नव्हता. वाकोडे साहेब मला ऑडिटरने उत्तर द्यावे ह्या विषयाचे.

सुरेश वाकोडे :-

कुठलीही आपण आर्थिक प्रशासकिय मंजुरी घेतल्या नंतर जर त्या खर्चामध्ये थोडी वाढ होत असेल तर त्याची महासभेची मान्यता घेतो तो प्रकार आहे बाकी दुसरे काही नाही.

जुबेर इनामदार :-

मग तुम्ही गोषवाऱ्यामध्ये तसे द्याना गोषवारा तुम्ही का दिला नाही तुम्ही सगळ्यांची फसवणुक करत आहेत आयुक्तांची करत आहेत आमची करत आहेत.

निलम ढवण :-

बरोबर आहे नाही तर पुढच्या महासभेत घ्या.

मा. महापौर :-

ठिक आहे.

सुरेश वाकोडे :-

यामध्ये 14 चा फकर आहे मॅडम महासभेने मंजुरी दिलेली आहे. आता शांतनु पम्पींग स्टेशन तुमचा सृष्टी आणि याच्यामध्ये जो आहे 92.50 चा ऑलरेडी महासभेने मंजुरी दिलेली आहे तो खर्च 109 झाला म्हणजे 16 लाख वाढलेला आहे.

मा. महापौर :-

16 लाख वाढला आहे.

जुबेर इनामदार :-

वाढलाना तुम्ही घेतला का लेखा परिक्षकाकडून तुम्ही त्याचा अहवाल घेतला पाहिजे. तुमचा वाढीव जो खर्च आहे त्याचा गोषवाऱ्यामध्ये आम्हाला उल्लेख पाहिजे.

मा. आयुक्त :-

महापौर मॅडमच्या परवानगीने बोलतो या अगोदरच्या महासभेत ऑलरेडी याला मान्यता आहे. ज्याठिकाणी कॉस्ट व्हेरीयेशन होते किंवा किंचीत कामात वाढ झाली तर 10-15 लाख रुपयाचा कामाचा एकुन निविदा जी काढलेली आहे त्यापेक्षा फरक पडतो. तर सदर बाब मा. महासभेच्या समोर आली पाहिजे आणि त्यांना अवगत असली पाहिजे म्हणून हा ठराव आणलेला आहे. त्यात मिरा भाईंदर महापालिका क्षेत्रातील डोंगरी पाली लाईट हाऊस चवळी काशी, जनता ह्या ठिकाणच्या पम्पींगचा पहिला खर्च होता तो 86.74 लक्ष होता तो आता 1.16 Cr झालेला आहे म्हणजे 26 लाखने हा डिफ्रंट आहे 26.26 चा तर पुर्वी 86 लाखाच्या ठिकाणी 1 कोटी 13 लाख रुपये याठिकाणी लागणार आहेत. पण सदर बाब ही मा. महासभेच्या समोर आणली पाहिजे म्हणून आणलेला आहे. हे एकदम काय नविन आणलेले नाही. दुसरं आहे साकेत ते हटकेस पर्यंतची फिडरमन जल वाहिनीची वार्षिक देखभाल व दुरुस्ती त्याठिकाणचा पुर्वीचा खर्च होता 1 कोटी 12 लाख रुपये तो आता सुधारीत आहे 1 कोटी 46 लाख त्याठिकाणी 33 लाखाचा डिफ्रंट आलेला आहे. तिसरा एक आहे मिरा भाईंदर महापालिका क्षेत्रातील गिता नगर जलकुंभावरील 500 मीटर व्यसाच्या व हटकेस परिसरातील 600 मीटर व्यासाचा पाईप लाईन वर इलेक्ट्रॉक मिटर बसविणे त्याचा पुर्वीचा खर्च होता 24 लाख रुपये आताचा झाला 37 मग त्याठिकाणी 12 लाख रुपयाचा फरक पडलेला आहे. आणि शेवटच आहे त्याचा खर्च होता 22.26 लाख त्याठिकाणी तो 27 लाख झाला म्हणजे 4 लाखाचा फरक आहे. सुधारीतचा अर्थ इनामदार साहेब असा आहे पुर्वी ह्या खर्चाला मंजुरी दिलेली आहे ह्या ठिकाणी जो येत आहे ते महासभेच्या समोर आणण्याचे कारण असे आहे की खर्चात झालेला बदल महासभेला अवगत असणे आवश्यक आहे आणि कधी कधी डी.एस.आर. मुळे रेट बदलतात काही वेळा त्या कामात क्वांटीटी वाढते त्यामुळे हा वेळोवेळी बदल होत असतो. फिल्डवर काम करताना प्रत्यक्षात काढलेली निविदा आणि फिल्डवर करत असलेले काम ह्या ठिकाणी तफावत निर्माण झाली की अशी बाब तयार होते त्यामुळे सदर बाब ही महासभेच्या समोर आणने आवश्यक होते म्हणून आणलेली आहे. आणि हा फरक आहे म्हणून त्याला सुधारीत नाव दिलेले आहे. धंन्यवाद.

जुबेर इनामदार :-

साहेब बिल्कुल मंजुर आहेत तुम्ही हा गोषवारा वाचा आयुक्त साहेब तुम्ही केलेले तुमचे निवेदन.

मा. आयुक्त :-

अजुन सबमिट करतो पाणी हा विषय मला वाटते आता आजची अर्धी महासभा पाणी हा एकाच मुद्यावर चालली तर त्याच मुद्दयावर असताना परत पाणी. एका बाजुला पाण्याची काम फास्ट करताना छोट्या छोट्या गोष्टी निदर्शनास आणताना आपण त्याच्यात जास्त मुद्दे काढतो दुसऱ्या बाजुला पाणी हा विषय स्लो चालला तर आपण आंदोलन करतो म्हणजे प्रशासनाची डबल गडचेपी होते विनंती अशी आहे तो सुधारीत हा शब्द आहे आणि त्यात केलेला बदल याच्यात कुणाला आणखीन

व्ययक्तिक शंका असल्यास कार्यकारी अभियंता पाणी पुरवठा आहे आणि शहर अभियंता आणि मी आयुक्त म्हणून मी आहे कधी कुठली शंका असली तर मी ऐनीटाईम उत्तर द्यायला तयार आहे. धंन्यवाद.

जुबेर इनामदार :-

साहेब सभा कामकाज नियमामध्ये आपल्याकडे तरतुद उपलब्ध आहे त्याच्यामध्ये प्रशासनाला अतिआवश्यक कामाची गरज असल्यास तो अंतर्गत प्रस्ताव देता येतो. आणि असा पाण्याचा ज्वलंत विषय असता क अंतर्गत आम्हाला तुम्ही प्रस्ताव सादर केला असता सुधारीत प्रस्ताव तर काय आम्ही याला विरोध केला असता का ? आयुक्त महोदय तुम्ही केलेले निवेदन सब्मिशन त्याच्यामध्ये मी तुम्हाला एकच सांगु इच्छीतो दिलेला गोषवारा केलेला ठराव हा सुसंगत नाही. तुम्ही आम्हाला प्रशासनाने आम्हाला महासभेला गोषवारा दिला त्याच्यामध्ये फक्त तिनच विषयाचा उल्लेख केलेला आहे आणि त्या तीन विषया ऐवजी सुधारीत हा विषय आलेला आहे. सुधारीत खर्चाची मंजुरी घेण्यात येत आहे आणि त्याच बरोबर बाकीच्याही कामाची मंजुरी साहेब हा विषय होता अंदाज पत्रकात जे तयार करण्यात आलेले त्यानुसार मान्यता देतो खर्चाला कारण हा स्थायी समितीमध्ये जावू शकत नाही कारण हा 50 लाखाचा वरचा विषय आहे म्हणजे प्रत्येक विषय 50 लाखाचा वरचा आहे. महासभेचा समोर हा विषय गोषवारासहीत रितसर पुर्ण डिटेल्स प्रमाणे दिला पाहिजे होता खरोखरच गरज होती आयुक्त साहेब आपली तहकुब सभा होती बऱ्याच दिवसाची अवधी होती विभागीय अधिकाऱ्याने क चा प्रस्ताव सादर केला असता आम्ही त्याला मान्यता दिली असती. अशा प्रकारे दिलेला विषयावर आम्ही शासन दरबारी 100 टक्के जाणार दाद मागायला हा 451 अन्वये कारण तुम्ही बहुमताने ठराव कराल आणि मला वाटते महापौर मॅडम तुमच्या लक्षात हा विषय आलेला आहे.

मा. महापौर :-

तुम्ही सकाळ पासुन तेच तेच बोलत आहेत आम्ही ऐकून घेतो.

जुबेर इनामदार :-

हे तुम्हाला योग्य वाटले का ? गोषवाऱ्यामध्ये फक्त 3 विषय आहेत प्रशासनाने आपल्याकडे विषय दिले आहेत त्याची यादी तुम्ही वाचली त्यात कमित कमी नाही तरी 12-15 कोटी रुपयाचा खर्च ते आपल्याकडे अपेक्षित करत आहेत आपण त्याला मंजुरी देत आहोत मंजुरी विकास कामासाठी आपण कधीच थांबवली नाही.

मा. महापौर :-

प्रशासनाने काही लपवून नाही ठेवले आयुक्ताने तुम्हाला ह्या संदर्भामध्ये खुलासा केलेला आहे.

जुबेर इनामदार :-

आयुक्तांनीच गोषवारा दिलेला आहे आयुक्तांची स्वाक्षरी आहे मी तेच सांगत आहे हे 15 कोटी कशाला.

प्रशांत दळवी :-

जुबेर साहेब, महापौर मॅडम आयुक्त साहेबांची स्वाक्षरी आहे हे मान्य करतो परंतु आयुक्त महोदयांनी ह्या सगळ्या गोष्टीचा सविस्तर खुलासा आपणापुढे केलेला आहे त्यात काही लपवून ठेवण्यासारखे नाहीच आहे.

जुबेर इनामदार :-

आयुक्त महोदयांना परत माझी विनंती राहील हा विषय रितसर गोषवाऱ्याचा अनुसार हा रितसर महासभेसमारे बाकिचे जे तुम्हाला मंजुरीचे विषय आहेत ते तुम्ही द्या पाहिजे तर विशेष बैठक लावा.

मा. महापौर :-

जुबेर साहेब तुम्ही सकाळ पासुन हे सांगत होते की प्रशासनाने गोषवारा दिला नाही आता गोषवारा दिला आहे.

जुबेर इनामदार :-

आम्हाला विकासाच्या कामामध्ये अडचण आणायची नाही म्हणून मी विनंती करत आहे नाही तर आम्हाला याच्या विरोधात ठराव करावा लागेल. आणि आम्ही शासन दरबारी निवेदन करु. तुम्ही तीन विषयावर मंजुरी घ्या.

मा. आयुक्त :-

मा. महापौर मॅडमच्या परवानगीने बोलतो सन्मा. सदस्यांनी केलेल्या मागणी नुसार आणि मा. महापौरांनी दिलेल्या परवानगी नुसार जेवढे काही मुद्दे आहेत तीनच्या ऐवजी 10 आले 5 आले असा जो काही विषय आहे तर आम्ही सुधारीत गोषवारा पुढच्या महासभेत सुधारीत गोषवारा सर्व प्रकरण एकत्रित करुन सदर गोषवाऱ्याची प्रत सर्व सन्मा. सदस्यांना वेळेत मिळेल याची दक्षता घेवून पुन्हा सादर करु. धंन्यवाद.

जुबेर इनामदार :-

धंन्यवाद साहेब.

मा. महापौर :-

ठिक् आहे जे आता आयुक्त महोदयांनी म्हटले पण त्याच्यामध्ये आता जे आहे गोषवाऱ्यामध्ये ते मंजुर आहे.

प्रशांत दळवी :-

ते मंजुर करुन उर्वरित.

मा. महापौर :-

उर्वरित पुढच्या महासभेमध्ये रितसर आणावा आता पुढचा विषय घ्या.

प्रकरण क्र. 69 :-

आर्थिक व प्रशासकीय मंजूरी मिळणेबाबत. (पाणी पुरवठा विभाग)

ठराव क्र. 61 :-

मिरा भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रातील भाईंदर (पुर्व) जेसल पार्क येथील मलनि:स्सारण केंद्र जवळपास 30 ते 35 वर्षे जुने असल्याने अत्यंत जर्जर अवस्थेत आहे. त्याकरीता सदर मलनि:सारण केंद्राची दुरुस्ती व इतर अनुषंगिक कामे करणे आवश्यक आहे.

मिरारोड (पुर्व) काशिगांव येथील क्लासिक कंम्पाऊंड ते आर्च पुजा पार्क पर्यंतच्या परिसरातील इमारतींना कमी दाबाने व कमी प्रमाणात पाणी पुरवठा होत असल्याने सदर ठिकाणी पाणी पुरवठयात सुधारणा होणेकरीता नविन वाढीव व्यासाची जलवाहिनी अंथरणे आवश्यक आहे.

तसेच मिरा-भाईंदर शहरास पाणी पुरवठा करणारी साकेत ते पातलीपाडा पर्यंतची 1590 मि.मी. व्यासाची व पातलीपाडा ते हाटकेश पर्यंतची 1350 मि.मी. व्यासाची जलवाहिनीची वार्षिक देखभाल, दुरुस्ती व परिचलन काम करणे आवश्यक आहे.

उपरोक्त कामांची खालीलप्रमाणे अंदाजपत्रके तयार करण्यात आलेली आहे.

| अ.क्र | कामाचे नाव | अंदाजित खर्च (रु.) |
|---|---|---|
| 1. | मिरा-भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रातील भाईंदर (पुर्व) येथील जेसल पार्क मलनि:स्सारण केंद्राच्या दुरुस्ती व इतर अनुषंगिक कामे करणे. | रु. 1,97,65,000/- |
| 2. | मिरारोड (पुर्व), काशिगांव येथील क्लासिक कंम्पाऊंड ते आर्च पुजा पार्क पर्यंत डी.आय. जलवाहिनी पुरविणे व अंथरणे. | रु. 46,76,200/- |

| | | |
|---|---|---|
| 3. | साकेत ते हटकेश पर्यंतची फिडरमेन जलवाहिनीची वार्षिक देखभाल व दुरुस्ती करणे. | रु. 1,24,45,000/- |

वरील कामे अत्यावश्यक असल्याने सदर कामांना हि सभा आर्थिक व प्रशासकिय मान्यता देत आहे.

सुचक :- श्री. प्रशांत दळवी अनुमोदन :- श्री. दिनेश जैन

ठराव सर्वानुमते मंजूर

सही/-

महापौर

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र.70, पोलीस आयुक्त कार्यालयासाठी जागा हस्तांतर करणेबाबत.

विणा भोईर :-

मिरा भाईंदर महानगरपालिकेच्या मंजूर विकास योजनेत आरक्षण क्र. 334 पोलिस आयुक्तालय कार्यालयासाठी राखीव असून सदर आरक्षणाचे क्षेत्र 11815 चौ. मीटर एवढे आहे. सदर क्षेत्रापैकी मिरा भाईंदर महानगरपालिकेकडे 7346 चौ. मीटर जागा विकास हक्क प्रमाणपत्राद्वारे हस्तांतर झालेली आहे. सदर जागेची चालु बाजार भावानुसार (रेडीरेकनर) रू.20,06,92,720/- (अक्षरी रूपये वीस कोटी सहा लक्ष ब्याण्यव हजार सातशे वीस मात्र) एवढी रक्कम होत आहे.

महानगरपालिकेने पालिकेस विकास हक्क प्रमाणपत्राद्वारे हस्तांतरण झालेली 7346 चौ. मीटर जागा पोलिस आयुक्तालयाला देण्यासाठी रु.10.00 कोटी रक्कम महानगरपालिकेकडे जमा करण्यात आलेली असुन उर्वरीत होणारी रक्कम सदर विभागाकडून जमा करण्याचा मुद्दा करारनाम्यात टाकून संपूर्ण ताब्यातील जागा विक्रिद्वारे महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम कलम 79 नुसार हस्तांतरणाकरीता नोंदणीकृत करारनामा करुन जागा हस्तांतरण करण्यात यावी.

आरक्षणातील महानगरपालिकेच्या ताब्यात न आलेली उर्वरीत जागा ताब्यात आल्यानंतर प्रशासनाने त्या जागेची रेडीरेकनरप्रमाणे रक्कम शासनाकडून घेवून ती जागा पोलिस आयुक्तालयाला द्यावी.

तसेच महापालिका प्रशासनाने मंजुर विकास योजनेतील सर्व आरक्षणातील अतिक्रमणे व अनधिकृत बांधकामे काढून आरक्षणांच्या जमिनी ताब्यात घेणेबाबत तात्काळ कार्यवाही करणेस ही मा. महासभा मंजुरी देत आहे.

सुरेखा सोनार :-

माझे अनुमोदन आहे.

मा. महापौर :-

ठराव मंजुर करण्याचा पहिला खांबित साहेब बोलत आहेत.

दिपक खांबित :-

हा ठराव जो मांडलेला आहे त्यादिवशी गटनेत्यांच्या आणि सगळ्यांची मिटींग झाली आणि ऑलरेडी पोलीस विभागाला जागा हस्तांतरण करायला मंजुरी दिली आता पुन्हा ठरावात काही तरी वेगळच म्हटलेले आहे. आणि महापौरांनी पत्र दिल्यावरती आम्ही ॲग्रीमेंटची सुध्दा प्रोसिजर सुरु केली. सभागृह साहेब ठराव क्लियरकट व्हायला पाहिजे.

मा. आयुक्त :-

मा. महापौर मॅडमच्या परवानगीने बोलतो ह्या विषयान्वये मिरा भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रात गेल्या वर्षी ऑक्टोंबर मध्ये पोलीस आयुक्तालय झालेले आहे. खरतर वसई विरारची लोकसंख्या

सरासरीत आपल्या दुप्पट आहे. जवळ पास 25 लाखाच्या आसपास वसई विरारची लोकसंख्या असताना त्यांच्या पेक्षा निम्मे म्हणजे 12-13 लाख लोकसंख्या ह्या शहराची असुन सुध्दा मुख्यालय हे या शहरात झालेले आहे. त्यावेळच्या सर्व सन्मा. लोकप्रतिनिधींनी प्रयत्न केल्या मुळे त्याला यश आलेले असेल परंतु ह्या शहरात मुख्यालय झाल्या नंतर त्यांना जागा देणे आणि उर्वरित त्यांना लागणारी इंफ्रास्ट्रक्चर तशी महापालिकेची जबाबदारी असते. त्याअनुषंगाने गेल्या आठवड्यात महासभा लांबत आहे तहकुब केलेली म्हणून आपण मा. महापौरांच्या अध्यक्षतेखाली सर्व पक्षीय गटनेत्यांची बैठक घेतली. त्यामध्ये सर्वानुमते असे ठरले होते की तातडीची बाब म्हणून कारण ह्या वर्षीच्या अर्थसंकल्पात महाराष्ट्र राज्याच्या अर्थसंकल्पात गृह विभागासाठी ह्या शहरात पोलीस मुख्यालय बांधण्यासाठी त्यांना जी आर्थिक तरतुद करावयाची आहे त्यांची पुर्व अट अशी आहे की त्यांच्या ताब्यात जमीन असली पाहिजे म्हणून सर्वपक्षीय नेत्यांची गट बैठक होऊन आम्हाला लेखी स्वरुपात मा. महापौर मॅडमने पत्र दिलेले आहे की ह्या ठिकाणची कार्यवाही तुम्ही सुरु करावी त्याअनुषंगाने आपण ॲग्रीमेंटची कार्यवाही सुरु केलेली आहे लेखी पत्र ह्या कार्यालयाकडून मा. पोलीस आयुक्त आणि त्यांच्या कार्यालयातुन गेले. आणि महापौर मॅडमने केलेल्या सुचनेनुसार पुढील कार्यवाही सुरु झाली. आणि इव्हनदो ही कार्यवाही सुरु करण्यापुर्वी आपण सर्वपक्षीय गटनेत्यांची परवानगी आणि बैठक दोन्ही घेतलेल्या आहेत. आणि तुमच्या पुर्व परवानगीने हे सुरु केलेले आहे. त्यामध्ये स्पष्ट नमुद आहे की आपण आपल्या ताब्यात असणारी महापालिकेची जागा आता आपण त्यांना देत आहोत आणि आपल्याला आतापर्यंत त्यांनी 10 कोटी रुपये दिलेले आहेत शिवाय आपली सध्याची जी बिल्डींग आहे त्याठिकाणी पोलीस मुख्यालय आहे आणि डी.सी.पी. चे ऑफिस आहे त्याठिकाणी त्यांनी आजपर्यंत आपल्याला जवळ पास 1 कोटी 91 लाख रुपये भाडे दिलेले आहे. तर आपल्याला आजपर्यंत एक कोटी 91 लाख रुपये भाडे मिळालेले आहे. आणि आतापर्यंत आपण जागा ताब्यात नदेता 10 कोटी रुपये महापालिकेला वेल इन ॲडव्हान्स सी.पी. सरांनी आपल्याला पाठविलेले आहेत. उर्वरित रक्कम शासनाकडून उपलब्ध झाल्या नंतर ते महापालिकेला देणार आहेत. स्पष्ट एवढेच आहे की ह्या ठिकाणी आपण त्यांना तात्काळ जागा उपलब्ध करुन दिल्यास त्यांना ह्या अर्थसंकल्पात ह्या वर्षीच्या बजेट मंजुर होईल आणि पोलीस मुख्यालयाचे काम लवकरात लवकर पुर्ण होईल. असे स्पष्ट ठरलेले असताना त्याच अनुषंगाने असाच स्पष्ट ठराव होणे अभिप्रेत आहे. परंतु आता ठराव वाचत असताना त्यात बऱ्याच गोष्टी ज्या चर्चा झाल्या नव्हत्या त्या ॲड केलेल्या दिसत आहेत तर विनंती अशी आहे प्रशासनाकडून ज्या पध्दतीने आपण ठराव पाठवला तसाच स्पष्टपणे होणे आवश्यक आहे. धंन्यवाद.

मा. महापौर :-

धृवकिशोर पाटील साहेब त्यामध्ये थोडे चेंजेस आहेत त्या ठरावामध्ये.

धृवकिशोर पाटील :-

मॅडम ॲक्च्युअली कसे आहे आपण काय चुकीचा ठराव मांडलेला नाही त्याच्यामध्ये जे आपल्या ताब्यामध्ये जी जमीन आलेली आहे ती जमीन हँडओव्हर करायची आहे आणि 10 करोड रुपये आपण घ्यायचे आहेत आणि उरलेले 10 करोड घ्यायचे आहेत त्याचे फक्त हमीपत्र घ्यायचे आहे बाकी दुसरं कोणतही आपण त्याच्यामध्ये चुकिचे काही मांडलेले नाही साहेब. मॅडम तुम्ही बघा आपण काय सांगितले आहे की जी ताब्यात आलेली जागा ती त्यांना द्या आणि 10 करोड रुपये घ्या आणि उरलेले त्याचे फक्त एक हमीपत्र घ्यायचे आहे की उरलेले पैसे आम्ही तुम्हाला देणार.

मा. महापौर :-

मी काय बोलते ते ऐकून घ्या ते बरोबर असेल तर मग ते सभागृहाने मान्य करावे कारण आपण गटनेत्यांची बैठक घेतलेली आहे मा. आयुक्त साहेब पण त्याठिकाणी उपस्थित होते आणि नंतरच हा निर्णय घेण्यात आला होता. जरा मी त्या बैठकीत ठरले तसे बोलते महानगरपालिकेने पालिकेस विकास हक्क प्रमाणपत्रा द्वारे हस्तांतर झालेली 7 हजार 346 चौ. मी. जागा पोलीस

आयुक्ताला देवून 10 कोटी रक्कम महानगरपालिकेकडे जमा केली आहे आणि उर्वरित जागा महानगरपालिकेच्या ताब्यात आल्या नंतर प्रशासनाने त्या जागेची रेडीरेकणर प्रमाणे रक्कम शासनाकडून घेवून ती जागा पोलीय आयुक्ताला द्यायची आहे. आणि नोंदणीकृत करारनामा करुन जागा देण्यास आपण याला मान्यता द्यायची आहे.

ध्रुवकिशोर पाटील :-

बरोबर आहे मॅडम आपण काय चुकीचे म्हटलेले आहे त्याच्यामध्ये मॅडम आता जी उरलेली रक्कम आहे ती पण महापालिकेला प्राप्त झाली पाहिजेना आपण काय सांगितले की फक्त तुम्ही त्याचे हमिपत्र घ्या की उरलेले पैसे पण आम्ही महापालिकेला देवू.

मा. महापौर :-

ऐका त्यांच्या बरोबर आपले ॲग्रीमेंट झालेले आहे आणि त्या ॲग्रीमेंटमध्ये आपण तस म्हटलेले आहे. आपल्याला फक्त हे म्हणायचे आहे की नोंदणीकृत करारनामा करुन जागा देण्यास आपण मान्यता करायची आहे.

प्रशांत दळवी :-

ठिक आहे महापौर मॅडम आपण जी अगोदर गटनेत्यांची बैठक घेतली त्या बैठीचे कंटेन आपण ह्या ठरावामध्ये मेन्शन करुया आणि हा ठराव मंजुर करुया.

मा. महापौर :-

ते नमुद करा.

जुबेर इनामदार :-

गटनेत्यांच्या बैठीमध्ये ठराव झालेला होता महापौर मॅडम त्याच्यामध्ये काय बदल केला आहे का?

मा. महापौर :-

नाही काही बदल केलेला नाही.

विणा भोईर :-

महापौर मॅडम, थोड ज्या आरक्षणाच्या बाबतीत जे बाकीचे आरक्षण आहेत 331, 332, 333, 335 ह्या आरक्षणाचा टी.डी.आर. 2007 आणि 2012 मध्ये देण्यात आलेला आहे. तरीही त्या जागेमध्ये अतिक्रमणे वाढलेली आहेत. त्याठिकाणी दोन वेळा आग लागण्याची घटना घडलेली आहे. तसेच एकवेळा दोन सिलेंड तिथे ब्लास्ट झालेले आहेत. तर मला मा. आयुक्त साहेबांना..................

मा. महापौर :-

ताई तो आरक्षणाचा विषय नंतर आहे. पण आता मला हे म्हणायचे आहे की ह्या विषयावर ढवणताईला काही बोलायचे आहे का ?

निलम ढवण :-

महापौर मॅडम ह्या विषयावर नाही बोलायचे फक्त हा विषय संपल्या नंतर महासभा संपवणार आहात म्हणून फक्त एक मुद्दा मांडते.

मा. उपमहापौर :-

अजुन नक्की केलेले नाही.

मा. महापौर :-

दळवी साहेबांनी तशी सुचना केली की सकाळ पासुन आपले जुबेर इनामदार साहेब बोलत आहेत गोषवारा नाही कारण ह्या सगळ्या विषयावरती गोषवारा नाही असेच उपस्थित होणार पण हे सगळे विषय सुध्दा आपले महत्वाचेच आहेत तुम्ही निट बघितलेना तर सगळे विषय पुन्हा महत्वाचे आहेत. आणि मला असे वाटते की प्रशासनाने ह्या विषयावरती गोषवारा द्यावा म्हणजे आपल्याला

रितसर ह्या विषयावरती चर्चा करता येईल आणि नेमके योग्य ते धोरण ठरवता येईल. म्हणून दळवी साहेबांनी ती सुचना केलेली आहे ती सुचना आपण ह्या ठिकाणी मान्य करुन............

निलम ढवण :-

महापौर मॅडम संपविण्या पुर्वी एकच सुचना आहे मागच्या एका महासभेत देखील आपण असच ठरवले होते आपल्याला एक विनंती केली होती की जे जे महासभेमध्ये झालेले विषय आहेत त्याचे जे जे ठराव असतील त्या ठरावाची कॉपी लवकरात लवकर 2 ते 3 दिवसामध्ये ती त्या त्या विभागामध्ये आपण देण्यात यावी आणि आता पुन्हा एकदा आपल्याला विनंती करते की त्याचा कॉपीज 2-3 दिवसामध्ये कारण तुमचीच एक सही असते ती सही जर करुन लवकरात लवकर जर पाठवले............

मा. महापौर :-

ढवणताई ऐका त्याच्या वरती माझी असते बरोबर आहे पण माझाकडे हा जो ठराव झाल्या नंतर आता तुम्ही जर सांगितले कधी कधी ते ठराव वाचावे लागतात दुसरे पण विषय असतात त्यामुळे मी माझा पध्दतीने बरोबर देते तुम्हाला इथे सुचना करायची काही गरज नाही.

निलम ढवण :-

नाही मॅडम लेट होते 10-15 दिवस जातात मॅडम.

मा. महापौर :-

बघा जेव्हा सिमेंटचा रस्त्याचा विषय होता इथे सभागृहामध्ये सर्व नगरसेवकांनी काय सांगितले आमचे रस्ते आलेले नाहीत त्याच्यामुळे त्याच्यासाठी तो ठराव आपण पेंडींग ठेवला.

निलम ढवण :-

तो आपण पुढे घेणार ना पुढचा मिटींगमध्ये घेणार. जे झालेले ठराव आहेत ते मी म्हणते.

मा. महापौर :-

नगर सेवकांकडून सुचना आल्या नंतर मग त्या ठरावामध्ये ते नमुद करुन मग माझी सही होणे गरजेचे आहे. बाकी माझाकडे एकही ठराव नाही. माझाकडचे सर्व ठराव मी दिलेले आहेत.

निलम ढवण :-

महापौर मॅडम आपले म्हणणे बरोबर आहे आपण कायक्षम आहात त्याबदल नो डाऊट पण जे ठराव झालेले असतील समजा सुचना असतील त्या तुम्हाला घ्याव्याच लागतील पण त्या लवकरात लवकर जर प्रशासनाला पुढे दिल्या तर त्याची अंमलबजावणी करायला आपल्याला वेळेवर आणि लवकर होईल याच्यासाठी मी सुचना मांडली आहे.

मा. महापौर :-

नक्की तसेच होणार आहे.

जुबेर इनामदार :-

महापौर मॅडम हरकतीचा मुद्दा आहे अशरफ शेख यांचा. त्यांना चर्चा करण्याची अनुमती देण्यात यावी.

मा. उपमहापौर :-

अभी ओ जगेपे नही है ।

जुबेर इनामदार :-

ठिक आहे.

प्रकरण क्र.70 :-

पोलीस आयुक्त कार्यालयासाठी जागा हस्तांतर करणेबाबत.

ठराव क्र. 62 :-

मिरा भाईंदर महानगरपालिकेच्या मंजूर विकास योजनेत आरक्षण क्र. 334 पोलिस आयुक्तालय कार्यालयासाठी राखीव असून सदर आरक्षणाचे क्षेत्र 11815 चौ. मीटर एवढे आहे. सदर क्षेत्रापैकी मिरा भाईंदर महानगरपालिकेकडे 7346 चौ. मीटर जागा विकास हक्क प्रमाणपत्राद्वारे हस्तांतर झालेली आहे. सदर जागेची चालु बाजार भावानुसार (रेडीरेकनर) रू.20,06,92,720/- (अक्षरी रूपये वीस कोटी सहा लक्ष ब्याण्यव हजार सातशे वीस मात्र) एवढी रक्कम होत आहे.

महानगरपालिकेने पालिकेस विकास हक्क प्रमाणपत्राद्वारे हस्तांतरण झालेली 7346 चौ. मीटर जागा पोलिस आयुक्तालयाला देण्यासाठी रु.10.00 कोटी रक्कम महानगरपालिकेकडे जमा करण्यात आलेली असुन उर्वरीत होणारी रक्कम सदर विभागाकडून जमा करण्याचा मुद्दा करारनाम्यात टाकून संपूर्ण ताब्यातील जागा विक्रिद्वारे महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम कलम 79 नुसार हस्तांतरणाकरीता नोंदणीकृत करारनामा करुन जागा हस्तांतरण करण्यात यावी.

आरक्षणातील महानगरपालिकेच्या ताब्यात न आलेली उर्वरीत जागा ताब्यात आल्यानंतर प्रशासनाने त्या जागेची रेडीरेकनरप्रमाणे रक्कम शासनाकडून घेवून ती जागा पोलिस आयुक्तालयाला द्यावी.

तसेच महापालिका प्रशासनाने मंजुर विकास योजनेतील सर्व आरक्षणातील अतिक्रमणे व अनधिकृत बांधकामे काढून आरक्षणांच्या जमिनी ताब्यात घेणेबाबत तात्काळ कार्यवाही करणेस ही मा. महासभा मंजुरी देत आहे.

सुचक :- श्रीम. विणा भोईर          अनुमोदन :- श्रीम. सुरेखा सोनार

ठराव सर्वानुमते मंजूर

सही/-

महापौर

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

मा. महापौर :-

विषय क्र. 71 ते 79 आणि वरचे दोन विषय या विषया वरती प्रशासनाने योग्य तो गोषवारा द्यावा जेणे करुन पुढच्या महासभेमध्ये त्यावर निर्णय घेण्यात येईल. प्रशासनाचे इतरही संबंधित काही विषय असतील तेही पुढच्या सभेमध्ये घेण्यात यावेत. आणि आजची ही महासभा संपली असे मी ह्याठिकाणी जाहिर करत आहे.

(सभा संपल्याची वेळ दु. 3.20 वाजता)

सही/-

महापौर

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

(वासुदेव शिरवळकर)

नगरसचिव

मिरा भाईंदर महानगरपालिका